य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 20 | अंक 126 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | **नई दिल्ली, मंगलवार, 26 नवंबर, 2024** | मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी, संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

संविधान रचना के 75 साल

राजस्थान पत्रिका

संविधान सभा की **मुहर**

स्थापना 06-12-1946

भंग 24-01-1950

संविधान दिवस पर विशेष

भरोसे का प्रतीक

संविधान की ऊर्जा, लोकतंत्र का जश्न

संविधान किसी भी सफल लोकतंत्र का वाहक होता है। संविधान निर्माताओं ने आज से 75 साल पहले इसे बनाने के बाद संसद के हवाले तो कर दिया पर शीर्ष अदालत को इसकी निगहबानी भी सौंप दी। आज हमारा संविधान सफल लोकतंत्र के 75 साल पूरे होने पर जश्न मना रहा है। 141 बैठकों के बाद 2 साल 11 महीने और 18 दिन में तैयार एक प्रस्तावना, 395 अनुच्छेद व 8 अनुसूचियों के साथ स्वतंत्र भारत के संविधान का मूल प्रारूप तैयार हुआ। मूल संविधान से लेकर अब तक देश ने लंबी यात्रा तय की है और इस दौरान संविधान में समय-समय पर कुछ संशोधन भी किए गए। इन संशोधनों के कारण आज संविधान में 12 अनुसूचियों सहित 400 से अधिक अनुच्छेद हैं। भारतीय गणतंत्र के 75 साल के इतिहास में 106 संविधान संशोधन हुए। सिर्फ राष्ट्रीय न्यायिक आयोग के गठन से संबंधित 99वें संविधान संशोधन को असंवैधानिक बताया गया। यह बताता है कि देश के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शासन के दायरे का किस प्रकार समयानुकूल विस्तार किया गया। यह साबित करता है कि हमारा संविधान जीवंत है। वहीं, सात दशक में केंद्र और राज्यों में सत्ता का 360 से अधिक बार शांतिपूर्ण हस्तांतरण इसके प्रति भरोसे का सबूत है।

नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शासन के दायरे का विस्तार किया गया। यह साबित करता है कि हमारा संविधान जीवंत है। करीब 360 बार सत्ता हस्तांतरण भरोसे का सबूत है।

ऐसा भी नहीं है कि इस यात्रा के दौरान सब कुछ आसानी से आगे बढ़ता रहा। इस दौरान कई चुनौतियां भी आईं। संविधान के मूल ढांचे को लेकर विधायिका और न्यायपालिका भी आमने-सामने आईं। हालांकि, तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद हमारे संविधान ने समय की कसौटी पर स्वयं को सिद्ध किया है। यह संविधान की ही ऊर्जा है कि हमारा देश कभी भी अस्थिरता का शिकार नहीं हुआ। संविधान में संशोधन और चुनाव दोनों अहम प्रक्रियाएं हमारे देश को आगे लेकर बढ़ रही हैं।

मूल प्रतियां संरक्षित

हीलियम भरे बॉक्स में मूल प्रतियां

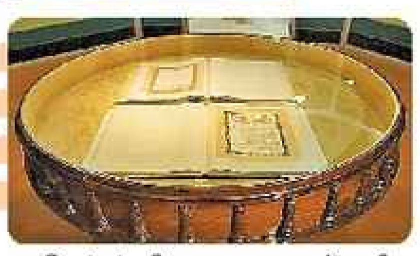

संविधान की मूल प्रतियां संसदीय पुस्तकालय में रखी हैं। इन्हें हीलियम से भरे एक बॉक्स में नेफ्थलीन गेंदों के साथ फलालैन के कपड़े में लपेट कर रखा गया है।

संविधान सभा

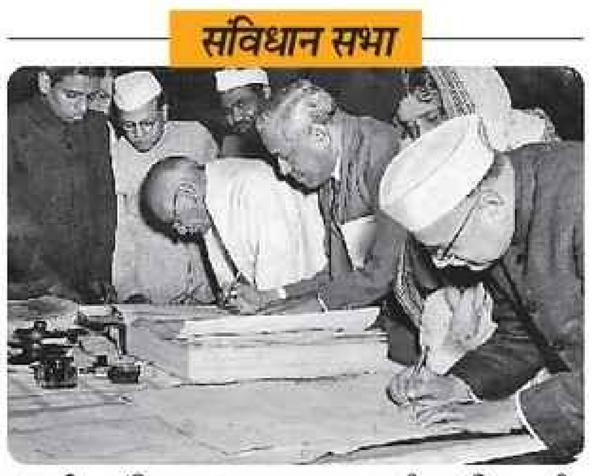

भारतीय संविधान सभा का चुनाव भारतीय संविधान की रचना के लिए किया गया था। संविधान सभा में 389 सदस्य थे। भारत के विभाजन के बाद कुल सदस्य संख्या 299 रह गए। इनमें 229 चुने हुए और 70 मनोनीत सदस्य थे। इसके अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे।

प्रारूप सभा

भारतीय संविधान का प्रारूप सात सदस्यों ने तैयार किया था। इनमें डॉ. बीआर अंबेडकर, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, एन. गोपालस्वामी, केएम. मुंशी, मोहम्मद सादुल्ला, बीएल मित्तर और डीपी खेतान शामिल थे। इसके अध्यक्ष डॉ. बीआर अंबेडकर थे।

25 नवंबर 1949 को डॉ. अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारतीय संविधान का अंतिम मसौदा सौंपते हुए

THE CONSTITUTION OF INDIA

हर देश का अतीत उसके इतिहास के पन्नों में कैद होता है और भविष्य संविधान के पन्नों में। हौसलों की रोशनाई से लिखा जाता है उम्मीदों का ग्रंथ संविधान। हमारे संविधान निर्माताओं ने भविष्यदृष्टा की तरह आने वाली समस्याओं का शायद भांप लिया था और 75 साल में यह प्रमाणित हुआ है कि हमारा संविधान नाजुक मौकों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है और नागरिकों के अधिकारों का रक्षक साबित हुआ। हमारे नेता कुर्सी संभालते समय संविधान की शपथ लेते हैं लेकिन 140 करोड़ लोगों के लिए वह आदर और सुरक्षा का कवच है। संविधान से मिले नागरिक अधिकारों पर 1975 में इमरजेंसी के दौरान चोट हुई तो जनता ने इसे बर्दाश्त नहीं किया। संविधान में समय के अनुकूल संशोधन और समय-समय पर न्यायिक निर्णयों ने इसे जीवंत बनाया। आज के दौर में संविधान की जितनी चर्चा है, उतनी शायद कभी नहीं हुई। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सब संविधान की दुहाई देते हैं। संविधान के प्रति असम्मान और उसकी अवहेलना पर जनता की लगातार पैनी नजर है।

संविधान सभा में 26 नवंबर, 1949 को पारित और 26 जनवरी, 1950 से देश में प्रभावी

मैं भारत का संविधान हूं...

संविधान का मतलब

सम = समान ▪ विधान = नियम

(सभी नागरिकों पर लागू होने वाले समान नियम)

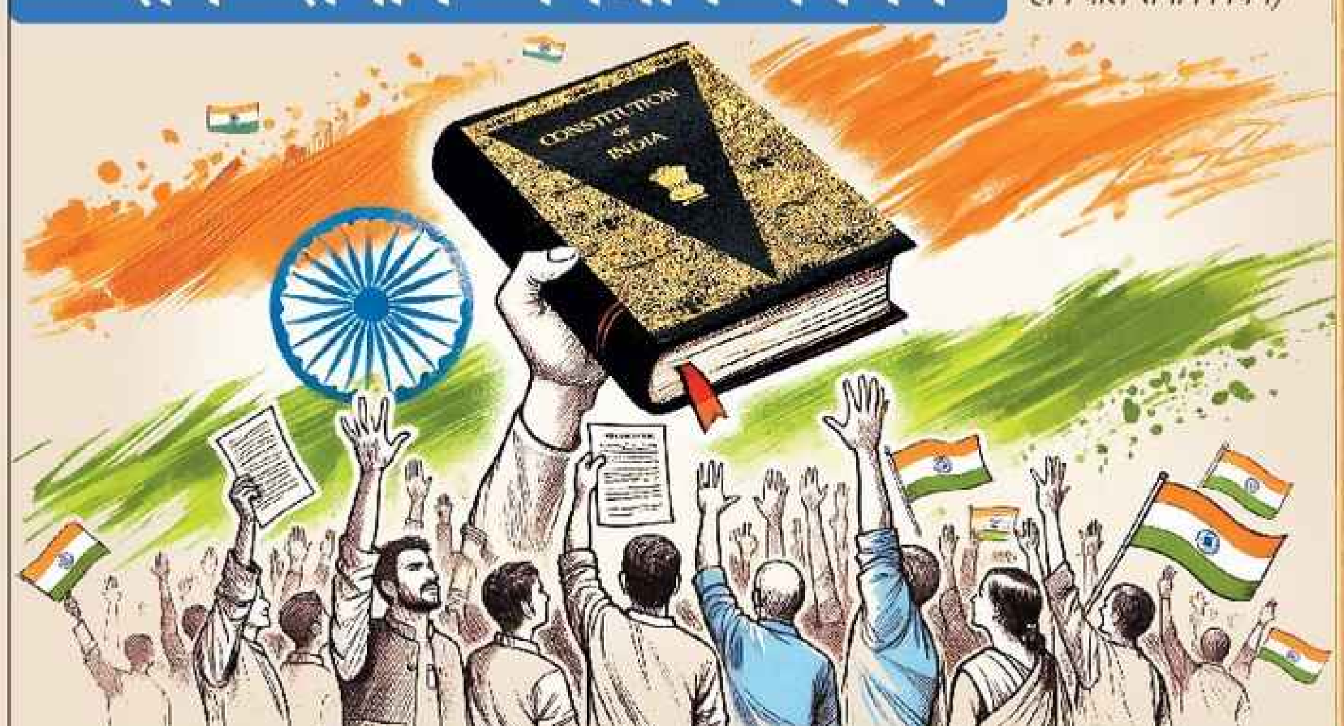

सबसे बड़ा लिखित संविधान

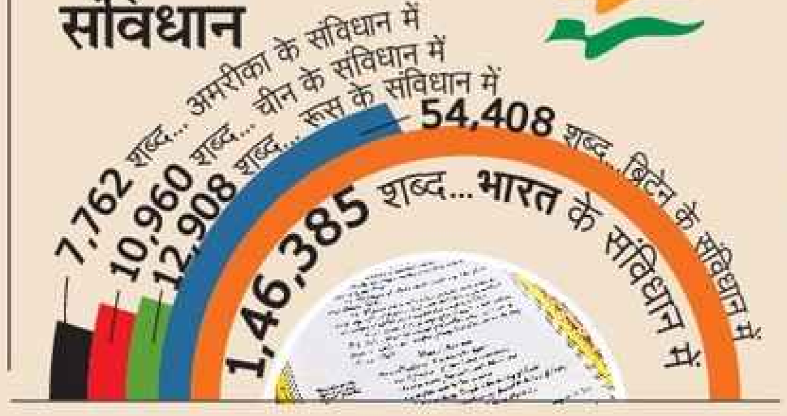

यह हैं खास बातें

संविधान की मूल प्रति कैलिग्राफर **प्रेम बिहारी रायजादा** ने लिखी थी। (संविधान के प्रत्येक पन्ने पर अपना नाम लिखने की शर्त पर बिना मेहनताना लिए लिखा, अंतिम पेज पर अपने दादा का नाम लिखा।)

संविधान लिखने में छह माह का समय लगा।

अंग्रेजी में इटैलिक में लिखी मूल प्रति।

64 लाख रुपए खर्च हुए थे संविधान लिखने पर।

432 पेन की निब घिस गई थी संविधान लेखन में।

संविधान की शुरुआत की गई है ***अशोक चिह्न*** से

राम-कृष्ण-बुद्ध-महावीर के चित्र

मूल संविधान में भारत के प्रतीक कई चित्र भी शामिल किए गए। जैसे अशोक चिह्न, काल की छाती पर पैर रखकर नृत्य करते नटराज, अयोध्या लौटते राम-सीता और लक्ष्मण, अर्जुन को गीता का उपदेश देते भगवान कृष्ण, गंगा का अवतरण, लंका जाते हनुमान, राजा विक्रमादित्य, राजा भरत, गौतम बुद्ध, भगवान महावीर, सम्राट अशोक, वैदिक यज्ञशाला, वैदिक गुरुकुल, नालंदा विश्वविद्यालय, सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़े चित्र, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, रानी लक्ष्मी बाई, गुरु गोबिंद सिंह, दरबार में बैठा अकबर, टीपू सुल्तान, थार के रेगिस्तान को पार करते ऊंट। *(इनके अतिरिक्त भी कई चित्र है।)*

चित्र नहीं सिर्फ शब्द ही संविधान का हिस्सा...

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कहने पर ***शांति निकेतन के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस*** ने अपने छात्रों के साथ चित्रों व बॉर्डर से संविधान की प्रति को सजाया। उन्हें 21 हजार रुपए मिले। संविधान के कवर को सुनहरे शतदल कमल और अन्य फूलों से सजाया गया है। संविधान में बने चित्रों पर संविधान सभा में बहस भी हुई। सदस्यों ने सवाल उठाया कि संविधान में धार्मिक चित्र होंगे तो वह पंथनिरपेक्ष कैसे? इस पर वोटिंग से तय हुआ कि संविधान में लिखे शब्द ही संविधान का हिस्सा होंगे, चित्र नहीं।

संसद से बड़ा संविधान : नहीं बदल सकता मूल ढांचा

1 गोलक नाथ का मामला, 1967

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि अनुच्छेद 13 में 'कानून' शब्द में संविधान संशोधन अधिनियम भी शामिल हैं। संसद मौलिक अधिकार को समाप्त या कम नहीं कर सकती है। इस पर संसद ने 24वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 पारित किया। इसके तहत संसद मौलिक अधिकार को समाप्त या कम कर सकती है।

2 केशवानंद भारती का मामला, 1973

सुप्रीम कोर्ट ने 24वें संविधान संशोधन अधिनियम की वैधता को बनाए रखा और कहा कि संसद किसी भी मौलिक अधिकार को समाप्त या कम कर सकती है। हालांकि इसने संविधान के मूल संरचना का नया सिद्धांत निर्धारित किया। **इसके अनुसार संसद भी संविधान के 'मूल ढांचे' में बदलाव नहीं कर सकती।**

3 मूल ढांचे के प्रमुख तत्व

- लोकतांत्रिक व गणतांत्रिक स्वरूप
- धर्मनिरपेक्ष चरित्र, संसदीय प्रणाली
- शासन में शक्तियों का पृथक्करण
- संघीय ढांचा, कल्याणकारी राज्य
- समानता का सिद्धांत,
- निष्पक्ष चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका

संशोधनों से नई दिशा...

पहला संशोधन कल्याण के उपाय

संसद *में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की ओर से 10 मई, 1951 को पेश किया गया। 18 जून, 1951 को संसद ने इस प्रस्ताव को पारित किया।*

क्या बदलाव: *इस संशोधन के जरिए जागीरदारी उन्मूलन करने और अजा-जजा वर्ग के कल्याण के लिए विशेष प्रावधान करने को मंजूरी दी गई।*

अंतिम संशोधन नारी शक्ति वंदन

128वां *संविधान संशोधन विधेयक 19 सितंबर, 2023 को संसद में लाया गया। यह भारतीय संविधान में होने वाला 106वां संशोधन था।*

क्या बदलाव: *जनगणना के बाद लोकसभा, राज्य विधानसभा और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान किया गया।*

महिला आरक्षण को लेकर विधेयक पेश करने के बाद महिलाओं ने पीएम मोदी का किया अभिवादन।

ये संशोधन भी मील के पत्थर

1 भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन

संविधान में सातवां संशोधन 1956 को लागू किया था। इसमें भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया। तीन श्रेणियों में राज्यों के वर्गीकरण को समाप्त करते हुए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। इनके अनुरूप सीटों को पुनर्व्यवस्थित किया।

2 राष्ट्रीय न्यायिक आयोग खारिज

संसद ने 99वें संविधान संशोधन से उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन की व्यवस्था की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए पुन: कॉलेजियम प्रणाली लागू की। यह संविधान की ताकत को दर्शाता है।

3 जीएसटी व्यवस्था लागू

केंद्र सरकार ने लोकसभा में 19 दिसंबर 2014 को जीएसटी लागू करने के लिए संविधान में संशोधन किया था। संविधान में नया अनुच्छेद 279ए जोड़कर जीएसटी परिषद के गठन का प्रावधान किया गया। 2016 में अधिसूचना जारी हुई।

4 सामान्य वर्ग को 10 फीसदी आरक्षण

103वें संविधान संशोधन के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को शिक्षा व नौकरी में 10 फीसदी आरक्षण दिया गया। राज्यसभा में इससे संबंधित बिल के समर्थन में 165 मत पड़े, जबकि सात सदस्यों ने विरोध किया। वहीं, लोकसभा में इसके समर्थन में 323 मत पड़े जबकि विरोध में 3 मत पड़े।

5 समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्द जुड़ा

संविधान में समाजवादी शब्द 1976 में हुए 42वें संशोधन अधिनियम द्वारा प्रस्तावना में जोड़ा गया था। यह सभी नागरिकों के लिए सामाजिक व आर्थिक समानता सुनिश्चित करता है। जाति, रंग, नस्ल, लिंग, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव किए बिना, सभी को बराबर का दर्जा व अवसर देता है। इसी तरह, धर्मनिरपेक्ष शब्द भी प्रस्तावना में जोड़ा। यह सभी धर्मों की समानता व धार्मिक सहिष्णुता तय करता है।

6 दल-बदल कानून से शिकंजा

1985 में 52वें संविधान संशोधन के जरिए संविधान में दसवीं अनुसूची जोड़ी गई। इसे दल-बदल विरोधी कानून कहा जाता है। इसमें दल बदलने वाले सांसदों-विधायकों की सदस्यता रद्द करने का प्रावधान किया गया।

7 मताधिकार की उम्र घटाई

1989 में 61वें संविधान संशोधन में मताधिकार की उम्र उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई। इससे लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई।

बाबा साहेब अंबेडकर ने दी थी तीन चेतावनी...

बदलें: लोकतंत्र में विरोध के तरीके

1 जब तक संवैधानिक रास्ते खुले हैं तब तक सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह जैसे तरीकों की जगह नहीं होनी चाहिए।

छोड़ें: व्यक्ति की सत्ता के आगे नतमस्तक हो जाने की प्रवृति

2 राजनीति में भक्ति या नायक की पूजा तानाशाही के लिए मार्ग सुनिश्चित करती है।

संतोष न करें: लोकतंत्र पा लेने से

3 राजनीतिक लोकतंत्र प्राप्त कर लेने भर से असमानता खत्म नहीं हो जाती है। लंबे समय तक समानता से वंचित रहे, तो हम राजनीतिक लोकतंत्र को संकट में डाल देंगे। इसलिए संतुष्ट न हों।

तब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था...

25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा का काम पूरा होने पर दिए गए भाषण के अंश

एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को खारिज करते रहेंगे

इसमें कोई संदेह नहीं है कि खुश रहने के प्रमुख कारणों में स्वतंत्रता भी है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस स्वतंत्रता के साथ हम पर कुछ महान जिम्मेदारियों का भार भी है।

26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभास भरे जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। यह सच है कि राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में हमारे पास समानता होगी, लेकिन सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे में एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को लगातार अस्वीकार करते रहेंगे।

हम कब तक विरोधाभासों से भरे इस जीवन को जीना जारी रखेंगे? हम कब तक अपने सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता के अधिकार को नकारते रहेंगे? यदि हम इन अधिकारों को लंबे समय तक नकारते रहेंगे जो जाहिर है कि हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को संकट में डाल रहे होंगे। जितना जल्दी हो सके, हमें इन विरोधाभास को दूर करना चाहिए। यह मत भूलिए कि जो लोग असमानता से पीड़ित हैं, वे लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं, जिसे इस संविधान सभा ने बहुत ही मेहनत से खड़ा किया है। मुझे लगता है कि हमारा संविधान व्यावहारिक है, यह लचीला भी है और देश को शांति और युद्ध दोनों स्थितियों में एक साथ रखने के लिए पर्याप्त मजबूत भी है। वास्तव में, यदि मैं यह कहूं कि नए संविधान में निहित कुछ चीजें गलत होती हैं, तो इसका कारण यह नहीं होगा कि हमारे पास एक खराब संविधान था, बल्कि हम यह कहेंगे कि इसे लागू करने वाले लोगों में कमी है। दुनिया के वास्तविक अर्थ में यह कहना गलत नहीं होगा कि भारतीयों का कोई राष्ट्र है ही नहीं, इसे अभी बनाया जाना है। हमारा यह विश्वास कि हम एक राष्ट्र हैं, एक बड़ा भ्रम पाल रहे हैं। एक राष्ट्र के रूप में लोग हजारों जातियों में कैसे बंटे हो सकते हैं? जितनी जल्दी हम यह महसूस कर लेंगे कि हम एक राष्ट्र नहीं हैं, दुनिया के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अर्थों में हमारे लिए बेहतर होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि खुश रहने के प्रमुख कारणों में स्वतंत्रता भी है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस स्वतंत्रता के साथ हम पर कुछ महान जिम्मेदारियों का भार भी है।

आजादी मिलने के साथ ही हमने कुछ भी गलत होने पर अंग्रेजों को दोषी ठहराने का बहाना खो दिया है। यदि इसके बाद चीजें गलत होती हैं, तो हमारे पास स्वयं को दोषी ठहराने के अलावा और कोई व्यक्ति नहीं होगा। इससे चीजें बिगड़ने का ज्यादा खतरा रहता है। समय तेजी से बदल रहा है।

'संविधान के प्रारूप को तैयार करने के हमारे दो प्रमुख उद्देश्य रहे हैं- पहला देश में राजनीतिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के ढांचे को खड़ा करना। दूसरा, हमारा देश आदर्श आर्थिक लोकतंत्र हो, हर सरकार यह प्रयास करे।

संबंधित आलेख @ पत्रिकायन

कंटेंट: **कुमार अनुज**

पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन-2024 का किया उद्घाटन

3 साल बाद भारत के हर गांव में हो जाएगी सहकारी संस्था

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन - 2024 का उद्घाटन करते हुए स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। उन्होंने सहकारिता से समृद्धि का मंत्र दिया। इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री और फ़िजी के उप-प्रधानमंत्री विशेष रूप से मौजूद रहे। गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि 3 साल बाद भारत में एक भी गांव ऐसा नहीं रहेगा जहां सहकारी संस्था न हो। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनिया भर के करोड़ों गरीबों व किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा। शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के माध्यम से लाखों गांवों, करोड़ों महिलाओं और किसानों की समृधि का रास्ता खोला। आज़ादी के 75 साल बाद भारत के सहकारिता आंदोलन का पुनर्जन्म हुआ है और इसमें एक नया जोश आया है।

शाह बोले - आज़ादी के 75 साल बाद भारत के सहकारिता आंदोलन का हुआ पुनर्जन्म

सहकारिता विवि बनेगा

शाह ने कहा कि सहकारिता वर्ष में नई सहकारी नीति लाकर मोदी सरकार भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने का काम करेगी। राष्ट्रीय स्तर पर बनी 3 नई सहकारी समितियों के माध्यम से भारत का किसान न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया के बाजार तक पहुंचेगा। जल्द ही सहकारिता विश्वविद्यालय बनेगा, जिसके माध्यम से प्रशिक्षित और तकनीक से युक्त मानव संसाधन का निर्माण होगा।

पत्रिका
विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें...
patrika.com

नवाचार और तकनीक की दिशा में आगे बढ़ती लोकसभा

नई दिल्ली. 18वीं लोक सभा के तीसरे सत्र की शुरुआत में सांसदों ने ऑनलाइन डिजिटल अटेंडेंस लगाई। स्टाइलस और डिजिटल टैब के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करवाने की प्रणाली का आरंभ हुआ। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की इस पहल का स्वागत करते हुए सदस्यों ने इसे सरल, सुविधाजनक और अधिक अनुकूल बताया है।

जमानत नियम, जेल अपवाद का सिद्धांत दोहराया

ट्रायल कोर्ट को मुकदमे की समय सीमा देना गलतः सुप्रीम कोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'जमानत नियम है, जेल अपवाद' के सिद्धांत को दोहराते हुए कहा कि हाईकोर्टों को ट्रायल कोर्टों को मुकदमे तय करने की समय सीमा तय नहीं करनी चाहिए। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस एजे मसीह की बेंच ने जाली नोटों के मामले में एक ऐसे आरोपी को जमानत देते हुए यह टिप्पणी की जो ढाई साल से जेल में बंद था।

हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट को मुकदमे के जल्द निपटारे के निर्देश दिए थे। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्टों के इस रवैये की निंदा की और कहा कि जेल अपवाद है और जमानत नियम। हमने विभिन्न उच्च न्यायालयों द्वारा पारित कई आदेशों में देखा है कि नियमित तरीके से जमानत के लिए आवेदनों को खारिज करते समय हाईकोर्ट समय सीमा तय कर देते हैं। इस तरह के निर्देश ट्रायल कोर्ट के कामकाज को प्रभावित करते हैं क्योंकि उनके पास कई बहुत पुराने मामले लंबित रहते हैं।

कनेक्टिविटी के साथ यात्रा होगी आसान

भारतीय रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को कैबिनेट से मंजूरी

तीनों परियोजनाओं की लागत 7,927 करोड़, चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने सोमवार को रेल मंत्रालय की मल्टीट्रैकिंग की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत करीब 7,927 करोड़ रुपए है। इनमें 160 किमी लंबी जलगांव - मनमाड चौथी लाइन, 131 किमी लंबाई वाली भुसावल-खंडवा की तीसरी और चौथी लाइन तथा 84 किम लंबाई की प्रयागराज (इरादतगंज) - मानिकपुर तीसरी लाइन शामिल है। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से परिचालन आसान हो जाएगा और भीड़ कम हो जाएगी, जिससे मुंबई और प्रयागराज के बीच सबसे व्यस्त खंडों पर

आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास हो सकेगा।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को ''आत्मनिर्भर'' बनाएगी, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हो पाई हैं और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। तीन राज्यों यानी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सात जिलों को कवर करने वाली तीन परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 639 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं दो आकांक्षी जिलों (खंडवा और चित्रकूट) में कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी, जो लगभग 1,319 गांवों और लगभग 38 लाख आबादी को सेवा प्रदान करेंगी।

तीर्थ यात्रियों को होगा लाभ

प्रस्तावित परियोजनाओं से मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके चलते नासिक (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) में ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी में धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो, अजंता और एलोरा गुफाएं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, असीरगढ़ किला, रीवा किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केवटी फॉल्स और पुरवा फॉल्स आदि जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

माल परिवहन होगा किफायती

ये कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, इस्पात, सीमेंट, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 51मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा।

'शिक्षकों का उत्थान, भारत का उत्थान' विषय पर संबोधन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान किया ने टीचरऐप का अनावरण

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को नई दिल्ली में टीचरऐप का अनावरण किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने ''शिक्षकों का उत्थान, भारत का उत्थान'' विषय पर सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह ऐप निरंतर क्षमता निर्माण, नवीन पाठ्यक्रम सामग्री, प्रौद्योगिकी और समुदाय-निर्माण सुविधाओं का लाभ उठाकर शिक्षकों को महत्वपूर्ण रूप से सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रबुद्ध शिक्षक प्रबुद्ध छात्रों का निर्माण करते हैं। शिक्षक ही भविष्य के अवसरों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि हमारे युवा राष्ट्र की विकास कहानी का नेतृत्व करें। कार्यक्रम में भारती एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष राकेश भारती मित्तल ने कहा कि टीचरऐप शिक्षकों को विश्व स्तरीय संसाधनों और सर्वोत्तम प्रथाओं तक पहुंच प्रदान करेगा, जो उन्हें असाधारण शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए सशक्त बनाता है। भारती एयरटेल फाउंडेशन की सीईओ ममता सैंकिया, शिक्षा क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूपः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इस ऐप का उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार शिक्षकों का निर्माण करना है। टीचर ऐप को भारती एयरटेल फाउंडेशन द्वारा विकसित किया गया है। शिक्षकों से सीधे इनपुट के साथ विकसित यह उपयोगकर्ता-केंद्रित, निःशुल्क ऐप वेब, आईओएस और एन्ड्रायड पर उपलब्ध है, जो देश भर के शिक्षकों के लिए निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करता है। यह प्लेटफ़ॉर्म 260 घंटे से अधिक उच्च-गुणवत्ता वाले संसाधन प्रदान करता है, जिसमें पाठ्यक्रम, लर्निंग बाइट्स, लघु वीडियो, पॉडकास्ट और इंटरैक्टिव वेबिनार प्रारूप जैसे विषयगत उत्सव, वेबिनार, प्रतियोगिताएं और क्विज़ शामिल हैं। इसे शैक्षणिक प्रथाओं को बढ़ाने और कक्षाओं में छात्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया है।

य एषु सुप्तेषु जागर्ति
वर्ष : 20 | अंक : 126 | पृष्ठ 12 | ₹5.00
patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika
दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

नई दिल्ली, मंगलवार, 26 नवंबर, 2024 | मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी, संवत् 2081

दुनियाभर में महिलाओं के लिए घर सबसे असुरक्षित, रोज 140 हत्याएं @इंडिया&वर्ल्ड

प्लेयर ऑफ द मैच बने जसप्रीत बुमराह ने मैच में 8 विकेट झटके @स्पोर्ट्स &गेमिंग

विकेट का जश्न : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को आउट करने पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बधाई देते हुए साथी खिलाड़ी।

पहला टेस्ट मैच : कंगारुओं को 295 रन से दी शिकस्त, 1977 का रेकॉर्ड तोड़ा

टीम इंडिया की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पर्थ. कप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 295 रन से शिकस्त दी। सोमवार को 534 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कंगारू टीम दूसरी पारी में 238 रन पर ऑलआउट हो गई।

यह ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर भारत की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, भारतीय टीम ने मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 1977 में 222 रन से हराया था। वहीं, पर्थ के नए ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने पहली बार कंगारू टीम को शिकस्त दी है। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने 1-0 की अहम बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट होगा।

13 वर्षीय वैभव बने सबसे युवा करोड़पति

जेद्दाह. आइपीएल-2025 के लिए सोमवार को हुई मेगा नीलामी में बिहार के 13 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी करोड़पति बनने वाले इस लीग के सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्हें 1.10 करोड़ रुपए में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 10 करोड़ पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने।

विस्तृत@स्पोर्ट्स &गेमिंग

छात्रसंघ चुनाव

डूसू में सात साल बाद एनएसयूआइ का अध्यक्ष बना

जीत के बाद लोकेश चौधरी (बाएं) और रौनक खत्री (दाएं)

नई दिल्ली. दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में सात साल बाद कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआइ ने अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया है। इस पद पर रौनक खत्री विजयी घोषित किए गए। उन्होंने एबीवीपी के ऋषभ चौधरी को 1300 मतों से हराया। एनएसयूआइ के लोकेश चौधरी संयुक्त सचिव चुने गए। एबीवीपी के भानू प्रताप सिंह उपाध्यक्ष, जबकि मित्रविंदा करणवाल सचिव चुने गए।

■ सीआइएससीई : परीक्षा कार्यक्रम जारी

नई दिल्ली@ पत्रिका. काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (सीआइएससीई) ने सोमवार को 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। 10वीं या आइसीएसई बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 27 मार्च, 2025 तक, जबकि 12वीं की परीक्षाएं 13 फरवरी से 5 अप्रेल, 2025 तक होंगी।

■ रजोआना के मामले में केंद्र को मोहलत

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने बेअंत सिंह हत्याकांड मामले के दोषी बलवंत रजोआना की दया याचिका पर केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सोमवार को चार सप्ताह की मोहलत दे दी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामला संवेदनशील है।

■ दिल्ली : बुजुर्गों की पेंशन में दोगुना वृद्धि

नई दिल्ली@ पत्रिका. विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली सरकार ने बुजुर्गों की पेंशन बढ़ा दी है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली के 60 से 69 साल तक के बुजुर्गों को हर माह 2000 रुपए और 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 2500 रुपए मिलेंगे।

संविधान दिवस पर विशेष

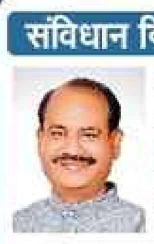

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का विशेष आलेख

पढ़ें@पत्रिकायन

महाराष्ट्र : भाजपा भारी पर शिवसेना भी ठोक रही दावा

फडणवीस को कमान सौंपने की तैयारी, प्रमुख विभाग देकर शिंदे को करेंगे राजी

■ 21:12:10 के फार्मूले पर सहमति बनाने के प्रयास

■ सीएम सहित हो सकते हैं अधिकतम 43 मंत्री

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली/मुंबई. महाराष्ट्र में प्रचंड बहुमत से जीत के बावजूद सहयोगी दलों की 'प्रेशर पॉलिटिक्स' के कारण महायुति सरकार के गठन में विलंब हो रहा है। भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। एकनाथ शिंदे सीएम पद पर बने रहने की उम्मीद कर रहे थे लेकिन, उन्हें अजित पवार के साथ डिप्टी सीएम बनाए जाने की संभावना ज्यादा है। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही भाजपा रणनीतिकार सहयोगियों से चर्चा कर रहे हैं।

भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने सोमवार को फडणवीस के नाम को मंजूरी दे दी और इस प्रस्ताव को शिंदे की शिवसेना और पवार की एनसीपी मानने को तैयार हो गई है। बताया गया कि भाजपा ने प्रमुख विभाग देने का वादा कर शिंदे को राजी कर लिया है।

शेष@पेज04

गृह और वित्त पर भाजपा का रहेगा जोर

1 सूत्रों ने कहा कि शिवसेना को 12 मंत्री पद मिल सकते हैं और कुछ प्रमुख विभाग दिए जा सकते हैं। **एनसीपी को भी 10 मंत्री पद मिलने की बात कही जा रही है।** महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद के लिए अधिकतम स्वीकार्य सीमा 43 है, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। **132 विधायकों वाली भाजपा के पास 21 मंत्री पद होने की संभावना है।**

2 गृह, वित्त, शहरी विकास और राजस्व विभाग भाजपा अपने पास रखना चाहती थी। **अब ये विभाग सहयोगियों के साथ साझा किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, भाजपा गृह और वित्त पर जोर दे सकती है।** हालांकि, सूत्रों के अनुसार, मंत्री पद और विभागों की संख्या पर कुछ अंतिम समय की बातचीत अभी भी जारी है।

3 गृह मंत्री अमित शाह ने मंत्रिमंडल की संरचना पर चर्चा के लिए **शिंदे, फडणवीस व पवार के साथ सोमवार को दिल्ली में एक बैठक बुलाई है। इसके बाद किसी घोषणा की उम्मीद है।** भाजपा नेतृत्व ने अपने सहयोगियों को आश्वासन दिया है कि उनकी चिंताओं को यथासंभव समायोजित किया जाएगा।

बड़े शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी

संवैधानिक आदर्श व्यवस्था के तहत 26 नवंबर को विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले शपथ होनी चाहिए, लेकिन अब यह महीने के आखिर तक हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि बड़ी जीत के कारण बड़े आयोजन की तैयारी है। भाजपा ने अब तक विधायक दल की बैठक की तारीख और ऑब्जर्वर के नाम तय नहीं किए हैं। पहले महाराष्ट्र के तीनों नेताओं फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भाजपा नेतृत्व की रविवार की देर रात बैठक प्रस्तावित थी। लेकिन एक निजी समारोह के बहाने सोमवार रात तीनों नेता दिल्ली पहुंच गए हैं और इस दौरान देर रात उनकी भाजपा नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक में सरकार गठन पर चर्चा हो सकती है।

विवाद का असर

तेलंगाना सरकार नहीं लेगी अदाणी के 100 करोड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हैदराबाद. तेलंगाना सरकार ने अदाणी फाउंडेशन से 100 करोड़ रुपए का दान लेने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को बताया कि सरकार ने राज्य में बन रही यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए अदाणी फाउंडेशन से दान नहीं लेने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि सरकार के इस कदम के पीछे अदाणी समूह को लेकर जारी ताजा विवाद है। सीएम ने कहा, मेरी कैबिनेट किसी विवाद से नहीं घिरना चाहती।

कैबिनेट के फैसले : क्यूआर कोड वाला बनेगा नया सुरक्षित पैन कार्ड

'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन', दुनियाभर के जर्नल एक ही मंच पर होंगे उपलब्ध

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने सोमवार को 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना को मंजूरी दे दी। इस स्कीम में देश के विद्यार्थियों को दुनियाभर के जर्नलों में प्रकाशित होने वाले शोध और आलेख एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे देश के करीब 1.8 करोड़ स्टूडेंट और रिसर्च स्कॉलरों को फायदा होगा। योजना के लिए छह हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह रकम 2025 से 2027 तक उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, स्थाई खाता संख्या यानी पैन को बेहतर बनाने और इसके आंकड़ों की सुरक्षा और पैन से संबंधित शिकायतों के स्थाई समाधान के लिए लोगों को पैन 2.0 जारी करने का निर्णय लिया है। इस पर 1435 करोड़ रूपए का व्यय होगा।

शेष@पेज04

पैन 2.0 के लिए नहीं देना होगा पैसा

वैष्णव के अनुसार, पैन 2.0 परियोजना में मौजूदा पैन को पूरी तरह बदल कर क्यू आर कोड आधारित बनाया जाएगा जो पूरी तरह ऑनलाइन होगा। इसके लिए व्यक्ति को किसी तरह की राशि खर्च नहीं करनी होगी और पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। इस प्रक्रिया में व्यक्ति का पैन नंबर नहीं बदलेगा। नए पैन में डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को भी चाक चौबंद बनाया जाएगा। पैन 2.0 परियोजना निर्दिष्ट सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणालियों के लिए सामान्य पहचानकर्ता के रूप में पैन के उपयोग को सक्षम बनाता है, जो डिजिटल इंडिया में निहित सरकार की दृष्टि के अनुरूप है।

सुप्रीम कोर्ट : संसद को संविधान संशोधन का हक

'समाजवादी' और 'धर्म निरपेक्ष' शब्द प्रस्तावना से नहीं हटेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने संविधान दिवस से पहले सोमवार को अहम फैसला सुनाते हुए संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'धर्म निरपेक्ष' शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। संविधान में 1976 में 42वें संशोधन के बाद इन दोनों शब्दों को प्रस्तावना में शामिल किया गया था। सीजेआइ संजीव खन्ना और जस्टिस पी.वी. संजय कुमार की पीठ ने फैसले में कहा कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है। हालांकि किसी संशोधन से संविधान की मूल भावना में बदलाव नहीं होना चाहिए। पीठ ने कहा कि भारतीय अर्थ में समाजवादी होने का अर्थ केवल कल्याणकारी राज्य से है।

पीठ ने कहा कि प्रस्तावना 26 नवंबर, 1949 जैसी करने के लिए ही इन शब्दों को नहीं हटाया जा सकता। यह सही है कि 26 नवंबर, 1949 को संविधान देश के लोगों को सौंप दिया गया था, लेकिन इसे स्वीकार करने की तारीख आर्टिकल 368 के तहत संसद को दिए गए अधिकार को खत्म नहीं कर सकती। सीजेआई खन्ना ने इस मामले में कहा कि जब इतने साल बीत गए फिर इस मामले को क्यों तूल देने की कोशिश की जा रही है।

याचिका में तर्क, मूल दृष्टिकोण खत्म किया

पूर्व भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता बलराम सिंह और एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की याचिकाओं में तर्क दिया गया था कि 42वें संशोधन ने संविधान निर्माताओं के मूल दृष्टिकोण को खत्म कर दिया। संविधान जिस तारीख को अपनाया गया, उस समय जो प्रस्तावना थी, उसे संशोधन से बदल दिया गया। अश्विनी उपाध्याय का कहना था कि उन्हें समाजवादी और धर्म निरपेक्ष शब्द से ऐतराज नहीं है। जिस तरीके से इन्हें शामिल किया गया, उस पर ऐतराज है।

शीतकालीन सत्र : पहले दिन अदाणी-मणिपुर-संभल पर नहीं चली संसद

संविधान 75 साल का, ध्यान रखें : धनखड़ मेरा योगदान 54 साल, मुझे न सिखाएं : खरगे

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। विपक्षी इंडिया ब्लॉक में शामिल दलों ने अमरीका में अदाणी पर दर्ज हुए भ्रष्टाचार मामले के साथ मणिपुर व संभल हिंसा को लेकर राज्यसभा व लोकसभा में चर्चा की मांग उठाई। दोनों ही सदनों में इसकी इजाजत नहीं मिलने पर विपक्षी दलों ने हंगामा कर दिया है। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ व नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे में जमकर बहस हुई।

धनखड़ ने कहा, कुछ सदस्यों से उन्हें अदाणी मामले के साथ मणिपुर हिंसा व संभल हिंसा पर स्थगन नोटिस मिले हैं, जिन्हें इजाजत नहीं दी गई है। इस पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कुछ बोलने की इजाजत मांगने लगे। धनखड़ ने कहा कि संविधान को 75 साल पूरे हो रहे हैं। उम्मीद है वह इसकी मर्यादा रखेंगे। इसके जवाब में खरगे ने कहा कि इन 75 सालों में मेरा योगदान भी 54 साल का है, तो आप मुझे मत सिखाइए।

शेष@पेज04

राज्यसभा में चर्चा के दौरान सभापति जगदीप धनखड़ और मल्लिकार्जुन खरगे।

80 बार नकारे गए, रोकते हैं संसद : मोदी

संसद सत्र में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिन्हें 80 बार लोगों ने नकार दिया वही संसद का काम रोकते हैं। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा।

आज संविधान दिवस, नहीं चलेगा संसद सत्र

संविधान दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर मंगलवार को संविधान सदन में 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' विषय पर कार्यक्रम होगा। इसके चलते सदन की कार्यवाही नहीं चलेगी। पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल और संविधान सदन में होने वाले कार्यक्रम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में स्मारक सिक्का जारी किया जाएगा और डाक टिकट व पुस्तकों का विमोचन होगा।

-विस्तृत @ पेज-4

संभल हिंसा : मृतक संख्या 5 हुई, स्कूल-नेट बंद

सपा सांसद और विधायक के बेटे समेत 2500 पर केस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान रविवार को हिंसा के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सोमवार को पुलिस ने समाजवादी पार्टी सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सदर विधायक नवाब इकबाल के बेटे सोहेल इकबाल के खिलाफ संभल कोतवाली में दंगे भड़काने का मामला दर्ज किया।

डीआइजी मुनिराज जी. ने बताया, हिंसा के आरोप में अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो महिलाएं हैं। इसके अलावा 2500 से अधिक नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ सात एफआइआर दर्ज की गईं। अगले आदेश तक स्कूल और 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई। हिंसा में मरने वालों की संख्या पांच हो गई है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, हिंसा में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और ड्रोन कैमरों का सहारा लिया जा रहा है। गौरतलब है कि संभल शहर की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल वाद के आधार पर सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर की टीम रविवार को संभल पहुंची तो बवाल हो गया।

-विस्तृत @ 05

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग

संभल हिंसा की समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से न्याय की अपील की। राहुल गांधी ने कहा, विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन द्वारा सभी पक्षों को सुने बगैर असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया।

झरोखा

ट्रेंडिंग न्यूज

ओडिशा

अटल की 17 फीट ऊंची प्रतिमा लगेगी

भुवनेश्वर@पत्रिका. ओडिशा के गंजम जिले में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 17 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित होगी। भाजपा विधायक अनिल कुमार ने बरहामपुर के रामलिंगम पार्क में परियोजना की आधारशिला रखते हुए बताया कि प्रतिमा का आधार 6.5 फीट होगा।

अलविदा

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज राव का निधन

नई दिल्ली@पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एम. जगन्नाथ राव (88) का सोमवार को निधन हो गया। जस्टिस राव को 1997 में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया गया था। वह 2000 में सेवानिवृत्त हुए। उनके बेटे रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस हैं।

पंजाब

दुबई से लाया डेढ़ करोड़ का सोना पकड़ा

अमृतसर@पत्रिका. अमृतसर एयरपोर्ट पर दुबई से आए एक यात्री से करीब दो किलो सोना जब्त किया गया। इसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए आंकी गई। कस्टम अधिकारियों ने बताया कि यात्री ने सोना पेस्ट के रूप में चार पाउच में भरकर अंडरवियर में छिपा रखा था।

खतरनाक तकनीक | **चीनी वैज्ञानिकों का दावा, लेजर बीम से दुश्मन का बचना मुश्किल**

किरणों को जोड़ बना दिया 'डेथ स्टार' जैसा घातक हथियार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीजिंग. चीन के वैज्ञानिकों ने हॉलीवुड फिल्म 'स्टार वॉर्स' के 'डेथ स्टार' से प्रेरित होकर बीम हथियार बनाने का दावा किया है। फिल्म में जिस 'डेथ स्टार' की कल्पना की गई थी, वह आठ अलग-अलग लेजर बीम यानी किरणों को जोड़कर एक किरण बनाने से तैयार किया गया था। फिल्म में इस महा-शक्तिशाली किरण से न सिर्फ दुश्मनों पर हमला किया जाता है, बल्कि उनके पूरे ग्रह को नष्ट कर दिया जाता है।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने ऐसा हथियार बनाया है, जो कई हाई-पावर इलेक्ट्रोमैग्निक किरणों को जोड़कर नए तरह की माइक्रोवेव किरण बना सकता है। इसके लिए विशेष मशीनों को अलग-अलग गाड़ियों पर तैनात किया जाता है। गाड़ियां अलग-अलग दिशा से किरणें छोड़ती हैं। इन्हें सिंक्रोनाइज कर दुश्मन पर हमला किया जाता है।

विशेष मशीनों को अलग-अलग गाड़ियों पर तैनात कर सिंक्रोनाइजेशन किया जाता है

भविष्य के युद्ध में हो सकता है महत्त्वपूर्ण

बीम हथियारों के विकास में कई तकनीकी और व्यावहारिक चुनौतियां हैं। उच्च ऊर्जा स्रोतों के साथ सिस्टम की दक्षता और बीम से सटीक निशाना जरूरी है। चीन के मॉडर्न नैविगेशन जर्नल के मुताबिक चुनौतियों के बावजूद चीन इस क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। भविष्य में बीम हथियारों का व्यापक इस्तेमाल संभव है। यह तकनीक भविष्य में युद्ध के दौरान महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है।

तकनीक मैनेज करने में मिली कामयाबी

बीम हथियार में लेजर, माइक्रोवेव या अन्य तरह की ऊर्जा को केंद्रित कर संकीर्ण दिशा में भेजा जाता है। इस ऊर्जा का इस्तेमाल लक्ष्यों को तेजी से गर्म करने, जलाने या इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों को निष्क्रिय करने के लिए किया जाता है। इस तकनीक को मैनेज करना मुश्किल है। चीनी वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्हें इसे मैनेज करने में कामयाबी मिल गई है।

मेडिकल महान : भोपाल में डॉक्टरों ने केराटोप्रोस्थेसिस तकनीक से की सर्जरी

एसिड ने छीनी थी आंखें, प्लास्टिक का कॉर्निया लगाकर डॉक्टरों ने देखने लायक बना दिया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. एसिड हमले में आंखें खोने वाले मरीज ने करीब दो साल बाद प्लास्टिक के आर्टिफिशियल कॉर्निया की मदद से शनिवार डॉक्टरों को ए बी सी डी... पढ़कर सुनाई। यहां हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों ने केराटोप्रोस्थेसिस तकनीक की जटिल सर्जरी से 42 साल के मरीज को नेत्र ज्योति लौटाने में सफलता हासिल की। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और एमपी के सरकारी अस्पतालों में यह अपनी तरह की पहली सर्जरी बताई जाती है। गांधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग की कॉर्निया स्पेशलिस्ट डॉ. भारती आहूजा ने डॉ. एसएस कुबरे और डॉ. प्रतीक गुर्जर की मदद से 10 नवंबर को एक घंटे के ऑपरेशन में यह करिश्मा किया।

नए द्वार खुले हैं

आर्टिफिशियल कॉर्निया के साथ भी नेत्र दान में मिले कॉर्निया को लगाया जाता है। ऐसे में साफ है कि नेत्रदान के बिना लोगों की आंखों की रोशनी लौटाना संभव नहीं है। इस सर्जरी ने कई लोगों में रोशनी लौटाने के नए द्वार खोले हैं। **- डॉ. भारती आहूजा, कॉर्निया स्पेशलिस्ट, भोपाल**

इसलिए रेयर सर्जरी...

विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रक्रिया उन लोगों में ही अपनाई जाती है, जिनमें नॉर्मल कॉर्निया ट्रांसप्लांट नहीं हो सकता और दोनों आंखों की रोशनी चली गई हो। कृत्रिम कॉर्निया के देश में गिने चुने मैनुफैक्चरर हैं, जिससे इलाज भी महंगा है। डॉक्टरों के प्रयास से कॉर्निया मंगवाया। सर्जरी में सिर्फ 10 हजार का खर्च आया।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ▪ अलवर ▪ अहमदाबाद ▪ इंदौर ▪ उज्जैन ▪ उदयपुर ▪ कोटा ▪ कोलकाता ▪ खंडवा ▪ ग्वालियर ▪ चेन्नई ▪ छिंदवाड़ा ▪ जगदलपुर ▪ जबलपुर ▪ जयपुर ▪ जोधपुर ▪ झुंझुनूं ▪ दिल्ली ▪ नागौर ▪ नर्मदापुरम ▪ पाली ▪ बाड़मेर ▪ बांसवाड़ा ▪ बिलासपुर ▪ बीकानेर ▪ बेंगलूरु ▪ भरतपुर ▪ भिलाई ▪ भीलवाड़ा ▪ भोपाल ▪ रतलाम ▪ रायपुर ▪ सतना ▪ सागर ▪ सीकर ▪ सूरत ▪ शहडोल ▪ श्रीगंगानगर

पत्रिका She NEWS

दो से शुरू होकर आज 80 लोगों की है टीम

गरीब बच्चों को पढ़ाना ही बनाया जीवन का मकसद

प्रेरणादायक

स्लम एरिया के बच्चों को पढ़ाने के लिए इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ने पर उन्हें घरवालों के विरोध का सामना भी करना पड़ा।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आप पूरी दुनिया नहीं बदल सकते, लेकिन किसी एक बच्चे की दुनिया आपकी वजह से बदलती है तो आप पूरी कोशिश करें। यह कहना है अहमदाबाद की किंजल शाह का। 35 वर्षीय किंजल ने दोस्तों के कहने पर गरीब बच्चों को पढ़ाना शुरू किया और यह उनके जीवन का मकसद बन गया। इसके लिए उन्होंने अपनी इंजीनियरिंग की नौकरी तक छोड़ दी। 2008 में दो दोस्तों के साथ शुरू की गई उनकी इस मुहिम से आज 80 लोग जुड़ चुके हैं। उनका उद्देश्य बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही आत्मनिर्भर बनाना है।

3500 बच्चों को दे चुकी हैं शिक्षा

वह बताती हैं कि 16 वर्षों में उनकी टीम करीब 3500 बच्चों को शिक्षा दे चुकी है। वह और उनके साथी अपने खर्चे पर ड्रॉपआउट बच्चों का स्कूलों में दाखिला करवाने के साथ उनकी कॉलेज तक की शिक्षा की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों को पढ़ाने के साथ ही वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी जाती है।

पेरेंट्स को भी करते हैं शिक्षित

किंजल कहती हैं 'शुरुआत में जब बच्चों को पढ़ाने के लिए जाती थी तो बच्चों के पेरेन्ट्स विरोध करते थे। उन्हें समझाना काफी मुश्किल होता था। धीरे-धीरे लोगों ने समझा। आज हम बच्चों के साथ उनके पेरेन्ट्स को भी शिक्षित करते हैं। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों के घरों में काम करने वाली महिलाएं हमसे शिक्षा पाने के बाद हमारी ट्यूशन क्लासेज में दूसरे बच्चों को पढ़ाने के लिए आती हैं।

उपयोगी टिप्स

सर्दियों में वॉर्म लुक के लिए तैयार करें आशियाना

सर्दी की आहट के साथ ही घरों में गर्म कपड़े निकल चुके हैं। इसी के साथ घर के इंटीरियर में भी थोड़ा बदलाव करना चाहिए। जैसे मोटे कपड़े के पर्दे और मखमली सोफा कवर आदि से आपको गर्माहट का अहसास होगा। इससे घर का एक नया लुक भी आएगा। आइए जानें एक्सपर्ट के बताए कुछ आवश्यक टिप्स के बारे में...

वर्षा, ऑर्किटेक्ट

- **विंटर** डेकोरेशन के लिए आप वॉर्म शैड्स वाली लाइट्स का इस्तेमाल करें। वहीं वनीला, दालचीनी जैसी फ्रैंगरेंस वाली कैंड्ल्स लगाने से वातावरण में गर्माहट महसूस की जा सकती है।
- **अगर** आपके सोफे और काउच खिड़की के पास रखे हों तो उनकी जगह बदल दें। साथ ही धूप वाली जगह पर एक कोजी सीटिंग कॉर्नर तैयार कर घर को वार्मअप करें।
- **खिड़की** दरवाजों पर पतले की जगह मोटे पर्दे लगाएं। इससे ठंड का अहसास कम होगा और गर्माहट महसूस होगी।
- **सर्दी** में फर्श ठंडा हो जाता है। इसके लिए डिफरेंट डिजायन के कालीन या रग्स बिछाएं।
- **घर** की सजावट में डार्क कलर जैसे डीप रेड, ऑरेंज ब्राउन कलर के कुशन, पर्दे और बेडशीट्स आदि का उपयोग करें।

- **मलमल के कवर** से घर की चेयर्स, सोफासेट एवं अन्य फर्नीचर को सजाएं। इससे घर का वातावरण गर्म होगा।
- **इस** मौसम में नमी बढ़ने से रोकने के लिए घर में डीह्यूमीडिफायर लगाएं।
- **घर** के खाली स्पेस में ब्रॉन्ज एवं सिरेमिक के डेकोरेटिव शोपीस रखें। इससे वार्मनेस फील होगी।

न्यू ऑफ द डे

आर्गेनिक फल- सब्जियां उगाने की ट्रेनिंग देती हैं दादी

एक उम्र के बाद जहां लोग आराम करने की सोचते हैं वहीं गुरुग्राम की शशि मनचंदा 70 वर्ष की उम्र में लोगों को गार्डनिंग के लिए प्रेरित कर रही हैं। 2019 में उन्होंने घर में ही गीले कचरे से खाद बनाना शुरू किया, लेकिन वह इसमें ज्यादा सफल नहीं हुईं। उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट सीखा और गार्डनिंग का प्रशिक्षण लिया। फिर घर से ही खाद बनाकर गार्डनिंग शुरू की। इसके फायदे देखते हुए उन्होंने घर-घर जाकर लोगों को प्रेरित करना शुरू किया। वह गीले कचरे से खाद बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ ही लोगों को नि:शुल्क खाद देती भी हैं। वह अपने गार्डनिंग ग्रुप के माध्यम से छत पर आर्गेनिक फल-सब्जियां उगाने का भी लोगों को प्रशिक्षण दे रही हैं।

वायरल वीडियो

कम्प्यूटर से तेज बच्चों का दिमाग

लोगों में टैलेंट की कमी नहीं है। हाल ही दो बच्चों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 'ह्यूमन नो कॉन्टेक्स' नाम के अकाउंट से शेयर किए गए इस वीडियो में दो छोटे बच्चे कुछ गणितीय नम्बर को इतनी तेजी से कैलकुलेट करते नजर आ रहे हैं, जिसके आगे कम्प्यूटर की गति भी धीमी पड़ जाती है। बच्चे देखते ही देखते कम्प्यूटर से पहले अंगुलियों पर इन

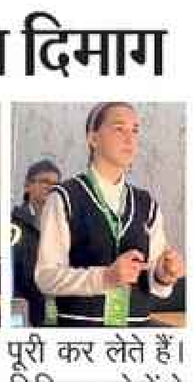

कैलकुलेशन को पूरी कर लेते हैं। वीडियो को 16.4 मिलियन लोगों ने देखा है और बच्चों की तारीफ करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अगर आपके पास कुछ किचन सोल्युशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें इस वॉट्सऐप नंबर **9057531584** पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह **क्यूआर कोड स्कैन** करें।

पत्रिका शी न्यूज़

हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

देशभर में 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजन: संविधान दिवस पर ऐतिहासिक समारोह आज से

हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान वर्ष भर चलेगा अभियान

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. भारत के संविधान को अंगीकार करने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक समारोह की मंगलवार से शुरुआत होगी, जो वर्ष भर चलेगा। संसद के सेंट्रल हॉल में उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भव्य उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संविधान दिवस से होगी शुरूआत: यह एक ऐसा मील का पत्थर सिद्ध होगा जो हमारे लोकतंत्र की उल्लेखनीय यात्रा और हमारे संस्थापक सिद्धांतों और संवैधानिक मूल्यों की स्थायी विरासत को दर्शाएगा। इसकी शुरुआत संविधान दिवस से होगी। समारोहों की अभियान टैगलाइन 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' और इसका उद्देश्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराते हुए संविधान के निर्माताओं के योगदान का सम्मान करना है।

कार्यक्रम में यह होंगे आयोजन: भारत के संविधान की महिमा, इसके निर्माण और ऐतिहासिक यात्रा को समर्पित लघु फिल्म प्रस्तुति कार्यक्रम में होगी। वर्षगांठ के लिए समर्पित स्मारक सिक्का और टिकट जारी किया जाएगा। मेकिंग ऑफ द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया ए ग्लिम्पसे और मेकिंग ऑफ द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया एंड इट्स ग्लोरियस जर्नी पुस्तक का विमोचन समारोह में होगा।

संविधान निर्माण के इतिहास की मिलेगी जानकारी: संविधान सभा के वाद-विवाद, संविधान निर्माण में शामिल विभिन्न समितियों की रिपोर्ट और आधुनिक भारत नया स्वरूप देने वाले मूल्यों और सिद्धांतों के बारे में जानकारी मिलेगी।

प्रस्तावना का सामूहिक वाचन आज: स्कूलों से लेकर दफ्तरों तक, शहरों से लेकर गांवों तक, देश भर में लाखों लोग मंगलवार को एक साथ प्रस्तावना वाचन करेंगे। नागरिक वेबसाइट कॉन्स्टिट्यूशन75. कॉम पर सेल्फी और वीडियो अपलोड करके और उन्हें गर्व के साथ सोशल मीडिया पर साझा करके इस क्षण का भी अनुभव ले सकेंगे।

विभिन्न प्लेटफार्म पर देख सकेंगे संविधान की प्रस्तावना

समारोह में विशेष वेबसाइट कॉन्स्टिट्यूशन 75. कॉम संविधान की विरासत से नागरिकों को संवादात्मक गतिविधियों और संसाधनों के माध्यम से जुड़ने में सक्षम बनाने के लिए समर्पित वेबसाइट सृजित की गई है। प्रस्तावना वाचन और वीडियो रिकॉर्डिंग से नागरिक पसंद की भाषा में संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए वीडियो रिकॉर्ड करके अभियान में भाग ले सकते हैं। वीडियो को अभियान की वेबसाइट पर अपलोड किया जा सकता है और भागीदारी का प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। संविधान का विभिन्न भाषाओं में वाचन, विभिन्न भाषाओं में संविधान के पूर्ण पाठ को पढ़ने की सुविधा सभी नागरिकों के लिए सुलभ होंगी।

अदाणी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन

सरकार का काम अदाणी को बचाना नहीं, युवाओं को नौकरी देना: उदय

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय युवा कांग्रेस ने केन्द्र सरकार के खिलाफ युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में देश भर के युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं के संसद की ओर बढ़ने पर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच टकराव भी हुआ। पुलिस ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

इस अवसर पर उदयभानु ने कहा कि सरकार को अदाणी को नहीं बचाना चाहिए, बल्कि युवाओं की नौकरी पर ध्यान देने की जरूरत है। अमरीका ने गौतम अदाणी के घोटालों के खिलाफ अरेस्ट वारंट निकाला है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मित्र पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है प्रधानमंत्री की जो वो अपने मित्र अदाणी को बचा रहे हैं? मोदी और अदाणी एक हैं तो सेफ हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का काम केवल अदाणी को मुनाफा दिलाना नहीं है, उनका मुख्य काम देश के युवाओं को नौकरी देना है। देश के युवा आज केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों की वजह से बेरोजगार घूम रहे हैं। देश में मुख्यमंत्री को जेल भेज दिया जाता है, और अदाणी 2,000 करोड़ का घोटाला कर के बाहर घूम रहे हैं। क्योंकि नरेंद्र मोदी उनकी रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदाणी के भ्रष्टाचार की जांच कर जल्द से जल्द गिरफ्तार जाना चाहिए।

पत्रिका और विभिन्न सामाजिक संगठनों की पहल

जाट समाज, विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह व सर्वसमाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन एक को

जयपुर. पत्रिका समूह की ओर से एक दिसंबर को जाट समाज, तलाकशुदा, विधवा-विधुर व्यक्ति के पुनर्विवाह एवं सर्व समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य जाट समाज में अथवा पुनर्विवाह या बिना किसी जाति बंधन के सभी समाजों में योग्य रिश्ता तलाश रहे उच्च शिक्षित प्रोफेशनल युवाओं का बायोडाटा लाखों परिवारों तक पहुंचाना और उन्हें नवीन डाटा बेस उपलब्ध करवाना है। राजस्थान के सभी संस्करणों के साथ ही भोपाल, इंदौर व रायपुर के संस्करण में प्रकाशित होने वाले इस विशेषांक के लिए 29 नवंबर की शाम पांच बजे तक रियायती दरों पर विज्ञापन बुक कराया जा सकता है।

जांच के लिए कांग्रेस की जेपीसी जांच की मांग

अदाणी समूह पर संसद में चर्चा जरूरी: खरगे

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अदाणी समूह के खिलाफ अमरीकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोपों के मद्देनजर पूरे मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की मांग दोहराई है। खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अदाणी मामले में जेपीसी के गठन की मांग करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के समर्थन से विदेशों में अदाणी को प्रोजेक्ट मिल रहे हैं और इससे देश की छवि पर असर पड़ रहा है। हमने संसद में नियम 267 के तहत अदाणी का मुद्दा उठाया था। हाल ही में अमरीकी जांच एजेंसी ने अदाणी समूह पर भारत में परियोजनाओं के कान्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए करीब 2030 करोड़ रुपए की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। जनता के पैसे का इस्तेमाल रिश्वत के लिए किया गया। वे इसके बारे में देश को सदन के माध्यम से बताना चाहते थे।

कई देशों में मिले कान्ट्रैक्ट: कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस भी देश में जाते हैं, वहां अदाणी को कान्ट्रैक्ट मिलते हैं। इसकी बहुत लंबी लिस्ट है। मोदी जब जून 2015 में बांग्लादेश गए थे, वहां पर अदाणी समूह को पावर प्रोजेक्ट मिला।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष की पुस्तक

'विद्यार्थियों के लिए भारत का संविधान' पुस्तक का लोकार्पण

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. 'संविधान दिवस' के अवसर पर प्रसिद्ध लेखक एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाणा की पुस्तक 'विद्यार्थियों के लिए भारत का संविधान' का लोकार्पण केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया। इस मौके पर सेवानिवृत जज हेमंत गुप्ता भी मौजूद रहे। कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में पुस्तक का लोकार्पण करते हुए अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हर उम्र के लिए लोग जो संविधान के बारे में जानना-समझना चाहते हैं, यह पुस्तक उनके लिए है। वहीं किशोर मकवाणा ने कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र में आस्था रखने वाले लोगों की आशा और श्रद्धा का केंद्र है। संविधान को जानना-समझना हर भारतीय, विशेषकर विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। संविधान को समझने से वे भारत के नागरिक के रूप में अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानेंगे। उनमें लोकतंत्र, समानता और न्याय के सिद्धांतों के प्रति गहरी समझ विकसित होगी। इस पुस्तक का एक ही उद्देश्य है स्कूल-कॉलेज के छात्र एवं किशोर-युवाओं को संविधान के प्रति जागृत करना। पुस्तक को भारतीय संविधान सरल और सुलभ तरीके से समझाने की दृष्टि से डिजाइन किया गया है। जटिल अवधारणाओं को आसान भाषा में समझाया गया है तथा संविधान की मूल प्रति के चित्रों का भरपूर उपयोग किया गया है। इस पुस्तक की भूमिका अर्जुन राम मेघवाल ने लिखी है।

पेज 3 का शेष...

फडणवीस को ...

हालांकि, शिवसेना के सूत्र ने कहा, 'फडणवीस को सीएम बनाने पर हमसे परामर्श नहीं हुआ और हमारी पार्टी अभी तक सीएम के लिए किसी नाम पर सहमत नहीं हुई है।' अकेले 133 सीट जीतने के कारण भाजपा का पलड़ा भारी है और पार्टी अपना मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी में है, लेकिन शिंदे गुट रणनीति के तहत मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक रहा है। शिवसेना प्रवक्ता नरेश म्हास्के ने सोमवार को महाराष्ट्र में बिहार फॉर्मूले की तरह एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग कर सियासी सरगर्मी बढ़ा दी। उधर, भाजपा एमएलसी प्रवीण दरेकर ने सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस को सबसे उपयुक्त बताते हुए पलटवार भी किया।

मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर एनसीपी सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने बहुत बड़ा जनादेश दिया है। आगे के फैसले बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के साथ मिलकर लिए जाएंगे। अजित पवार ने सतारा में कहा कि महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर महायुति में चर्चा चल रही है। उन्होंने जीत का श्रेय लाडकी बहिन योजना और गठबंधन की एकजुटतता को दी है। वहीं, एकनाथ शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे ने इसे विकास की जीत करार दिया है।

संविधान 75...

उम्मीद है वह इसकी मर्यादा रखेंगे। इसके जवाब में खरगे ने कहा कि इन 75 सालों में मेरा योगदान भी 54 साल का है, तो आप मुझे मत सिखाइए। इस पर धनखड़ ने कहा वह खरगे को सम्मान देते हैं, इस तरह की बात कहने से मुझे दुख पहुंचा है। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा चंद मिनटों में स्थगित: लोकसभा में सोमवार सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने दिवंगत सांसदों को लेकर शोकाभिव्यक्ति की। इसके बाद 11:05 बजे सदन दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। दोपहर 12 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने अदाणी पर दर्ज हुए भ्रष्टाचार मामले में चर्चा की मांग उठानी शुरू की। इसके चलते सभापति ने महज एक मिनट बाद सभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

'वन नेशन...

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वैष्णव के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख जर्नल प्रकाशित करने वाले 30 प्रकाशकों को 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' में शामिल किया जाएगा। केंद्र व राज्य सरकारें और सरकारी रिसर्च और डवलपमेंट संस्थान इस नए प्लेटफॉर्म का संचालन और प्रबंधन करेंगी। इससे दूसरे-तीसरे टीयर के शहरों में रहने वाले शोधार्थियों को घर बैठे ही दुनिया के टॉप जर्नल उपलब्ध हो जाएंगे और देश में शोध का माहौल बेहतर होगा। इस स्कीम में करीब 13,000 ई-जर्नल तक 6,300 सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों और केंद्रीय शोध संस्थानों की पहुंच हो जाएगी।

अन्य फैसले: राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन भी मंजूर—

- कैबिनेट ने 2481 करोड़ रुपए के परिव्यय से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की स्वीकृति दी है। इस योजना का 15वें वित्त आयोग (2025-26) तक कुल परिव्यय 2481 करोड़ रुपए होगा।
- मंत्रिमंडल ने रेलवे की मुंबई से प्रयागराज ट्रंक लाइन पर मनमाड से खंडवा तक चौरीकरण करने और मानिकपुर से प्रयागराज के इरादतगंज तक तीसरी लाइन बिछाने की तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी।
- मनमाड से भुसावल के बीच 160 किलोमीटर लंबी चौथी लाइन बिछाने का काम किया जाएगा जिस पर 2773 करोड़ रुपए की लागत आएगी। भुसावल से खंडवा तक 131 किलोमीटर की लंबाई में तीसरी एवं चौथी लाइन बिछाई जाएगी।

आज का राशिफल मंगलवार, 26 नवंबर 2024

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* दोस्तों से मेलजोल बढ़ेगा। आज का दिन लाभदायी है। उच्च अधिकारीगण की कृपादृष्टि से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* जीवन साथी के साथ तालमेल स्थापित होगा। उच्च अधिकारियों के साथ व्यवहार में संभलकर चलें।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह* स्वास्थ्य भी संभालें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें। मानसिक रूप से व्यग्रता रहेगी। नकारात्मकता से दूर रहें।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* समय से पहले आप का कोई भी काम न बनेगा। अपनी बारी का इंतजार करें। भागीदारों के साथ सम्बंध अच्छे रहेंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* संतों के दर्शन से लाभ होगा। आज दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक कार्य को सफल बनाएं।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* आपमें भावुकता अधिक रहेगी। विद्यार्थिगण आज अभ्यास और कॅरियर सम्बंधित विषयों में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद न करें। धन और प्रतिष्ठा में हानि होने की संभावना है।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* आज मित्रों के साथ भेंट होगी। छोटे से प्रवास का आयोजन हो सकता है। भाइयों के साथ संबंधों में निकटता आएगी।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* बने बनाये काम बिगड़ सकते हैं। आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। नकारात्मक विचार मन में न आने दें।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* दूसरों के प्रति आकर्षित होंगे। आज का दिन शुभफलदायी है। नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए समय अनुकूल है।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* मेहनत का फल मिलेगा। कम समय में अधिक लाभ पाने के विचार में आप फंस न जाएं इसका ध्यान रखें।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* अनजान पर भरोसा न करें। अपने घर और संतान सम्बंधी शुभ समाचार मिलेंगे। बचपन के मित्रों से भेंट होगी।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	हेमन्त
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	जमादि-उल-अव्वल-23	मास:	मार्गशीर्ष
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	कृष्ण

आज का दिन

मंगलवार, 26 नवम्बर 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज प्रात: 09-36 से दोपहर बाद 01-33 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत तथा दोपहर बाद 02-53 से सायं 04-11 तक शुभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 11-53 से दोपहर 12-35 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त है, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: एकादशी नन्दा संज्ञक तिथि अन्तरात 03-48 तक, तदन्तर द्वादशी भद्रा संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जायेगी।एकादशी तिथि में यज्ञोपवीत, विवाहादि मांगलिक कार्य, देवकार्य, देवोत्सव, गृहारम्भ, प्रवेश, यात्रा, अलंकार, चित्रकारी आदि सभी कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं।

नक्षत्र: हस्त ''क्षिप्र व तिर्झ्यंमुख'' संज्ञक नक्षत्र अन्तरात 04-35 तक, तदुपरान्त चित्रा ''मृदु व तिर्झ्यंमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। हस्त नक्षत्र में यात्रा, विद्या, विवाह, अलंकार, वस्त्र, दवा, गृहारम्भ, प्रवेश और प्रतिष्ठादिक कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं।

योग: प्रीति नामक नैसर्गिक शुभ योग दोपहर बाद 02-13 तक, तदन्तर आयुष्मान नामक नैसर्गिक शुभ योग है।

विशिष्ट योग: कुमार योग नामक शुभ योग रात्रि 03-48 तक, द्विपुष्कर नामक शुभाशुभ योग अन्तरात 04-35 से सूर्योदय तक तथा राजयोग अन्तरात 04-35 से।

करण: बव नामकरण दोपहर बाद 02-25 तक, तदन्तर बालव व कौलवादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: आज उत्पन्ना (वैतरणी) एकादशी व्रत, पद्म प्रभु मोक्ष दिन (जैन) संविधान दिवस।

चंद्रमा : चंद्रमा कन्या राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि है।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज प्रसूति स्नान, आठवां पूजन, पुंसवन, सीमन्तकर्म, विवाह अतिआवश्यकता में (राहु वेध दोष युक्त) हस्त में तथा विवाह का चित्रा नक्षत्र में शुभ मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: मंगलवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज दक्षिण दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यमान से): दोपहर बाद 3-00 बजे से सायं 4-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे-आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (पू, ष, ण, ठ, ये) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि कन्या है। कन्या राशि के स्वामी बुध हैं। इनका जन्म रजतपाद से है। सामान्यत: ये जातक थोड़े क्रोधी, पर भाग्यशाली, सम्मानित, सुखी, विवादप्रिय, अशुभ कर्मी, इनका भाग्योदय 30-32 वर्ष की आयु तक होता है। कन्या राशि वाले जातकों के कार्यों में आ रही बाधा क्रमिक रुप से दूर हो रही है। लाभ मार्ग प्रशस्त होगा। शिक्षा क्षेत्र में अध्ययनरत जातकों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

कमिश्नर बोले- 'न्यायिक जांच होगी' सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर दंगा भड़काने की एफआइआर दर्ज

संभल हिंसा : मृतकों की पीएम रिपोर्ट जारी, 25 पकड़े

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. यूपी के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। संभल हिंसा मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर दंगा भड़काने की एफआइआर हुई है। अभी तक 2,750 अज्ञात पर कुल 7 एफआइआर दर्ज हुई हैं। वहीं, 25 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

मुरादाबाद डिवीजन कमिश्नर आन्जनेय कुमार सिंह ने बताया कि हालात कंट्रोल में हैं। उस इलाके को छोड़कर अन्य जगह दुकानें खुली हैं। जिस तरह के सबूत मिल रहे हैं। कड़ी कार्रवाई होगी। संभल के सांसद और विधायक के पुत्र को उकसाने में आरोपित किया गया है। ऐसे युवाओं को आगे कर इस काम को कराया गया है, जिनकी उम्र पढ़ने की हैं। हिंसा में 4 लोगों की मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में देसी बंदूक में इस्तेमाल होने वाले कारतूस का होना पाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिला प्रशासन ने बेकाबू स्थिति से निपटने के लिए कई तरह की पाबंदियां लगाने का आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, कोई भी बाहरी व्यक्ति, अन्य सामाजिक संगठन अथवा जनप्रतिनिधि जनपद संभल की सीमा में सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना एक दिसंबर तक प्रवेश नहीं करेगा। ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इस आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय अपराध होगा।

इसके अलावा संभल और आसपास के क्षेत्रों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। साथ ही स्कूलों को बंद करने का भी आदेश जारी किया गया है। डीआईजी के अनुसार, हिंसा मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही पुलिस की तरफ से दुकानों को बंद नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि रविवार की सुबह संभल की शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान मस्जिद के पास अराजक तत्वों ने सर्वेक्षण टीम पर पथराव कर दिया। देखते ही देखते माहौल बिगड़ता चला गया। पुलिस ने हालात को काबू करने के लिए आंसू गैसे के गोले छोड़े, चेतावनी भी दी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उठाए सवाल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने सपा सांसद जिया उर रहमान पर हुई एफआईआर पर सवाल उठाए हैं। मामले में संभल पुलिस ने भी जवाब दिया। पुलिस का कहना है कि उन्हें पहले भी भड़काऊ भाषण नहीं देने के लिए नोटिस दिया गया था। अखिलेश यादव ने कहा, कि हमारे सांसद जिया उर रहमान संभल में थे ही नहीं, इसके बावजूद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। यह सरकार की ओर से किया गया दंगा है। कोर्ट द्वारा आदेश पारित किए जाने के तुरंत बाद ही पुलिस और प्रशासन सर्वे के लिए जामा मस्जिद पहुंच गए।

सपा के दो नेताओं पर एफआईआर दर्ज

संभल पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल पर एफआईआर दर्ज की है। दोनों नेताओं पर संभल में हिंसा भड़काने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है।

विरोध प्रदर्शन

बिहार विधानसभा के बाहर शीतकालीन सत्र के पहले दिन वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते भाकपा माले के सदस्य। सदस्यों ने सरकार विरोधी नारे लगाए और अपनी मांगों को रखा।

भुने चने के सेवन से दो मरे, तीन बीमार

बुलंदशहर @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के नरसैना क्षेत्र में भुने चने का सेवन करने के बाद पिता पुत्र की मृत्यु हो गयी। जबकि परिवार के सभी सदस्य बीमार हो गये। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि गांव बरवाला में रविवार शाम कलुआ पास के गांव दौलतपुर की एक दुकान से भुने हुए चने खरीद कर आया था। देर रात परिवार के सभी सदस्यों ने चनों को खाया। चने खाते ही परिवार के सभी सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी।

कार नदी में जा गिरी, दो मरे, तीन घायल

कौशाम्बी @ पत्रिका. चरवा थाना क्षेत्र में बारात में शामिल होकर घर लौट रहे बारातियों से भरी एक कार नदी में गिर गयी। इस हादसे में दो लोगों की मृत्यु हो गयी, जबकि तीन अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि रामदयालपुर गांव के पांच लोग रविवार रात करारी कस्बा में बारात में शामिल होने गए थे। बरात के बाद सभी एक ही कार में सवार होकर लौट रहे थे। उदाथू गांव के पास नीलगाय को बचाने के चक्कर में तेज गति कार अनियंत्रित हो गई और रेलिंग तोड़ते हुए नदी में गिर गई।

महाकुंभ : हर घर को महाकुंभ से जोड़ेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

संघ स्वयंसेवकों की टोली एक थैली-एक थाली करेगी एकत्र

कचरे से निपटने के लिए संघ ने बनाई जोरदार रणनीति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अयोध्या . श्रीराम मन्दिर के निर्माण में अहम योगदान देने वाले विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रयाग कुंभ को स्वच्छ रखने में आमजन के योगदान के मकसद से बड़ा अभियान शुरू किया है। संघ ने देश के हर परिवार को प्रयागराज महाकुंभ से जोड़ने का जिम्मा संभाला है। इसके लिए घर-घर से थाली और घर-घर से थैला एकत्रित कर महामेले तक पहुंचाया जायेगा। ताकि प्रत्येक श्रद्धालु के लिए थाली की व्यवस्था हो सके और पालिथिन के प्रयोग पर अंकुश रहे।

संघ ने पंच संकल्पों के क्रम में स्वदेशी और पर्यावरण के दृष्टिगत कुंभ में बड़ा अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसमें विहिप समेत सभी आनुषांगिक संगठनों को जोड़ेंगे। कुंभ मेले में पड़ाव डाले साधु सन्तों से सम्पर्क करके उन्हें अभियान से जोड़ने के लिए जत्थे तैयार किए गए हैं। अनुमानित 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से डिस्पोजेबल थाली-प्लेट आदि का कचरा बहुतायत में होगा, जो गन्दगी का कारण बनेगा। इससे निपटने के लिए संघ ने पहले से ही कमर कस ली है। जैसे जत्थे कुंभ में तैनात किए जाएंगे, वैसे ही हर शाखा से स्वयंसेवकों की टोली घर घर जाकर एक-एक थाली एक-एक थैला एकत्रित करेगी।

'जहां कम वहां हम' रहेंगे तैनात

संघ कार्यकर्ताओं की व्यवस्था सफाई व्यवस्था को कुंभ मेले तक पहुंचाएगी। कुंभ में तैनात जत्थे में सेवाभावी कार्यकर्ताओं को लगाया गया है। वे 'जहां कम, वहां हम' की भावना से काम करेंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि हर श्रद्धालु तक दोनों वस्तुएं पहुंच जाए। इसके लिए संघ ने अपनी रणनीति तैयार कर ली है। संघ देश भर के स्वयं सेवकों को इस कार्य में लगाएगा। इससे दक्षिण सहित अन्य भाषाओं वाले राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को भाष संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

धर्म प्रसार संत बैठक व गोरक्षा सम्मेलन

इसी तरह से 10-11 फरवरी को विभाग मंत्री और संगठन मंत्रियों का अभ्यास वर्ग, 11-12 फरवरी को बजरंग दल की अखिल भारतीय बैठक, 12 को विभाग संगठन मंत्री अभ्यास वर्ग, 15-16 को धर्म प्रसार अखिल भारतीय बैठक, 15-16-17 फरवरी मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी की अखिल भारतीय बैठक, 17 को धर्म प्रसार संत बैठक और 19 को गोरक्षा अखिल भारतीय बैठक तथा 20 को गोरक्षा सम्मेलन होगा।

विहिप के सम्मेलन बैठक होगी

संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ के मौके पर विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) अपने सभी सांगठनिक कार्यक्रम, बैठकें तथा सम्मेलन आयोजित करेगा। विहिप के महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा ने बताया कि कुंभ के दौरान प्रयागराज में ही विहिप संगठन जमा रहेगा। 19 जनवरी को मेरठ, लखनऊ, पटना क्षेत्र का मातृशक्ति सम्मेलन, 24 जनवरी को केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक, 25 जनवरी को प्रथम बेला में साध्वी सम्मेलन, द्वितीय बेला में संत सम्मेलन। वहीं, 27 जनवरी को युवा संत सम्मेलन, छह फरवरी को मंत्रियों एवं संगठन मंत्रियों की बैठक, सात से नौ फरवरी तक प्रन्यासी मंडल की बैठक और 10 फरवरी को विमर्श कार्यशाला का आयोजन होगा।

राजद का 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन'

बिहार राज्य को फिर से गर्त में ले जाने की कोशिश : जदयू

जदयू प्रदेश प्रवक्ता ने राजद के सम्मेलन पर साधा निशाना, तेजस्वी ने सवाल दागते हुए मकसद पूछा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. जनता दल यूनाईटेड (जदयू) विधानपार्षद और पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन' राज्य को फिर से गर्त में ले जाने की कोशिश है।

नीरज कुमार और जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निहोरा प्रसाद यादव ने मीडिया में संयुक्त बयान जारी कर राजद के 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन' पर जमकर निशाना साधा और तेजस्वी से सवाल पूछते हुए कहा कि 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन' के आयोजन के पीछे उनका क्या मकसद है। उन्होंने कहा कि 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने किस क्षेत्र में और किस तरह बिहार को बदलने का टिप्स दिया।

उन्होंने कहा कि दरअसल राजद का 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन' साल 2025 में सत्ता में आने की बात के साथ-साथ बिहार में लगातार अपने खिसकते जनाधार को बचाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पिछले लोकसभा चुनाव और बाद में हुए उप चुनाव में आरजेडी के वोट खंडित हुए उसे रोकने के लिए राजद की तरफ से 'बदलो बिहार कार्यकर्ता सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

उन्होंने तेजस्वी यादव पर सवाल उठाते हुए कहा कि सच्चाई यह है कि राजनीति तेजस्वी के वश की नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति के लिए त्याग, संघर्ष और विचारों का अध्ययन आवश्यक होता है। उनका कहना था कि नेता प्रतिपक्ष को सिर्फ लालू प्रसाद यादव की पूंजी पर घुड़दौड़ करने से नहीं होगा। लालू प्रसाद यादव के बाद इनके परिवार में ही राजनीतिक पूंजी के बंटवारे की शुरुआत हो जाएगी और जमा राजनीतिक पूंजी का हवा में विलय हो जाएगा।

तेजस्वी यादव पर कसा तंज

प्रदेश प्रवक्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि क्या नेता यादव ने इस सम्मेलन में कार्यकर्ताओं से बिहार की सड़कों को गड्ढा बनाने, बिजली की तार पर कपड़ा सुखाने, लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में खुलेआम सड़कों पर राजद कार्यकर्ताओं द्वारा हथियारों का प्रदर्शन करने, सामूहिक नरसंहार करने, किसानों की खेती पर पाबंदी लगाने, ग्रामीण इलाकों में शादी-ब्याह पर रोक लगाने, शाम पांच बजे बाद घर से बाहर नहीं निकलने और राज्य में घपले-घोटाले करने का टिप्स दिया।

प्रियंका ने सर्वोच्च न्यायालय से की हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली में संसद भवन के बाहर संभल प्रकरण में अपनी प्रतिक्रिया देते अखिलेश यादव और डिंपल यादव।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ . जामा मस्जिद पर सर्वे को लेकर हुये बवाल को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुये उच्चतम न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है।

इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी संभल की घटना पर चिंता जताते हुये उच्चतम न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। वाड्रा ने सोमवार को एक्स पर लिखा ''संभल, उत्तर प्रदेश में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतने संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखाता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा।''

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा ''यूपी के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर अचानक विवाद, सुनवाई और फिर उसके फौरन ही बाद आपाधापी में सर्वे की खबरें राष्ट्रीय चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में हैं, किन्तु सदभाव व माहौल को बिगाड़ने का संज्ञान प्रदेश की योगी सरकार तथा सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए।'

हर पीड़ित की समस्या का हो समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण : सीएम योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोरखपुर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

वाराणसी के एक कॉलेज के 115वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन करते अतिथि।

पंपिग सेट में विस्फोट, किसान की मौत

बहराइच @ पत्रिका. फखरपुर क्षेत्र मे पंपिग सेट में हुए विस्फोट से एक किसान की मौत हो गयी। मेराज पंपिंग सेट चला रहे थे कि अचानक इंजन में जोरदार विस्फोट हुआ। इस विस्फोट की चपेट में आकर मेराज की मौत हो गई।

एकतरफा प्रेम में युवक ने युवती को चाकू से गोदा, हालत गंभीर

इटावा @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के कोतवाली इलाके में एक सनकी युवक ने अपनी कथित प्रेमिका की शादी अन्य जगह तय होने से खफा होकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। लड़की को नाजुक हालत में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में बेहतर उपचार के लिए भेजा गया है। स्थानीय लोगों ने सनकी युवक को मौके पर पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया।

सारण में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, एक घायल

छपरा @ पत्रिका. बिहार में सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि लखनपुर गांव निवासी लाल मोहम्मद का पुत्र अरमान मिया (18) अपने दोस्त सनवर अली के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान डुमरसन के पास अनियंत्रित हाइवा ने बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में अरमान मियां की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल हो गया है।

पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया है।

बिहार विधानमंडल में शीतकालीन सत्र शुरू

दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद बैठक स्थगित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार विधान मंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में तीन नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण और दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद दोनों सदनों की बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

विधानसभा में सभाध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सभा के तीन नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सबसे पहले रामगढ़ से निर्वाचित अशोक सिंह और उसके बाद इमामगंज (सु) से निर्वाचित दीपा कुमारी और बेलागंज से मनोरमा देवी ने शपथ ग्रहण किया है। सभाध्यक्ष ने सदन को अवगत कराया कि तरारी से निर्वाचित विशाल प्रशांत मंगलवार को शपथ ग्रहण करेंगे।

नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद सभा अध्यक्ष ने अध्यासी सदस्यों के मनोनयन और कार्यमंत्रणा समिति के गठन की घोषणा की। इसके बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरण का उपस्थापन किया। इससे पहले सभाध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान सत्र में कुल पांच बैठकें निर्धारित हैं। इसमें प्रश्न काल और लोक महत्व की सूचनाओं के साथ वित्तीय वर्ष 2024-2025 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी का व्यवस्थापन होगा। इसके साथ ही इस सत्र में राजकीय विधेयक लिए जाएंगे और गैर सरकारी संकल्प की सूचनाएं भी निपटाई जाएगी।

पश्चिम चंपारण : युवक की चाकू मारकर हत्या , एक गंभीर घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेतिया. चनपटिया थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी और एक अन्य को घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि पुरैना पूर्वी माई स्थान के पास अपराधियों ने दो युवकों को चाकू मारकर घायल कर दिया।

इस घटना में सुजीत कुमार (20) की मौत इलाज के दौरान हो गई, वही उसका चचेरा भाई साहिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद साहिल को बेतिया रेफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बेतिया भेज दिया गया है।

अवैध देशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

छपरा @ पत्रिका. अवतार नगर थाना पुलिस ने भारी मात्रा में देशी शराब और चोरी की बाइक बरामद कर एक जने को गिरफ्तार किया है।

एसपी ने बताया कि बलूआ गांव निवासी अरूण राय को मौजमपुर फुलवरिया टोला गांव के समीप मोटरसाइकिल पर लदी 130 लीटर देशी शराब बरामर कर उसे गिरफ्तार किया गया है।

उपचुनाव | लोकसभा उपचुनाव में जीरो पर आउट हुई बहुजन समाज पार्टी

बसपा पर सियासी संकट, छोटे दलों से भी खा रही मात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम सबसे ज्यादा बसपा को दर्द दे गए। लोकसभा चुनाव में जीरो पर आउट हुई पार्टी को उपचुनाव में भी एक भी सीट नसीब नहीं हो सकी। बल्कि उनका बचा कॉडर वोट छिटक कर दूसरे पाले में चला गया।

नतीजे बता रहे हैं कि चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी बसपा के समक्ष बड़ी मुसीबत खड़ी कर रही हैं। इस चुनाव में बसपा छोटे दलों से मात खाती दिखाई दी है। ऐसे में उसके भविष्य पर सियासी संकट छाया हुआ है। उपचुनाव में चंद्रशेखर आजाद की पार्टी ने आठ सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतारे थे। मुजफ्फरनगर की मीरापुर में आसपा को 12.21 % (22,661) से कुछ अधिक वोट मिले। जबकि इस सीट पर बसपा महज 1.75% (3248) मत पाकर पांचवें नंबर थी। इनसे ज्यादा 10.17% (18869) वोट ओवैसी की पार्टी को मिले।

उन्होंने बताया कि बसपा के किसी बड़े नेता ने नौ सीटों के उपचुनाव को गंभीरता से नहीं लिया। किसी ने यहां पर प्रचार करने की जहमत भी नहीं उठाई। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव प्रचार देखने के चक्कर में यूपी की जमीन चली गई। उन्होंने कहा कि लोकसभा के बाद उपचुनाव में भी बसपा अपना खाता नहीं खोल सकी। इतना ही नहीं उपचुनाव में बसपा पश्चिमी यूपी सहित छह सीटों पर सीट पर जमानत तक नहीं बचा सकी।

मायावती ने लगाया चुनाव में धांधली का आरोप

बसपा मुखिया मायावती ने नतीजे आने के बाद अपनी प्रतिक्रिया में चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक चुनाव आयोग इसे रोकने के लिए सख्त कदम नहीं उठाता है तब तक बसपा देश में कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यों में विधानसभा चुनाव पूरी दमदारी से पार्टी लड़ेगी। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत कहते हैं कि बसपा का चुनाव दर चुनाव परफॉर्मेंस खराब होता जा रहा है। लोकसभा के बाद हुए उपचुनाव में बसपा का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। उसे कई सीट पर छोटे दलों से भी कम वोट मिले हैं।

आजाद समाज पार्टी की बसपा के वोटों पर सेंधमारी

मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर भी चंद्रशेखर आजाद की पार्टी तीसरे स्थान पर रही और उसे यहां पर 6.39% यानी 14 हजार दो सौ एक मत मिले। जबकि बसपा को महज 0.49% (1099) वोट मिल सके। दोनों सीटों पर जिस प्रकार से बसपा की दुर्दशा हुई है। उससे पता चलता है कि कॉडर वोट इनके पाले से छटक गया है। इसको वापस पाने के लिए बसपा को बहुत मुश्किल होगी। आजाद समाज पार्टी भले ही एक भी सीट नहीं जीत न पाई हो, लेकिन उसने बसपा के वोटों पर सेंधमारी जरूर की है। नतीजों पर गौर करें तो बसपा का अच्छा प्रदर्शन अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट पर रहा, जहां इनके उम्मीदवार अमित वर्मा को 41,647 मत मिले। वहीं मझवां के प्रत्याशी दीपक तिवारी उर्फ दीपू तिवारी ने 34,927 और फूलपुर में 20,342 वोट मिले। हालांकि तीनों सीटों पर 2022 के मुकाबले से कम वोट मिले हैं।

वेतन बढ़ोत्तरी की मांग

पटना में नियमित करने और वेतन बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर प्रदर्शन करतीं मिड डे मील वर्कर। इस मौके पर वर्कर्स ने सरकार विरोधी नारे लगाए और आक्रोश जताया।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

गंभीर मुद्दों पर चर्चा के लिए हंगामे की क्या जरूरत

दुनिया की सबसे अमीर हस्ती एलन मस्क ने भले ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की प्रशंसा की हो लेकिन अनेक मायनों में हमारे लोकतंत्र पर कई सवाल भी हैं। बेशक भारत ने एक दिन में 64 करोड़ वोट गिन डाले हों, बेशक देश में हर पांच साल में चुनाव होते हों, बेशक हमारे यहां सत्ता हस्तांतरण में अन्य देशों की तरह हिंसा नहीं होती हो, लेकिन लोकतंत्र पर कुछ ऐसे दाग भी हैं जिन्हें चाह कर भी मिटाया नहीं जा पा रहा। सबसे बड़ा उदाहरण तो देश की संसद है जहां सिर्फ और सिर्फ हंगामा करना ही कुछ राजनीतिक दलों का ध्येय बन चुका है। सोमवार से शुरू हुआ संसद का सत्र हमेशा की तरह फिर हंगामे से ही शुरू हुआ। हालात से लग रहा है कि पूरा सत्र कहीं हंगामे की भेंट चढ़कर न रह जाए।

हर संसद सत्र से पहले विपक्ष कुछ मुद्दों को लेकर सवाल उठाता है और फिर संसद सत्र की शुरुआत से वे ही मुद्दे हंगामे और बहिर्गमन का कारण बनते हैं। हमारा लोकतंत्र फिर हंगामे से ही शर्मसार नहीं होता है। हाल में सम्पन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर एक-दो राजनीतिक दलों ने इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर फिर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक प्रणाली को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है। दुनिया हमारे लोकतंत्र की प्रशंसा करती है लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए ईवीएम पर सवाल उठाना कहां की समझदारी है। निस्संदेह ऐसे सवालों से हमारा लोकतंत्र कमजोर नहीं होता हो लेकिन क्या हम इन सवालों से बच नहीं सकते हैं? क्या हर बार संसद की कार्यवाही नहीं चलाने देने से लोकतंत्र मजबूत होता है? इन सवालों के हल किसी और को नहीं, बल्कि हमारे राजनीतिक दलों को ही तलाशने होंगे। अमरीकी अदालत में अडाणी समूह पर लगे आरोप गंभीर हैं पर उसके लिए सरकार को घेरने के दूसरे उपाय भी हैं। संसद में ऐसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए पर इसके लिए हंगामा करना जरूरी नहीं।

देश आज बेरोजगारी, महंगाई और दूसरे मुद्दों से भी जूझ रहा है। क्या संसद के समय का उपयोग इन मुद्दों पर चर्चा के लिए नहीं किया जाना चाहिए? संसद के दोनों सदनों में आजकल काम कम और शोरगुल अधिक हो रहा है। जनता अपने प्रतिनिधियों से अपेक्षा करती है कि सदन में वे अपने क्षेत्र और देश के लिए विकास की चर्चा करें। भारत के लोकतंत्र की प्रशंसा दूसरे देश करते हैं तो ये प्रशंसा सरकार ही नहीं, समूचे देश की होती है। सदन की शुरुआत से पहले हर बार सर्वदलीय बैठक होती है पर उसमें भी समाधान निकलता नजर नहीं आता। सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की अधिक है। इसलिए मणिपुर और संभल हिंसा पर चर्चा को भी उसे प्राथमिकता से लेना चाहिए। साथ ही विपक्ष को रचनात्मक तरीके से विरोध जाहिर करना चाहिए न कि शोरगुल व बहिर्गमन।

सामंजस्य और समायोजन की भावना ने भारत के संविधान को एक प्रकार की लोचदार मजबूती प्रदान की है। औपनिवेशिक काल के बाद तेजी से बदलते आंतरिक और वैश्विक परिवेश में विघटनकारी शक्तियों का सामना करने में कुछ ही देशों के संविधान सफल हो सके हैं, पर भारत का संविधान निरंतर समृद्ध और सशक्त होता रहा है।

संविधान सभा ने 75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन अंगीकृत किया था भारत का संविधान

दृढ़ता और लचीलेपन का आदर्श संतुलन

ओम बिरला
लोकसभा अध्यक्ष
@patrika.com

> आइए हम स्वयं को पुनः उन उच्च आदर्शों के लिए समर्पित करें, जिनका गौरवशाली प्रतीक हमारे भारत का संविधान है।

संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत किया गया भारत का संविधान देश का मौलिक कानून है जो हमारी शासन व्यवस्था की आधारभूत संरचना एवं सिद्धांतों का मार्गदर्शन करता है। हमारा संविधान एक सामाजिक जवाबदेही को भी स्थापित करता है, जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का निर्धारण होता है। यह जवाबदेही समावेशी विकास का आदर्श प्रस्तुत करती है। साथ ही यह विधि के शासन पर आधारित ऐसे राजनीतिक ढांचे का निर्माण करती है जिसकी नींव समता और न्याय के सिद्धांतों पर रखी गई है।

हमारे संविधान का निर्माण करने वाले महान व्यक्तियों ने संविधान के रूप में हमें एक अद्भुत दस्तावेज सौंपा है – एक ऐसा दस्तावेज जो विदेशी शासन के समाप्त होने पर राष्ट्र की आशाओं, सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारे संविधान की 75वीं वर्षगांठ हमारे संविधान निर्माताओं ही नहीं बल्कि उन असंख्य भारतीयों की भूमिका को पहचानने का भी स्वर्णिम अवसर है जिन्होंने स्वदेशी शासन के स्वरूप के विषय में अपनी आकांक्षाओं और विचारों को अपनी याचिकाओं और अभ्यावेदनों के माध्यम से संविधान सभा के विचार के लिए प्रस्तुत किया। हमारे पवित्र संविधान के निर्माण में ऐसे आम लोगों की भूमिका उतनी ही महत्त्वपूर्ण रही, जितनी महत्त्वपूर्ण संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में गहन विचार-विमर्श की श्रृंखला रही। डॉ. भीमराव अंबेडकर के यह शब्द इस पवित्र दस्तावेज के महत्त्व और सार को व्यक्त करते हैं, 'संविधान कोई कानूनी दस्तावेज मात्र नहीं है, बल्कि यह जीवन दर्शन है जो वर्तमान युग की चेतना को अभिव्यक्त करता है।'

26 नवंबर की तिथि को हर वर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाने का वर्ष 2015 में लिया गया भारत सरकार का निर्णय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहब अंबेडकर के 125वें जन्म दिवस पर उन्हें दी गई सच्ची श्रद्धांजलि थी। संविधान दिवस हमें संविधान में निहित 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आस्था और प्रतिबद्धता के पुनः स्मरण का अवसर प्रदान करता है। सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए गौरव का विषय है कि इस वर्ष संविधान दिवस के अवसर पर भारत की संसद पूरे देश के साथ मिलकर संविधान के अंगीकृत किए जाने के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव उसी केंद्रीय कक्ष में मना रही है जो साढ़े-सात दशक पहले इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी था।

हमारा संविधान दुनिया के सबसे विशाल संविधानों में से एक है। हमारे संविधान में 448 अनुच्छेद, 25 अध्याय हैं और अभी तक इसमें 100 से अधिक संशोधन किए गए हैं। यद्यपि हमारे संविधान निर्माताओं ने अपने काम के क्रम में अनेक देशों के संविधान का अध्ययन किया था, फिर भी अपने संविधान के निर्माण हेतु उनके लिए प्रेरणा, मेधा और विजन का मुख्य स्रोत भारत के लोग रहे – वे लोग, जिन्होंने सहस्राब्दियों तक अपने भीतर सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों का पोषण किया, संवर्धन किया, वे लोग जिन्होंने देश की विविधता पर गौरव किया तथा 'एकम् सद् विप्रा बहुधा वदन्ति' के विचार का अनुसरण करते हुए इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया। सामंजस्य और समायोजन की भावना ने हमारे संविधान की बुनावट को एक प्रकार की लोचदार मजबूती प्रदान की। इस प्रकार, जहां एक ओर औपनिवेशिक काल के बाद के विश्व में तेजी से बदलते आंतरिक और वैश्विक परिवेश में उत्पन्न विघटनकारी शक्तियों का सामना करने में कुछ ही देशों के संविधान सफल हो सके, वहीं दूसरी ओर भारत का संविधान अपने अंगीकृत होने के बाद से निरंतर समृद्ध और सशक्त होता रहा है।

संविधान निर्माताओं द्वारा संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन को आसान या कठिन बनाए रखने में अत्यंत विवेकशील संतुलन बनाया गया। संभवतः यह अद्भुत संतुलन ही वृहद, विविधतापूर्ण एवं तेजी से बदले विश्व में भी भारतीय संविधान के प्रासंगिक बने रहने का मूलमंत्र है। इसका श्रेय डॉ. अंबेडकर की दूरदर्शिता और प्रारूपण के उनके अद्वितीय कौशल को दिया जाना चाहिए कि आज हमारे पास एक ऐसा संविधान है, जिसमें दृढ़ता एवं लचीलेपन के बीच एक आदर्श संतुलन दिखाई देता है। उच्चतम न्यायालय द्वारा 1973 में प्रतिपादित 'बेसिक स्ट्रक्चर' के सिद्धांत के बावजूद, भारतीय संविधान आज भी एक पर्याप्त रूप से लचीला दस्तावेज है। इसी कारण बीते दशकों के दौरान हमारे संविधान में कई महत्त्वपूर्ण संशोधन संभव हुए, जो एक गतिशील और तेजी से विकसित होते राष्ट्र के बदलते परिवेश के सूचक हैं। हाल के कुछ संवैधानिक संशोधनों का देश के नागरिकों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। ऐसे संशोधनों में नौकरियों और शिक्षा में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10% आरक्षण का उपबंध करने वाला 103वां संविधान संशोधन (2019), अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का विस्तार करने वाला 104वां संशोधन (2020), तथा लोक सभा और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटों पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व की गारंटी देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम (2023) के नाम से विख्यात 106वां संशोधन महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

संविधान में निहित आधुनिकता के मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए हाल के वर्षों में औपनिवेशिक काल के कानूनों को निरस्त करने और उन्हें समकालीन व अधिक प्रासंगिक विधियों से प्रतिस्थापित करने के कदम उठाए गए हैं। इनके सबसे प्रमुख उदाहरण 19वीं सदी के औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानून अर्थात् भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता हैं। भारतीय संसद ने 2023 में इन कानूनों को निरस्त कर उनके स्थान पर ऐसे कानून बनाए जो आधुनिक आपराधिक न्यायशास्त्र के अनुरूप हैं। इन तीनों कानूनों के नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं। भारतीय संसद ने समय की मांग को ध्यान में रखते हुए कानून बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा विधेयक 2023, मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक 2019 और उपभोक्ता संरक्षण विधेयक 2019 आदि ऐसे महत्त्वपूर्ण कानून हैं जिन्हें संसद ने 21वीं सदी के विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए पारित किया है।

भारतीय संसद संविधान के अधिदेशों को लागू करने और राष्ट्र द्वारा इस संस्था में दर्शाए गए विश्वास को बनाए रखने के लिए हमेशा से प्रयासरत रही है। जनता के संप्रभु संकल्प की अभिव्यक्ति के रूप में संसद हमारे राष्ट्र की शासकीय संरचना की संवैधानिक योजना में एक विशेष स्थान रखती है। बीते सात दशकों में होने वाले 18 आम चुनाव, राज्य विधानसभाओं के चुनाव तथा नगर निगमों एवं स्थानीय निकायों के सैकड़ों चुनाव एवं उनमें से प्रत्येक चुनाव में नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी भारतीय संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों और सिद्धांतों की पुरजोर पुष्टि करते हैं। आज जब हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तो आइए हम स्वयं को पुनः उन उच्च आदर्शों के लिए समर्पित करें, जिनका गौरवशाली प्रतीक हमारे भारत का संविधान है।

न्यायसंगत और समावेशी बनाने में निभाई भूमिका

विजया रहाटकर
अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग
@patrika.com

स्वतंत्रता सेनानियों ने एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का सपना देखा था, जहां हर नागरिक समान और स्वतंत्र हो। यह सपना साकार करने के लिए एक मजबूत संविधान की आवश्यकता थी। संविधान सभा में प्रत्येक सदस्य ने इस पर चिंतन और मंथन किया, जिससे देश को एक सशक्त और समृद्ध संविधान मिल सके। संविधान सभा में मौजूद 15 महिला सदस्य भी इस कार्य में सक्रिय रहीं। अम्मू स्वामीनाथन, दक्षिणायानी वेलायुधन, बेगम एजाज रसूल, दुर्गाबाई देशमुख, हंसा मेहता, कमला चौधरी, लीला रॉय, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, राजकुमारी अमृत कौर, रेणुका रे, सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, विजयलक्ष्मी पंडित, एनी मैस्करीन जैसी महिलाओं ने न केवल भारतीय संविधान को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि उन्होंने एक ऐसे भारत के निर्माण की दिशा भी दिखाई, जिसकी संकल्पना प्राचीन भारत के ग्रंथों में थी और जो आधुनिक चिंतन में भी समाहित थी।

अम्मू स्वामीनाथन ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए जोर दिया। दक्षिणयाणी वेलायुधन ने यह सुनिश्चित किया कि संविधान में हर भारतीय को समान अवसर मिले, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या लिंग से आता हो। बेगम एजाज रसूल संविधान सभा में धर्मनिरपेक्षता के महत्त्व को मान्यता देने वाली प्रमुख आवाज थी। दुर्गाबाई देशमुख ने संविधान सभा में स्वतंत्र न्यायपालिका की वकालत की और महिलाओं के पैतृक संपत्ति के अधिकार के लिए जोर दिया। वे राज्यसभा में सदस्य की न्यूनतम उम्र को घटाने के पक्ष में थीं, उनका मानना था कि बुद्धिमत्ता उम्र पर निर्भर नहीं होती। हंसा मेहता का योगदान सर्वथा अद्वितीय था। उन्होंने संविधान सभा में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर भी जोर दिया था, जिसे अंततः संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्व के रूप में शामिल किया गया। संविधान सभा की एक और महिला सदस्य राजकुमारी अमृत कौर ने संविधान सभा में कहा था कि महिलाओं को विशेष अधिकार नहीं, बल्कि उन्हें समान अवसर मिलने चाहिए। उनका यह दृष्टिकोण आज भी हमें प्रेरित करता है कि हम समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करें। भारत कोकिला सरोजिनी नायडू ने संविधान सभा में जाति और पंथ के भेदभाव को समाप्त करने की आवश्यकता को मजबूती से रखा। उनका मानना था कि भारतीय समाज का विकास तभी संभव है, जब हम सभी भेदभाव और असमानताओं को समाप्त करेंगे। उनकी बातों में एक गहरी मानवीय समझ और राष्ट्रप्रेम रहता था। संविधान शिल्पी सुचेता कृपलानी ने भारतीय राजनीति में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं और भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को एक नई दिशा दी। उनका संघर्ष और समर्पण आज भी हमें प्रेरित करता है। विजयलक्ष्मी पंडित ने संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली की पहली महिला अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और संविधान सभा में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। वे भारतीय राजनीति और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत थीं। केरल में जन्मी एनी मैस्करीन ने भारतीय संघ में राज्यों के चुनाव और स्वायत्तता पर बल दिया था। इन महान महिला संविधान शिल्पकारों ने न केवल संविधान के निर्माण में अपना योगदान देकर इसे न्यायसंगत और समावेशी बनाया, साथ ही उन्होंने समाज के हर वर्ग के अधिकारों की भी रक्षा की।

संविधान की 75वीं वर्षगांठ: जागरूक और जिम्मेदार नागरिक हैं सजग प्रहरी

संविधान सभा में प्रत्येक सदस्य ने गंभीर चिंतन और मंथन किया, जिससे देश को एक सशक्त और समृद्ध संविधान मिल सके। संविधान सभा में मौजूद 15 महिला सदस्य भी इस कार्य में समान रूप से संलग्न थीं। उन्होंने संविधान के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह हमारे विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। यह विरासत और विकास के संगम के रूप में हमारे सामने खड़ा है, जो समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करता है। हमारा संविधान ही हमारा संकल्प है।

देश के नागरिकों के विश्वास और संकल्प का प्रतीक

प्रो. हरबंश दीक्षित
डीन, विधि संकाय तीर्थंकर महावीर वि.वि., मुरादाबाद
@patrika.com

बीते 75 वर्षों में हमने अपने संविधानबद्ध आदर्शों की ओर मजबूती से कदम बढ़ाया है। हमारे साथ आजाद हुए करीब 50 देशों में लोकशाही वहां के जनजीवन में वह पैठ नहीं बना पाई, जिसे हमारे नागरिकों ने कर दिखाया है। हमारे पड़ोसियों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश जैसे किसी भी देश में लोकतंत्र कभी खुली हवा में सांस नहीं ले पाया। इसके उलट बीते 75 वर्षों में हम 18 बार आम चुनावों के माध्यम से केंद्र में सत्ता के शालीन हस्तांतरण के साक्षी रहे हैं। हमने इस क्षेत्र में पूरे विश्व के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है। देश ने युद्ध, सूखा और महामारी का मजबूती से सामना किया। वर्ष 1971 के युद्ध में तो हमने न केवल विजय प्राप्त की, अपितु 97000 सैनिकों को युद्ध बंदी भी बनाया। सूखे के शुरुआती झटकों से उबरकर अब हम दूसरे देशों को अन्न की मदद करने की आदत और परंपरा पर आगे बढ़ रहे हैं।

हमने अपने संविधान में कल्याणकारी राज्य की कल्पना की है और अन्त्योदय का संकल्प लिया है। कोरोना महामारी में हमने इसे मूर्तरूप दिया। दुनिया के बड़े हिस्से में जब लोग दवाओं की कमी और भुखमरी से जूझ रहे थे, उस समय हमने असम्भव को सम्भव कर दिखाया। पूरे यूरोप की आबादी करीब 79 करोड़ है। हमारे देश में 80 करोड़ लोगों को पूरी महामारी के दौरान निःशुल्क राशन मिला। इतना ही नहीं कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण के मामले में हमने नए प्रतिमान स्थापित किए। करीब 2 अरब टीके निःशुल्क लगाए गए और दुनिया के करीब 96 देशों की मदद भी हुई। अपने संविधान की प्रस्तावना में हमने सामाजिक और आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। नीति निर्देशक तत्वों में सरकारों से अपेक्षा की गई है कि सार्वजनिक पूंजी को कुछ लोगों के हाथों में संचित न होने दे। इसे लागू करने के मामले में भी हमने मिसाल कायम की है। आजादी के समय हमारे यहां जमींदारी प्रथा लागू थी, जिसमें जमीन कुछ जमींदारों के पास थी। आजादी के पांच वर्षों के अंदर ही हमने कानून बनाकर पूरे देश में जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि थी। विश्व के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि कुछ मुट्ठीभर जमींदारों से जमीन लेकर उसे लाखों भूमिहीनों में बांट दिया गया। यह सब कुछ शांतिपूर्वक और बगैर एक कतरा खून बहाए सम्पन्न हुआ। दुनिया के इतिहास में ऐसा कोई भी दूसरा उदाहरण नहीं है, जहां इतने व्यापक स्तर पर भूमि सुधार इतनी शांतिपूर्वक सम्पन्न हुए हों। आर्थिक और सामाजिक न्याय हासिल करने की दिशा में इन भूमि सुधारों का अतुलनीय योगदान रहा है। बीते 75 वर्षों में हमने अपने संविधान और उसके उद्देश्यों को मूर्तरूप लेते हुए देखा है। उससे भविष्य के लिए एक मजबूत नींव तैयार हुई है, किन्तु उसे पहले से भी बेहतर करने की जरूरत है। उसे आत्मसात करके उसके आदर्शों के अनुरूप आचरण करके ही हम उसे मजबूती दे सकते हैं।

25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपने भाषण में कहा था कि संविधान की सफलता उस देश के नागरिकों पर निर्भर करती है। उन्होंने आगे कहा कि यदि देश के लोग संविधान के मूल्यों के अनुरूप आचरण करते हैं तो संविधान सफल रहेगा अन्यथा वह कोरे शब्दों का संग्रह मात्र रह जाएगा। आने वाले समय में इसे पहले से भी अधिक सफल बनाने के लिए जरूरी है। इसके लिए नागरिक सचेत रहें।

फैक्ट फ्रंट

इंडियन गोल्डन ओरियोल

इंडियन गोल्डन ओरियोल (ओरियोलस कुंडू) भारतीय उपमहाद्वीप और मध्य एशिया में पाई जाने वाली ओरियोल की एक प्रजाति है। वयस्कों को आंख के पीछे फैली आंख की पट्टी के काले रंग से पहचाना जा सकता है। यह प्रजाति यूरेशियन गोल्डन ओरियोल के समान है, पर इसकी पूंछ में अधिक पीलापन होता है। यूरेशियन गोल्डन ओरियोल प्रजाति के वयस्क नर में पंख की लंबाई 149-162 मिमी होती है, जबकि ओ. कुंडू में यह 136-144 मिमी होती है। यह प्रजाति हिमालय के साथ-साथ बलूचिस्तान व अफगानिस्तान से लेकर नेपाल तक पाई जाती है।

प्रसंगवश

उठाओ कड़े कदम ताकि बनी रहे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता

उच्च शिक्षा विभाग को निजी उच्च शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे

शिक्षा विकास और उन्नति का आधार होती है। शिक्षित-प्रशिक्षित युवा पीढ़ी विकास से जुड़े कार्यों में नवाचार करती है। अपनी प्रतिभा से देश-दुनिया में प्रतिष्ठा अर्जित करती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का युवाओं की समुचित शिक्षा-दीक्षा में महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। पिछले कुछ दशकों में निजी उच्च शिक्षण संस्थाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। इससे प्रदेश में उच्च शिक्षा का अच्छा वातावरण भी बना है। हालांकि कुछ उच्च शिक्षण संस्थाओं के गलत जानकारी देने व फर्जी डिग्री जैसे कृत्यों के कारण इन संस्थानों पर सवाल भी उठे हैं।

उच्च शिक्षण संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हो इसके लिए इसमें योग्यता मानकों को पूर्ण करने वाले शिक्षक हों। उन्हें नियमानुसार पूरा वेतन मिले। यहां होने वाला शोध उच्च स्तर का और समाज के लिए उपयोगी हो। पढ़ाने वाले शिक्षकों का पूरा विवरण इन उच्च शिक्षण संस्थाओं की वेबसाइट पर होना चाहिए ताकि विद्यार्थी उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि उच्च शिक्षण संस्थाओं की प्रभावी निगरानी हो। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने राजस्थान के विश्वविद्यालयों के मानकों को लेकर चिंता भी जताई है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग को निजी उच्च शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे। हालात यह हैं कि अभी इन उच्च शिक्षण संस्थाओं को नियंत्रित करने के लिए कोई नियामक संस्था या केन्द्रीकृत प्रणाली तक स्थापित नहीं की गई है। विधानसभा ने इस संबंध में कानून पारित कर दिया पर अभी तक विभाग ने ही इनके सिद्धांतों को मंजूरी नहीं दी। विभाग ने निजी विश्वविद्यालयों के लिए एक सामान्य ड्राफ्ट सिद्धांत जारी करके ही अपनी भूमिका की इतिश्री कर ली। हालत यह है कि कई विश्वविद्यालयों ने तो इसे अपनी सुविधानुसार बदल तक लिया। इसे रोकने के लिए भी कोई खास कार्रवाई नहीं की गई। फर्जी डिग्रियों जैसे मामलों के बढ़ने और अन्य प्रकार की अनियमितताओं के आरोपों के बीच कड़े कदम उठाने की आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदेश की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अब तक की बेदाग छवि आगे भी बनी रहे और यहां पढ़े विद्यार्थियों की दक्षता के बारे में किसी को कोई संदेह नहीं हो। युवा पीढ़ी के साथ किसी तरह का धोखा नही ह, इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ जरूरी कदम उठाने होंगे।

- अभिषेक सिंघल
abhishek.singhal@epatrika.com

आपकी बात

बनी रहे निष्पक्ष छवि

आधुनिक युग में सोशल मीडिया का हर क्षेत्र पर प्रभाव पड़ रहा है। न्यायपालिका यह विशेष ध्यान रखे कि उस पर सोशल मीडिया का प्रभाव नहीं पड़े। वह पक्ष-विपक्ष की दलीलों को सुनकर ही अंतिम निर्णय दे। आम जन में भारत की न्यायपालिका की जो निष्पक्ष छवि बनी हुई है, वह बनी रहनी चाहिए।

-महेन्द्र कुमार बोस, गुड़ामालानी, बाड़मेर

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'न्यायिक प्रक्रिया को सोशल मीडिया के प्रभाव से कैसे बचा सकते हैं?' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें।

इसे स्कैन करें https://shorturl.at/AafIP

आज का सवाल

महिलाओं का उत्पीड़न कैसे रोका जा सकता है?

ईमेल करें: edit@epatrika.com

होंगे कई फैसले

सीएम साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक आज

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. सीएम विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 26 नवंबर को होगी। नवा रायपुर के मंत्रालय में दोपहर 12 बजे से होने वाली बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय होने की संभावना है। बताया जाता है, बैठक में आगामी नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अहम फैसला हो सकता है। इसके बाद बैठक में विधानसभा में पेश होने वाले दूसरे अनुपूरक बजट व संशोधित विधेयकों पर भी चर्चा हो सकती है। इसके अलावा बैठक में मुख्यमंत्री की अनुमति से अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा कर फैसला लिया जा सकता है।

जिम्मेदार कौन?: कोरबा के करतला सीएचसी से किया था मेडिकल कॉलेज रेफर

महिला और नवजात जुड़वा बच्चों की मौत, परिजनों ने कहा- एंबुलेंस में नहीं थी ऑक्सीजन

कांति राठिया

मर्च्यूरी के बाहर कांति राठिया के शोकाकुल परिजन।

पत्रिका ब्यूरो @ कोरबा. जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद मां की तबीयत बिगड़ गई। तीनों को करतला के सरकारी अस्पताल से कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। यहां पहुंचने से पहले ही उनकी सांसें उखड़ने लगीं थीं। अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में तीनों को परीक्षण के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिवार का आरोप है कि करतला से मेडिकल कॉलेजजिस एंबुलेंस से लाया जा रहा था उसमें तीनों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं थी।

घर पर हुआ बच्चों का जन्म : मामला जिले के विकासखंड करतला अंतर्गत ग्राम जोगीपाली का है। गांव में रहने वाली आदिवासी महिला कांति राठिया को रविवार की दरम्यानी रात लगभग 3 बजे प्रसव पीड़ा हुई। इससे पहले कि परिवार के सदस्य कांति को करतला के सरकारी अस्पताल पहुंचाते उसने घर में जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। गांव के केंद्र पर ही जन्म के बाद जरूरी इंजेक्शन लगाया गया। यहां से परिवार के सदस्य कांति को लेकर करतला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। यहां तीनों को रविवार को कोरबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। सरकारी एंबुलेंस से परिवार के सदस्य तीनों को लेकर कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। परीक्षण के दौरान डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

रास्ते में बिगड़ी तबीयत : कांति के पति बिहारीलाल राठिया ने बताया कि जब जच्चा-बच्चा को करतला से मेडिकल कॉलेज रेफर किया उस समय कांति बात कर रही थी। एंबुलेंस से जाते समय रास्ते में कांति को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। पति का आरोप है कि एंबुलेंस में कांति को देने के लिए ऑक्सीजन नहीं थी जबकि शिशु को ऑक्सीजन लगाया गया था। बिहारीलाल ने स्वास्थ्य विभाग पर पत्नी और जुड़वा बच्चों के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. गोपाल कंवर ने कहा कि जच्चा-बच्चा को ब्रॉड डेड जैसी स्थिति में मेडिकल कॉलेज के आपातकालीन कक्ष में लाया गया था। उनकी पल्स गिर गई थी। परीक्षण कर चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सामान्य तौर पर एंबुलेंस में ऑक्सीजन की सुविधा रहती है। मुझे नहीं पता कि जच्चा-बच्चा को किस एंबुलेंस से लाया गया था। इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा।

पीएम से खुला मामला

रविवार को यह मामला दबा रहा। सोमवार को परिवार के सदस्य जब पोस्टमार्टम कराने के लिए मर्च्यूरी पहुंचे तो घटना का खुलासा हुआ। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। कांति गांव में आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता थी।

समय से दो माह पहले हुआ बच्चों का जन्म

इधर स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया है कि दोनों बच्चों का जन्म समय से दो माह पहले हुआ था। उनका वजन एक-एक किग्रा था और स्थिति कमजोर थी।

जब जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया था तीनों ठीक थे। घटना किन परिस्थितियों में हुई है इसकी जांच की जा रही है। करतला के खंड चिकित्सा अधिकारी से रिपोर्ट तलब किया गया है।
-डॉ. सीके सिंह, प्रभारी, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

बालोद: वन रक्षक भर्ती के लिए पहले दिन सिर्फ 679 पहुंचे

बालोद @ पत्रिका. जलवायु परिवर्तन एवं वन विभाग ने जिला मुख्यालय के सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में 20 पदों पर वन रक्षक भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन किया।

पहले दिन

- दुर्ग व बालोद जिले के 2500 अभ्यर्थियों में से सिर्फ 679 अभ्यर्थी पहुंचे।
- इनमें 410 युवतियां और 269 युवक शामिल हैं।
- परीक्षा 30 नवंबर तक चलेगी।

1484 पदों पर होना है भर्ती
प्रदेशभर वन रक्षक के 1484 पदों पर होना है भर्ती।

लाल आतंक: 10 नक्सलियों की मौत के बाद बौखलाया संगठन

फोर्स ने 2 दिनों में 5 आईईडी किए डिफ्यूज

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

सुकमा. भेज्जी क्षेत्र के भंडारपदर के जंगल में 10 नक्सलियों के मारे जाने के बाद से नक्सली बौखलाए हुए हैं और सुकमा के अलग-अलग क्षेत्र में आईईडी प्लांट कर फोर्स को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में हैं। दो दिन में फोर्स ने 5 आईईडी डिफ्यूज किए हैं जो अलग-अलग जगहों पर प्लांट किए गए थे। इधर सुरक्षा बल पूरी तरह से सावधानी बरतते हुए नक्सलियों के कोर इलाके में सर्चिंग अभियान चला रहे हैं।

सुकमा जिले के किस्टाराम व चिंतलनार थाना क्षेत्र अंतर्गत लगाए गए अलग-अलग आईईडी बम को सुरक्षा बल के जवानों ने डिफ्यूज किया है। जिले के किस्टाराम थाना से जिला बल, सीआरपीएफ 217 बटालियन की पार्टी रवाना हुई थी। अभियान के दौरान सल्लतोंग व आसपास के जंगल क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा लगाए गए 1 नग प्रेशर आईईडी को बरामद किया गया। जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्रान्तर्गत एरिया डोमिनेशन के लिए जिला बल, कोबरा 206 वहिनी की पार्टी रवाना हुए थे। टीम को तुमालपाड़ नवीन कैंप के आगे रायगुडेम जाने वाली मार्ग में 1 नग प्रेशर आईईडी बरामद किया।

युवा महोत्सव 12 से 14 जनवरी तक

13 प्रकार की विधाओं से संबंधित प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 12 से 14 जनवरी तक होगा। खेल संचालनालय परिसर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में तीन दिनों तक चलने वाले युवा महोत्सव में 13 प्रकार की विधाओं से संबंधित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय युवा उत्सव की प्रतियोगिताएं सुबह 9 से रात 8.30 बजे तक होंगी। इसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को मंत्रालय में अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जानकारी दी गई कि जिला स्तरीय एवं विकास खंड स्तरीय युवा उत्सव के आयोजन के संबंध में राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। विकासखण्ड स्तरीय युवा महोत्सव 30 नवंबर 2024 तक होगा। जिला स्तरीय युवा महोत्सव 1 से 15 दिसम्बर के बीच होगा। बैठक में सचिव लोक निर्माण डॉ. कमलप्रीत सिंह सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चुनाव की तैयारी में जुटने लगे वार्डों के कार्यकर्ता

नगरीय निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की लॉटरी का इंतजार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

- कांग्रेस में अभी से शुरू हो गई दावेदारी, कुछ पुराने पार्षद वार्ड भी बदलने की कर रहे तैयारी
- भाजपा में बूथ अध्यक्षों और मंडल चुनाव की सरगर्मी

रायपुर. रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के बाद अब वार्डों में निकाय चुनाव को लेकर दावेदार सामने आने लगे हैं। सबसे ज्यादा दावेदारी कांग्रेस से आ रहे हैं। वहीं भाजपा में फिलहाल बूथ और मंडल चुनाव की सरगर्मी है। बूथ स्तर और मंडल स्तर पर चुनाव की प्रक्रिया पार्षद टिकट के दावेदार भी अपनी सियासी जमीन तैयार करने में लगे हुए हैं। वहीं, भाजपा और कांग्रेस के पार्षद टिकट के दावेदारों को फिलहाल वार्डों के आरक्षण के लिए लॉटरी निकलने का बेसब्री से इंतजार हैं। आरक्षण के बाद ही दावेदारी मजबूती से सामने आएगी।

वार्ड बदलने की तैयारी में जुटे कुछ पार्षद: कुछ ऐसे पार्षद हैं, जो पहले किसी वार्ड से चुनाव लड़ते थे। लेकिन आरक्षण होने पर दूसरे वार्ड की ओर रुख किया था। अब फिर से पुराने वार्ड में पहले वाले आरक्षण होने की उम्मीद है। इसलिए इस बार अपने पुराने वार्ड से ही टिकट की दावेदारी करने का मन बना रहे हैं।

वहीं कुछ ऐसे भाजपा-कांग्रेस पदाधिकारी भी हैं, जो अपने परिवार के अन्य सदस्य को भी वार्ड से लगे दूसर वार्ड में भी पार्षद चुनाव लड़ाने के लिए सियासी जमीन तैयार कर रहे हैं।

महापौर के टिकट के लिए सीनियरों की दावेदारी

हालांकि महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष होगा कि अप्रत्यक्ष इस पर अभी आधिकारिक रूप से शासन का फैसला नहीं आया है। लेकिन प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि इस बार महापौर और अध्यक्षों का चुनाव डायरेक्ट होगा। इस कारण से कई सीनियर पार्षदों ने अभी से महापौर के टिकट के लिए अपनी-अपनी सियासी शतरंज की चाल चलना शुरू कर दिया है। पार्षदों के अलावा भाजपा-कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी भी अपना-अपना दावा ठोकने लगे हैं।

दोनों ही पार्टी से नए चेहरों को टिकट देने की मांग

दोनों ही पार्टी भाजपा-कांग्रेस से अब कार्यकर्ताओं के बीच निकाय चुनाव में टिकट वितरण को लेकर मांग उठ रही है कि पुराने चेहरों के बजाए नए चेहरों को मौका दिया जाना चाहिए। जो दो से तीन बार के पार्षद रह चुके हैं, उन्हें संगठन में पद देकर वार्ड के सक्रिय कार्यकर्ताओं में से किसी एक को टिकट दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस 60 दिन तक चलाएगी संविधान रक्षक अभियान

रायपुर @ पत्रिका. कांग्रेस पार्टी ने संविधान की रक्षा के लिए 26 नवंबर से 26 जनवरी 2025 तक 60 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा हमारे संविधान में निहित मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ी रही है। पिछले दशक में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संविधान की नींव को कमजोर करने और सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कमजोर करने का व्यवस्थित प्रयास किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस अभियान में पांच प्रमुख विषयों को आम जनता के समक्ष उजागर किया जाना है। प्रत्येक विषय के लिए 10 दिवसीय अवधि तथा 5 विषय निर्धारित किए गए हैं। इसका पहला विषय संविधान और समानता की लड़ाई है। इसमें भारत मे असमानता और इसे संबोधित करने मे भाजपा की केंद्र सरकार की विफलता को उजागर किया जाए। अन्य विषयों में संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण की सुरक्षा, भेदभाव का उन्मूलन एक प्रमुख संवैधानिक मूल्य, पूंजीवादी सरकार गरीबों के संविधान के विरुद्ध जैसे विषय शामिल हैं।

पीएससी घोटाला: 7 दिन की पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश

सीबीआई ने सोनवानी व गोयल को 14 दिन के लिए भेजा जेल

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और कारोबारी एसके गोयल को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इसकी अवधि पूरी होने पर 7 दिसंबर को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने दोनों से 7 दिन पूछताछ करने के बाद सोमवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट में पेश किया। सीबीआई ने बताया कि पीएससी घोटाले के संबंध में पूछताछ की गई है। इस दौरान मिले इनपुट के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

रिश्वत की रकम चेक से नहीं ली जाती : बचाव पक्ष

वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता फैजल रिजवी ने पीएससी भर्ती के लिए रिश्वत लिए जाने के आरोप को गलत बताते हुए कहा कि चेक के माध्यम से एनजीओ को राशि देना बताया गया है। उस एनजीओ में उनके पक्षकार की पत्नी अध्यक्ष और पुत्र सदस्य है। यह राशि एनजीओ को चेक के माध्यम से दी है। इसका हिसाब आईटी को देने के साथ ही ऑडिट में उल्लेख किया गया है। रिश्वत की रकम का लेनदेन कोई भी चेक के जरिए नहीं करता है। लगाए गए आरोप में उल्लेखित रकम से कोई लाभांवित नहीं हुआ है। यह राशि एनजीओ में जमा हुई है।

जांच में इनपुट मिले उसी पर कार्रवाई : अभियोजन पक्ष

अभियोजन पक्ष ने इसका विरोध करते हुए नौकरी दिलाने के नाम पर हुए घोटाले की जांच के दौरान मिले इनपुट के आधार पर गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम आने के बाद कार्रवाई करना बताया। विशेष न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलील सुनने और सीबीआई की ओर से रिमांड के लिए आवेदन नहीं देने पर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया।

रायपुर के दवा कारोबारी को ओडिशा पुलिस ने किया गिरफ्तार

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. महादेव सट्टा ऐप के सिंडीकेट में शामिल गुढ़ियारी के दवा कारोबारी अश्विनी पाल को ओडिशा के कटक पुलिस ने गिरफ्तार किया। सोमवार को उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट खिलेश्वरी सिन्हा की अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए ट्रांजिट रिमांड पर ओडिशा ले जाया गया है। बताया जाता है कि महादेव सट्टा प्रकरण की जांच कर रही कटक पुलिस को अश्विनी पाल के बैंक खातों से करोड़ों रुपए के ट्रांजेक्शन के इनपुट मिले थे। इसके संबंध में पूछताछ करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। इसकी तामिली होने के बाद भी उपस्थिति दर्ज नहीं कराने पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अश्विनी द्वारा 2020-21 तक दवा व्यवसाय से जुड़ा था। इसके बाद आर्थिक स्थिति खराब होने पर कारोबार बंद कर दिया था। इसी अवधि में उसके अकाउंट से ओडिशा, उत्तरप्रदेश सहित देश के कई अन्य राज्यों से महादेव सट्टा ऐप की रकम ट्रांजेक्शन होने के इनपुट मिले।

संविधान दिवस पर रायपुर में पदयात्रा आज

रायपुर @ पत्रिका. भारतीय संविधान के 75वें वर्ष पूर्ण होने पर 26 नवंबर को सुबह 9.30 बजे राजधानी में पदयात्रा निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम होंगे। पदयात्रा के प्रारंभ में पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय के सभागार में संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी। इसके बाद चिकित्सा महाविद्यालय कलेक्ट्रेट परिसर अम्बेडकर चौक तक पदयात्रा निकाली जाएगी।

जहां रहे श्रीराम | 13 करोड़ के विकास कार्यों से बदल गई तस्वीर

रामगढ़ के कण-कण में बसे हैं रघुनंदन, संवर रहा हर हिस्सा

संजय तिवारी @ अंबिकापुर. भगवान राम ने चौदह साल के वनवास काल का करीब दो साल समय सरगुजा के वनों और वनवासियों के बीच बिताया था। प्रदेश में प्रभु राम के पद चिह्नों और पड़ावों की पौराणिक कथाओं को जीवंत करने के उद्देश्य से 10 स्थानों का चयन किया गया है। इसमें सरगुजा का रामगढ़ भी शामिल है। यहां भगवान के वन गमन के पड़ाव की निशानियां मौजूद हैं। अब इस स्थल को तेजी से विकसित करने का काम सरकार कर रही है।

सरगुजा जिले के उदयपुर क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व का स्थल रामगढ़ अब राम वन गमन पर्यटन परिपथ का हिस्सा बनकर पर्यटकों और श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गया है। लगभग 13 करोड़ की लागत से इस स्थल का व्यापक विकास किया गया है।

ये निर्माण कार्य पूरे : पर्यटन से जुड़ी कई सुविधाएं यहां विकसित की गई हैं। इनमें 25 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा, पर्यटक सूचना केंद्र, दीप स्तंभ, 6 कॉटेज, 2 डॉरमेट्री, पब्लिक टॉयलेट, बाउंड्री वॉल हाइमास्ट लाइट और सड़क निर्माण शामिल हैं। सीता बेंगरा से सीढ़ी तक 3.55 किलोमीटर सीसी सड़क का निर्माण कराया गया है।

ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताएं : मान्यता है कि वनवास के दौरान भगवान राम ने रामगढ़ पर्वत पर विश्राम किया था। इस पर्वत पर अलग-अलग गुफाएं हैं। माना जाता है कि श्री राम-लक्ष्मण और माता सीता इन गुफाओं में निवास करते थे। रामगढ़ को रामगिरि भी कहा जाता है। यहां स्थित गुफाओं को सीताबेंगरा, लक्ष्मण बेंगरा कहा जाता है। वहीं रामगढ़ पर्वत पर भरत मुनि की नाट्यशाला है। नाट्यशाला में गूंजती आवाज किसी साउंड सिस्टम का अहसास कराती है। माना जाता है कि भरत मुनि ने इसी नाट्यशाला से प्रभावित होकर नाट्य शास्त्र की रचना की थी। महाकवि कालीदास ने भी इसी पर्वत पर बैठकर महाकाव्य मेघदूतम् की रचना की थी।

सौंदर्यीकरण और सुविधाओं से बढ़े पर्यटक

गार्डनिंग, स्मॉल इंट्रेंस गेट, पेवर ब्लॉक, विद्युत कनेक्शन और अन्य सजावटी कार्यों ने यहां की खूबसूरती को और बढ़ा दिया है। यह स्थल पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए सालभर खुला रहता है और नियमित रूप से आगंतुकों का तांता लगा रहता है। वही रामगढ़ की सुरक्षा और व्यवस्था का दायित्व वन प्रबंधन समिति पुटा को सौंपा गया है, जो यहां पर्यटकों की सुविधाओं और स्थल की देखभाल सुनिश्चित कर रही है।

पेयजल की समस्या

रामगढ़ में लगभग 4 किमी के एरिया में पेयजल का कोई साधन नहीं है। इसकी वजह से श्रद्धालुओं व पर्यटकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है, इस समस्या का निराकरण काफी जरूरी है। वहीं सीता बेंगरा से ऊपर तक स्ट्रीट लाइट भी नहीं है। रामगढ़ में बिखरी पड़ी पुरातात्विक महत्व की प्राचीन मूर्तियों के संरक्षण पर भी पुरातत्व विभाग का ध्यान नहीं है।

चुनाव की तैयारी में जुटने लगे वार्डों के कार्यकर्ता

नगरीय निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की लॉटरी का इंतजार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

- कांग्रेस में अभी से शुरू हो गई दावेदारी, कुछ पुराने पार्षद वार्ड भी बदलने की कर रहे तैयारी
- भाजपा में बूथ अध्यक्षों और

रायपुर. रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के बाद अब वार्डों में निकाय चुनाव को लेकर दावेदार सामने आने लगे हैं। सबसे ज्यादा दावेदारी कांग्रेस से आ रहे हैं। वहीं भाजपा में फिलहाल बूथ और मंडल चुनाव की सरगर्मी है। बूथ स्तर और मंडल स्तर पर चुनाव की प्रक्रिया पार्षद टिकट के दावेदार भी अपनी सियासी जमीन तैयार करने में लगे हुए हैं। वहीं, भाजपा और कांग्रेस के पार्षद टिकट के दावेदारों को फिलहाल वार्डों के आरक्षण के लिए लॉटरी निकलने का बेसब्री से इंतजार हैं। आरक्षण के बाद ही दावेदारी मजबूती से सामने आएगी।

वार्ड बदलने की तैयारी में जुटे कुछ पार्षद: कुछ ऐसे पार्षद हैं, जो पहले किसी वार्ड से चुनाव लड़ते थे। लेकिन आरक्षण होने पर दूसरे वार्ड की ओर रुख किया था। अब फिर से पुराने वार्ड में पहले वाले आरक्षण होने की उम्मीद है। इसलिए इस बार अपने पुराने वार्ड से ही टिकट की दावेदारी करने का मन बना रहे हैं। वहीं कुछ ऐसे भाजपा-कांग्रेस पदाधिकारी भी हैं, जो अपने परिवार के अन्य सदस्य को भी वार्ड से लगे दूसर वार्ड में भी पार्षद चुनाव लड़ाने के लिए सियासी जमीन तैयार कर रहे हैं।

महापौर के टिकट के लिए सीनियरों की दावेदारी

हालांकि महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष होगा कि अप्रत्यक्ष इस पर अभी आधिकारिक रूप से शासन का फैसला नहीं आया है। लेकिन प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि इस बार महापौर और अध्यक्षों का चुनाव डायरेक्ट होगा। इस कारण से कई सीनियर पार्षदों ने अभी से महापौर के टिकट के लिए अपनी-अपनी सियासी शतरंज की चाल चलना शुरू कर दिया है। पार्षदों के अलावा भाजपा-कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी भी अपना-अपना दावा ठोकने लगे हैं।

दोनों ही पार्टी से नए चेहरों को टिकट देने की मांग

दोनों ही पार्टी भाजपा-कांग्रेस से अब कार्यकर्ताओं के बीच निकाय चुनाव में टिकट वितरण को लेकर मांग उठ रही है कि पुराने चेहरों के बजाए नए चेहरों को मौका दिया जाना चाहिए। जो दो से तीन बार के पार्षद रह चुके हैं, उन्हें संगठन में पद देकर वार्ड के सक्रिय

निवेश के लिए विदेश दौरा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय उच्चायोग के साथ निवेश और विकास के संकल्पों पर की चर्चा

ब्रिटेन के साथ कौशल विकास, अनुसंधान में बढ़ेगी मप्र की साझेदारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी विदेश यात्रा के पहले दिन यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायोग, लंदन के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने औद्योगिक विकास, तकनीकी सहयोग और वैश्विक निवेश को लेकर प्रदेश की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। कृषि, ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट्स, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में उपलब्ध अपार संभावनाओं के बारे में भी बताया।

उन्होंने विशेष रूप से ब्रिटेन के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रवासी भारतीयों, अफसरों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

शुरुआत लंदन से: सीएम ने कहा कि औद्योगिक विकास मप्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उज्जैन, रीवा, ग्वालियर, जबलपुर और सागर जैसे शहरों में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से प्रदेश में निवेश को लेकर सकारात्मक परिणाम मिले हैं। सीएम ने कहा कि हम अब राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों को प्रदेश के विकास से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत लंदन से हो रही है।

प्रवासी भारतीयों ने किया स्वागत

भारत के उच्चायुक्त विक्रम के. दोराईस्वामी और प्रवासी भारतीयों ने सीएम का स्वागत किया। सीएम फरवरी में होने जा रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए यूके और जर्मनी प्रवास पर हैं। छह दिवसीय प्रवास के दौरान वे उद्योगपतियों से मुलाकात कर उन्हें मप्र आने का न्योता देंगे। सीएम के साथ अधिकारियों का उच्च स्तरीय दल भी विदेश प्रवास पर है।

जीआइएस के लिए मांगा सहयोग

सीएम ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए भारतीय उच्चायोग से विशेष सहयोग का अनुरोध किया। कहा, उच्चायोग की टीम मप्र को ब्रिटिश निवेशकों के लिए आदर्श स्थल के रूप में स्थापित करने में सहयोग करे। बैठक में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम के दोराईस्वामी, उप उच्चायुक्त सुजीत घोष, मंत्री (आर्थिक) निधिमणि त्रिपाठी और प्रथम सचिव (व्यापार) जसप्रीत सिंह सुखबीजा मौजूद रहे।

आज करेंगे वन-टू-वन मुलाकात

फ्रेंड्स ऑफ मप्र यूके चैप्टर ग्रुप के सदस्य और एयर कनेक्टिविटी फॉर भोपाल डेवलपमेंट के फाउंडर आबिद फारूकी ने लंदन से फोन पर पत्रिका को बताया कि सोमवार को भारतीय समयानुसार रात करीब 11.30 बजे सीएम प्रवासी भारतीयों की ओर से आयोजित रात्रि भोज में शामिल हुए। करीब 400 प्रवासी भारतीयों ने शिरकत की। मंगलवार रात चुनिंदा इन्वेस्टर्स मिलेंगे। इनमें फारूकी भी शामिल हैं। वन-टू-वन मुलाकात में वे भोपाल में आइटी कंपनी सेटअप के प्रस्ताव सहित भोपाल से सीधी उड़ान पर भी चर्चा करेंगे।

■ अधीक्षण यंत्री को सीएस ने फटकारा

भोपाल@पत्रिका. जब व्यापारी को शिकायत करने के बाद भुगतान किया जा सकता है तो वही भुगतान उन्हें बिना शिकायत के भी किया जा सकता था लेकिन यह काम नहीं हुआ। व्यापारी को शिकायत करनी पड़ी। वह तो परेशान हुआ ही, सिस्टम में भी एक शिकायत बढ़ गई, आप और हम सब लोगों को उस पर आज बात करनी पड़ रही है। व्यापारी भी आज तक परेशान रहा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सोमवार समाधान ऑनलाइन के तहत यह बात सिंगरौली बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री से कही। उनकी इस लापरवाही पर उन्हें नोटिस देने के निर्देश भी दिए। सभी अधिकारियों से कहा कि आगे से किसी भी स्तर पर ऐसा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। हम शिकायतों को सुनने और उनके निराकरण होने तक अंतिम प्रयासों के लिए हैं, हमारा मकसद शिकायतों को जल्दबाजी में बंद करना नहीं होना चाहिए।

■ 19 जिलों में बनाए जाएंगे ट्राइबल मार्ट

भोपाल@पत्रिका. जनजातीय बहुल गांवों के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में 11377 चिह्नित जनजातीय बहुल गांवों में विकास कार्य किए जाएंगे। जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने बताया कि अभियान में होने वाले विकास कार्यों के लिए छह सेक्टर्स बनाए गए हैं। अभियान में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा देशभर में 100 ट्रायबल मल्टी-पर्पज मार्केटिंग सेंटर्स तैयार करने की योजना है। राज्य सरकार की ओर से जनजातीय कार्य मंत्रालय को 19 जिलों में एक-एक करोड़ की लागत से ट्राइबल मार्ट बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने बताया कि ये टीएमएमसी बुरहानपुर, खंडवा , झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, धार, मंडला, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, डिंडोरी, नर्मदापुरम, बैतूल, रतलाम, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, सीधी में बनाया जाना प्रस्तावित हैं।

■ धूमधाम से मनेगा संविधान दिवस

भोपाल@पत्रिका. संविधान दिवस मंगलवार को सरकार प्रशासनिक स्तर पर मनाने जा रही है। अधिकारी, कर्मचारियों के साथ-साथ कार्यक्रम में आम नागरिकों की सहभागिता होगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने समीक्षा कर दिशा-निर्देश जारी किए। शासकीय कार्यालयों, स्कूल, कॉलेजों, संस्थाओं, स्वशासी संस्थाओं एवं सार्वजनिक उपक्रमों में आयोजन होंगे। संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन होगा।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस आज: मप्र का सहकारी क्षेत्र उत्पादित दूध के संग्रहण, प्रोसेसिंग व विपणन में पिछड़ा, इसलिए लाभ निजी हाथों में जा रहा... सरकार की नई रणनीति से उपभोक्ता और किसानों को बंधी आस

बंपर दूध उत्पादन से निजी कंपनियां हो रहीं मालामाल, उपभोक्ता-किसान खाली हाथ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राष्ट्रीय स्तर पर कुल उत्पादित दूध में मप्र की नौ फीसदी हिस्सेदारी है। यूं कहें कि सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाले राज्यों में मप्र का तीसरा नंबर आता है, लेकिन लाभ दूध पैदा करने वाले किसानों को मिल पा रहा है और न ही दूध का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को। पूरी कमाई निजी कंपनियों के जेब में जा रही है।

इस बात से प्रदेश के किसान व उपभोक्ता दोनों खपा हैं। अब इन्हें मोहन सरकार की उस नई रणनीति से आस बंधी है जिसमें उत्पादित दूध से सरकार किसान, उपभोक्ता और युवाओं को जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जुटी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसको लेकर कई दौर की बैठकें कर चुके हैं। इतना ही नहीं, इस काम में राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की मदद लेने पर मंथन हो चुका है।

प्रदेश में 18 हजार मीट्रिक टन दूध का उत्पादन होता है। इसमें से 3 फीसद दूध को छोड़ दिया जाए तो पूरा दूध निजी कंपनियां खरीदकर लाभ कमा रही हैं। उक्त दूध से कमाए जाने वाले लाभ का कोई हिस्सा किसान और उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा है।

कंपनियां इसलिए फायदे में

- 6 सहकारी दुग्ध संघ भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, सागर और ग्वालियर में है।
- इनकी 6100 सहकारी दुग्ध उत्पादन समितियां हैं, जिनमें किसान दूध बेचते हैं।
- एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन इन संघों पर नियंत्रण रखता है।
- सभी दुग्ध संघ मिलकर रोजाना 12 लाख लीटर दूध खरीद पा रहे हैं। कुल उत्पादन का करीब 3 प्रतिशत ही है।
- संघों की संग्रहण, प्रोसेसिंग और विपणन क्षमता कमजोर है। फायदा 35 साल से निजी कंपनियां उठा रही हैं।

सहकारी सेक्टर से इसलिए लाभ की आस

सहकारी दुग्ध संघों को नो प्रॉफिट-नो लॉस के सिद्धांत पर काम करना होता है। दूध बेचने व खरीदने वाले दोनों के हितों का ध्यान रखा जाता है। मनमाने स्तर पर दामों में बढ़ोतरी नहीं की जा सकती। इसके लिए चुने हुए प्रतिनिधियों के बीच चर्चा करनी होती है, हालांकि अभी संघों में चुने हुए प्रतिनिधि नहीं हैं। प्रशासनिक अधिकारी ही यह तय करते हैं।

उक्त सिद्धांत पर काम करने के बावजूद यदि लाभ होता है तो उस लाभ के अंश को खरीदे जाने वाले दूध की कीमतें बढ़ाकर किसानों को और खरीदने वाले आम उपभोक्ताओं के लिए दूध की कीमत कम करके बांटा जाता है।

क्षमता बढ़ाएंगे

दुग्ध संघों की हर तरह से क्षमता बढ़ाने जा रहे हैं। जरुरत पड़ी तो नए दुग्ध संघ बनाएंगे। वर्तमान में उत्पादित दूध और भविष्य में बढ़ाए जाने वाले उत्पादन को सहकारी क्षेत्र से जोड़कर उपभोक्ता व किसान दोनों को लाभ दिलाएंगे। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में युवाओं को स्वरोजगार व रोजगार देने का काम भी करेंगे। गोपालन व दूध उत्पादन पर नई नीति लेकर आ रहे हैं।

लखन पटेल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पशुपालन एवं डेयरी विकास

करनी होगी पूरे दूध की खरीदी

रोजाना महज 12 लाख लीटर दूध ही सहकारी सेक्टरों के जरिए सरकार खरीद पा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक यदि पूरे दूध की खरीदी सहकारी सेक्टर के जरिए हो तो किसान, उपभोक्ता और युवा मालामाल हो सकते हैं। लाभ का जो हिस्सा अभी निजी कंपनियों के जेब में जा रहा है, वह प्रदेश के पास रखा जा सकता है।

भाजपा नेताओं से बेटी बचाओ जन जागरण अभियान चलाएगी कांग्रेस

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मध्यप्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। महिला अपराधों में इजाफा हुआ है। अपराध में सत्तारूढ़ दल भाजपा नेताओं के नाम सामने आते हैं। ताजा मामला बालाघाट का है। बालाघाट में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सोहागपुरे का है। बालाघाट की एक दलित शिक्षिका को शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया, लेकिन उससे शादी नहीं की। किसी अन्य युवती से विवाह रचाने की कोशिश कर रहा था और पकड़ा गया। लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती, प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष नूरी खान ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। अब कांग्रेस भाजपा नेताओं से बेटी बचाओ आंदोलन शुरू करेगी। बालाघाट और उसके आस-पास के जिले में चलने वाले इस कार्यर म के तहत भाजपा नेताओं से बेटी बचाओ अभियान शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बालाघाट की बेटी पीड़ित दलित हिन्दू शिक्षिका को शीघ्र अति शीघ्र न्याय दिलाए। अगर बालाघाट पुलिस एक सप्ताह में आरोपी भाजपा नेता भूपेंद्र सोहागपुरे को गिरफ्तार नहीं करती है, तो कांग्रेस विराट धरना प्रदर्शन करने के साथ-साथ बालाघाट बंद भी कराएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन भी पहुंचाएगी।

मशाल जुलूस में शामिल होंगे पटवारी

भोपाल @ पत्रिका. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी 26 नवंबर को शाजापुर प्रवास पर रहेंगे। वे शाम 4 बजे रवाना होकर श्यामपुर, ब्यावरा, सारंगपुर होते हुए शाम 7 बजे शाजापुर पहुंचेंगे।

जिला यूथ कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम एवं मशाल जुलूस में शामिल होंगे। जुलूस राजेश्वरी मंदिर से शुरू होगा। जुलूस के बाद जीतू पटवारी आमसभा को भी संबोधित करेंगे।

अचानक बंद कराया आदिवासी संग्रहालय

छिंदवाड़ा@पत्रिका. पीएम मोदी के हाथों लोकार्पित बादलभोई राज्य आदिवासी संग्रहालय का नया भवन अचानक बंद कर दिया गया है। इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के पास ट्राई भोपाल के अधिकारियों का फोन आया था। इधर, म्यूजियम बंद होने से सैकड़ों लोग हर दिन निराश होकर वापस लौट रहे हैं।

जहां नक्सली घटनाएं ज्यादा, उन संवेदनशील पॉइंट पर बनाए जाएंगे 28 से ज्यादा कैम्प

भोपाल @ पत्रिका. नक्सलियों के खिलाफ मुहिम का असर दिखने लगा है। अब प्रदेश में भी जहां सबसे ज्यादा नक्सली घटनाएं हुई हैं, उन स्थानों पर चौकसी बढ़ाई जाएगी। सूत्रों के मुताबिक पॉइंट चिह्नित कर स्थायी कैंप बनाए जाएंगे। कुल 28 कैंप बनाने की तैयारी है। नक्सली जिन प्वाइंट से मप्र की सीमा में प्रवेश करते हैं उन इलाकों पर सबसे पहले कैंप बनाए जाएंगे। एक कैंप में 50 से ज्यादा जवान तैनात किए जाते हैं।

अभियान तेज करने के लिए केंद्र से बल मांगा गया है। जानकारी के मुताबिक जल्द दो कंपनियां मप्र को मिल सकती हैं। एक कंपनी करीब 700 जवान होते हैं। ऐसे में दो कंपनियां आते ही हॉकफोर्स के साथ 1400 से ज्यादा जवानों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।

60 से 70 नक्सली कर रहे मूवमेंट: मप्र में नक्सली मूवमेंट बालाघाट, डिंडोरी और मंडला में होती है। प्रदेश में 60 से 70 नक्सली मूवमेंट कर रहे हैं। सुरक्षाबलों की लगातार नजरें हैं। छत्तीसगढ़ में हाल ही में 10 नक्सली को मारा गया है। तब से मप्र में भी अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे घटनाक्रम के बाद नक्सली सीमावर्ती इलाकों में जाते हैं।

जोर-आजमाइश | मुख्यमंत्री के विदेश से लौटने के बाद निर्णय की संभावना

रावत का इस्तीफा होल्ड, उनके विभाग पर टिकी नजर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. विजयपुर उपचुनाव हारने के बाद वनमंत्री रामनिवास रावत द्वारा दिया गया इस्तीफा सरकार ने होल्ड पर रख लिया है। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विदेश से लौटने के बाद इस्तीफे पर निर्णय होगा। उसके पहले रावत के पास मौजूद वन एवं पर्यावरण विभाग पर मौजूदा चार मंत्रियों और 12 से अधिक विधायकों की नजर है।

इन्होंने सत्ता व संगठन के सामने नए सिरे से जोर-आजमाइश शुरू कर दी है। हालांकि रावत जनवरी 2025 के पहले सप्ताह तक मंत्री बने रह सकते हैं, क्योंकि कानूनी रूप से

रावत को शपथ के छह महीने के भीतर चुनाव जीतकर आना था। इस अवधि के पहले चुनाव हुए और वह हार गए। तब भी छह महीने की अवधि पूरी होनी बाकी है, इसके पूरे होने तक उनके इस्तीफे के बावजूद भी सरकार चाहे तो उन्हें मंत्री रख सकती है।

सरकार के पास विभाग बंटवारे के ये तीन विकल्प

1. विदेश से लौटने के बाद सीएम यदि रावत का इस्तीफा मंजूर करते हैं तो वन और पर्यावरण विभाग के बंटवारे को लेकर सरकार दो विकल्प में से किसी एक को अपना सकती है। जानकारों के मुताबिक जो विभाग किसी के पास नहीं होते वे स्वत: राज्य के मुख्यमंत्री के हो जाते हैं, इसी तरह वन व पर्यावरण विभाग भी मुख्यमंत्री के पास चले जाएंगे।
2. सीएम चाहें तो ये दोनों विभाग मंत्रिमंडल का विस्तार किए बिना किसी भी मौजूदा मंत्रियों को दे सकते हैं।
3. सरकार चाहे तो किसी नए विधायक को विभाग दे सकती है, लेकिन इस प्रक्रिया के लिए सरकार को राज्यपाल को मंत्रिमंडल विस्तार की सूचना देनी होगी।

चर्चा... ये मंत्री रावत के विभाग पाने के इच्छुक

नागर सिंह चौहान: अनुसूचित जाति कल्याण विभाग है। पूर्व में वन व पर्यावरण इन्हीं के पास था। इन्हीं से लेकर रावत को दिया था।

राकेश शुक्ला: नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग है। चर्चा है कि ये बड़ा विभाग चाहते हैं।

गौतम टेटवाल, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले के प्रभारी मंत्री हैं।

कृष्णा गौर: राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गौर के पस पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण व विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमंतु कल्याण विभाग है। राजधानी में रहने वाली एकमात्र महिला राज्यमंत्री हैं।

'मैं भाजपा छोड़कर कहीं नहीं जाने वाला'

भोपाल @ पत्रिका. मंत्री रामनिवास रावत के विजयपुर से चुनाव हारने के बाद से तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। सोमवार को चर्चा रही कि रावत भाजपा छोड़ सकते हैं। पत्रिका से बातचीत में उन्होंने अपनी हार के पीछे जनता का फैसला और खुद की किस्मत को बताया। भाजपा छोड़ने के सवाल पर कहा, मुझे नहीं पता ये अफवाह कौन उड़ा रहा है। मैं भाजपा छोड़कर कहीं नहीं जाने वाला हूं। वहीं इस्तीफे को लेकर कहा कि चुनाव हारते ही मैंने सीएम को इस्तीफा सौंप दिया था।

भितरघात को लेकर इतना ही कहा कि अभी तक सत्ता और संगठन की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं मांगी गई है। अगर पूछा जाता है तो मैं जरूर रिपोर्ट दूंगा।

संविधान दिवस पर विशेष

संविधान सभा में थीं मप्र की 19 शख्सियत

आज 26 नवंबर को है संविधान दिवस। 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने संविधान को अपनाया था। इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। 299 सदस्यों वाली संविधान सभा ने इसे तैयार किया था। विशेष बात यह है कि इन 299 सदस्यों में से 19 लोग मध्यप्रदेश के हैं या फिर उनका जुड़ाव किसी न किसी तरह से मध्यप्रदेश से रहा। जानिए ऐसे ही सदस्यों के बारे में...

हिन्दू लॉ की व्याख्या

डॉ. हरिसिंह गौर

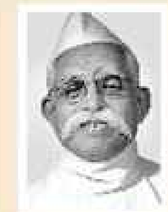

रविशंकर शुक्ल

सागर की तीन विभूतियों ने संविधान लिखने में महती भूमिका निभाई। पहले हैं हरिसिंह गौर विवि के संस्थापक कुलपति **डॉ. हरिसिंह गौर,** जिन्होंने भारतीय संविधान को संवारने एवं हिंदू लॉ की व्याख्या की। दूसरे हैं अविभाजित मध्यप्रदेश के पहले मुख्यमंत्री रहे पंडित रविशंकर शुक्ल। उन्होंने हिन्दी को राजभाषा का दर्जा देने का सुझाव दिया था। तीसरे हैं मलैया परिवार के सदस्य और कोयलांचल के श्रमिक नेता **रतनलाल मालवीय।** मजदूरों के नेता के रूप में विख्यात मालवीय 1954 और 1960 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे।

सबसे कम उम्र के सदस्य कुसुमकांत

23 जुलाई 1921 को थांदला झाबुआ में जन्मे **कुसुमकांत जैन** 28 साल की उम्र में झाबुआ, रतलाम रियासत की ओर से संविधान सभा में सबसे कम उम्र के सदस्य बन गए। स्कूल में ही 1936 में ब्रिटिश शासन के पॉलिटिकल एजेंट का विरोध करने पर विद्यालय छोड़ना पड़ा था।

कुसुमकांत जैन

हिन्दी में लिखवाना चाहते थे: जबलपुर में 1896 में जन्मे **सेठ गोविंद दास** संविधान सभा में हिंदी के प्रबल पक्षधर और भारतीय संस्कृति के संवाहक थे। चाहते थे कि संविधान पहले हिन्दी में ही लिखा जाए। बाद में मध्यप्रदेश और बरार क्षेत्र से ही एक और सदस्य रहे डॉ. रघुवीर ने संविधान का पहला खण्ड हिंदी में प्रस्तुत किया इसे दक्षिण भारतीय प्रतिनिधियों ने तवज्जो नहीं दी। हिन्दी के प्रश्न पर कांग्रेस की नीति से हटकर संसद में दृढ़ता से हिन्दी का पक्ष लिया।

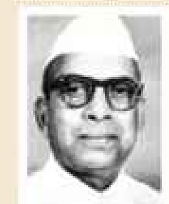

सेठ गोविंद दास

मास्टर लाल सिंह सिनसिनवार: ठाकुर मास्टर लाल सिंह सिनसिनवार का जन्म 1889 में भोपाल में हुआ। क्रिश्चियन कॉलेज इंदौर से पढ़े और 1913 में जहांगिरिया स्कूल भोपाल में अध्यापन कार्य शुरू किया। भोपाल में कन्या शाला खोलकर स्त्री शिक्षा का श्रीगणेश किया। वर्ष 1924 में भोपाल में पहला अनाथालय शुरू कराया। 1935 में सरकारी नौकरी छोड़ हिन्दू महासभा भोपाल की स्थापना की थी।

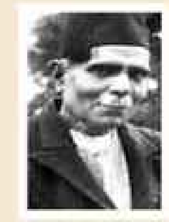

लाल सिंह सिनसिनवार

भीमराव आंबेडकर

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का जन्म मऊ (इंदौर) में हुआ। पर उनका कार्यक्षेत्र शुरू से ही व्यापक रहा, वे संविधान सभा में पहली बार बंगाल से सदस्य चुने गए। वह हिस्सा पाकिस्तान के हिस्से में जाने के बाद उन्हें बाद में बंबई से सदस्य बनाया गया। महान गांधीवादी नेता **शंकर त्र्यंबक धर्माधिकारी** जिन्हें दादा धर्माधिकारी के नाम से जाना जाता है, वे बैतूल में जन्मे। 36 साल की उम्र से वर्धा में रहने लगे। बाद में महाराष्ट्र को ही अपना कार्यक्षेत्र बना लिया था।

विदिशा में जन्मे बाबू रामसहाय

विदिशा में जन्मे **बाबू राम सहाय** जिले में आंदोलन की धुरी हुआ करते थे। उनके घर में गुप्त रूप से आंदोलनकारियों की मीटिंग होती थीं। 1942 में असहयोग आंदोलन, जेल भरो आंदोलन में शामिल हुए। बाद में संविधान सभा के सदस्य बने।

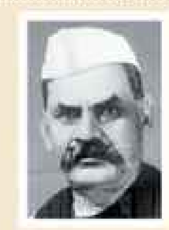

बाबू राम सहाय

भगवंतराव मंडलोई: जन्म 10 दिसंबर 1892 में खंडवा में हुआ। 1917 में वकालत की शुरुआत की। 1957 का आम चुनाव जीतकर खंडवा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। पहली बार पंडित रविशंकर शुक्ल की कैबिनेट में मंत्री बने।

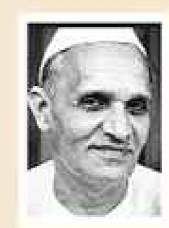

भगवंतराव मंडलोई

सीताराम सरवटे: इंदौर में 1884 में जन्मे विनायक सीताराम सरवटे मराठी स्वतंत्रता सेनानी थे। ये राजनीतिक नेता और लेखक थे। संविधान सभा के सदस्य रहे। 1973 में इंदौर शहर का बस स्टैंड का नाम विनायक सरवटे बस स्टैंड किया गया।

सीताराम सरवटे

अवधेश प्रताप सिंह: कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह का जन्म 1888 में सतना जिले में हुआ था। 1921 से 1942 तक के आंदोलनों में लगभग चार वर्ष जेलों में बंद रहे। उनके नाम पर रीवा विश्वविद्यालय का नामकरण किया गया।

राधावल्लभ विजयवर्गीय: 30 जनवरी 1912 को राजगढ़ में राधावल्लभ विजयवर्गीय का जन्म हुआ। स्वतंत्रता आंदोलनों में सक्रियता के चलते अंग्रेजों ने उनके पिता को धमकी भरे पत्र लिखे। पिता को नौकरी छोड़नी पड़ी। बाद में राधावल्लभ को संविधान सभा का सदस्य बनाया गया। 1957 में नरसिंहगढ़ से विधायक भी रहे।

इनका भी रहा अहम योगदान

शम्भूनाथ शुक्ल: जन्म 18 दिसंबर 1903 को शहडोल में हुआ। 1920 में असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया। विंध्य प्रदेश के (1952 से 1956) तक सीएम रहे। 1956 में विंध्य प्रदेश के विलय तथा नए मप्र के गठन पर 31 अक्टूबर 1956 को सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा।

हरि विष्णु कामथ: 1907 में मंगलूर कर्नाटक में जन्मे हरि विष्णु कामथ ने 1933 में अंग्रेजों की आईसीएस परीक्षा पास की। वे नरसिंहपुर कलेक्टर बने। त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन के बाद सुभाषचन्द्र बोस से मुलाकात हुई। इससे अंग्रेज सरकार नाराज हो गई। कामथ को इस्तीफा देना पड़ा। बाद में उन्हें संविधान सभा का सदस्य चुना गया।

एंग्लो इंडियन नेता फ्रेंक एंथोनी: जन्म 25 सितंबर 1908 को हुआ। वे देश के एक प्रमुख एंग्लो-इंडियन समुदाय के नेता थे। जबलपुर से वास्ता रखते थे, संविधान संविधान सभा के सदस्य बने।

बृजराज नारायण: बृजराज नारायण लेफ्टिनेंट कर्नल रहे। ग्वालियर रियासत के प्रतिनिधि के रूप में संविधान सभा में रहे।

सीताराम जाजू: 29 मई 1915 को नीमच जिले में जन्मे जाजू स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे।

राम सहाय तिवारी: सभा में छतरपुर रियासत के प्रतिनिधि रहे।

गोपीकृष्ण विजयवर्गीय: मध्य भारत के सीएम रहे विजयवर्गीय गुना के रहने वाले थे। ये संविधान सभा के सदस्य बनाए गए।

गुदगुदी

- **बच्चा-** अंकल साबुन है क्या?
दुकानदार (नाक से उंगली निकालते हुए) हां बेटा है ना।
बच्चा-तो फिर हाथ धोकर क्रीमरोल दे दो।
- **एक** लड़के की बाइक से स्कूटी वाली लड़की की टक्कर हो गई। भीड़ ने लड़के को खूब पीटा। फिर लड़की और स्कूटी को उठाया।
एक आदमी बोला- आपको लगी तो नहीं?
लड़की-नहीं, यह तो रोज का काम है, स्कूटी सीख रही हूं ना।
- **बंटी-** यार डब्बू, मच्छरों से छुटकारा पाने का क्या उपाय है?
डब्बू- रात को सोने से पहले एक मच्छर मार दिया करों, जिससे बाकी के मच्छर उसके जनाजे में चले जाएं और फिर आप भी मजे से सो सकें।
- **एक** बालक डॉक्टर के पास गया और बोला-डॉक्टर आपने तो कहा था कि खेल खेलने से मोटापा कम होता है, पर मेरा तो बिल्कुल कम नहीं हुआ।
डॉक्टर-कौनसा खेल खेलते हो?
बालक- चिड़िया उड़, तोता उड़।
- **डिटर्जेंट** पाउडर बेचने वाले कहते हैं कि दाग अच्छे हैं, तो फिर डिटर्जेंट पाउडर बनाया ही क्यों जब दाग अच्छे हैं तो..!

IDIOMS

- जो आता है, अपना सिक्का चलाता है।
New lords, new laws.
- जाको राखे साइयां मार सके ना कोय।
Who God keeps no frost can kill.
- झूठे की याददाश्त तेज होती है।
A liar should have a good memory.
- ठंडा करके खाओ।
Blow first and sip afterwards.

चित्र बनाओ

स्टेप बाय स्टेप बनाइए

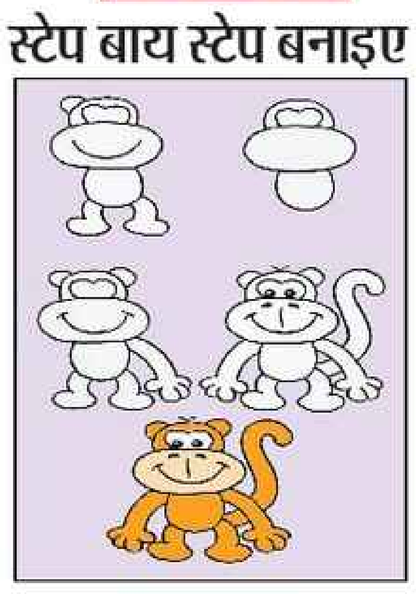

पहेलियां

- बीच बाजार में सामने सबके,
थैला ले के आया चोर।
बंद दुकान का ताला खोला,
सारा माल ले गया बटोर।
- गोरा-चिट्टा खूब हूं,
पर पहनूं नहीं पायजामा।
मां का तो भाई नहीं,
फिर भी बच्चों का मामा।
- मुझसे बड़ी पेट में उंगली,
सिर पर रखा पत्थर।
गोल-गोल रूप है मेरा,
बूझो जल्दी उत्तर।
- जितनी ज्यादा सेवा करता,
उतना घटता जाता हूं।
सभी रंग का नीला-पीला,
पानी के संग भाता हूं।
- नहीं सुदर्शन चक्र मगर,
मैं चकरी जैसा चलता।
सिर के ऊपर उल्टा लटका,
हवा है मुझमें ठंडक मैं पहुंचाता।

उत्तर- 1. डाक ले जाने वाला 2. चंदा मामा 3. अंगूठी 4. साबुन 5. पंखा

किड्स क्विज

Q. एक सहस्राब्दी में कितने वर्ष होते हैं? *एक हजार वर्ष*

Q. मानव शरीर की सबसे बड़ी हड्डी कौन सी है? *फीमर*

Q. मानव शरीर की सबसे छोटी हड्डी का क्या नाम है? *स्टेपीज*

Q. पृथ्वी पर उपलब्ध सबसे कठोर पदार्थ का नाम बताएं। - *हीरा*

उत्तर : अंतर खोजिए

फूल और कांटे: पाए जाते हैं 2 हजार तरह के कैक्टस

कांटों के साथ खिलते हैं फूल

कैक्टस शुष्क क्षेत्रों और रेगिस्तानों में पाए जाते हैं। ये पौधे रसदार होते हैं, जो अपने ऊतकों में पानी संरक्षित कर सकते हैं। कैक्टस का पौधा सभी पौधों से अनोखा होता है, इसे आसानी से पहचाना जा सकता है। लगभग प्रत्येक प्रजाति के कैक्टस के पौधे पर कांटे पाए जाते हैं। कैक्टस गर्मियों में सक्रिय रहते हैं जबकि सर्दियों में उनकी डॉर्मेंसी का समय होता है।

यह एक रेगिस्तानी पौधा है। इसके पौधे में कांटे ही नहीं बल्कि बहुत सुंदर रंग-बिरंगे फूल भी आते हैं। इसके तने मोटे होते हैं और 40 फीट लंबे तक हो सकते हैं। दुनिया में करीब 2 हजार तरह के कैक्टस पाए जाते हैं। जिसमें सबसे छोटी प्रजाति 3 इंच का फिशहुक कैक्टस है। वहीं, सगुआरो कैक्टस 40 फीट लंबा होता है। इसके मोटे और रसदार तनों में पानी का संग्रह होता है, जो गर्मियों और उच्च तापमान में भी इसे सुरक्षित रखता है। आमतौर पर कैक्टी या कैक्टस बहुत ही कम पानी के साथ रेगिस्तानों और शुष्क स्थानों पर पनप सकते हैं। इनका जीवन चक्र और वृद्धि मौसम के मुताबिक बदलती है।

ओस की बूंदों से करते जीवन-यापन

इसके फूल कई रंगों के होते हैं जो पूरे दिन या कुछ हफ्तों तक खिले रहते हैं। अमरीका के एरिजोना में ओस की बूंदों से ही अपना जीवन यापन करने वाले केक्ट्स पाए जाते हैं।

कई बीमारियों को दूर करने में सहायक

कैक्टस के तने गूदेदार होते हैं, आमतौर पर कांटों वाले, जो जानवरों से उनकी रक्षा करते हैं। कैक्टस की जड़ें जमीन की सतह से पास होती हैं जिससे कम वर्षा में गिरने वाला थोड़ा पानी भी इसकी जड़ें सोख लेती है। कैक्टस में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिनका उपयोग कई बीमारियों को दूर करने में होता है।

छह इंच तक होते हैं इसके कांटे!

- मैक्सिकन जॉयंट कार्डन कैक्टस दुनिया का सबसे बड़ा कैक्टस प्लांट है। इसकी लंबाई करीब 65 फीट है। इसकी मुख्य जड़ लम्बी-मजबूत होती है।
- कैक्टस के कांटे करीब 6 इंच तक होते हैं। कैक्टस की कुछ प्रजातियों के कांटे जहरीले होते हैं।
- कैक्टस का जीवनकाल प्रजातियों पर निर्भर करता है। जो लगभग 15 से 300 वर्ष तक हो सकता है।
- कैक्टस की हर किस्म एक दूसरे से काफी अलग होती है। रंग भी एक-दूसरे से अलग होता है हालांकि ज्यादातर कैक्टस का रंग हरा होता है।

शिक्षा है जरूरी

हमेशा बड़े लक्ष्य तय करो और उन्हें पूरा करने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दो।

- **एक** विद्यार्थी के मन में शिक्षा प्राप्त करने के लिए, अपने शिक्षक के प्रति समर्पण का भाव अवश्य होना चाहिए।
- **हार** मानना कायरों का काम है, वीर तो वही है, जो अपने पुरुषार्थ पर विश्वास करता है।
- **अनुभव** एक महान शिक्षक है, इसलिए गलतियों से डरे बिना, हर बार एक नई सीख लो।
- **समय** बहुत कीमती है, इसका सदुपयोग करें।
- **खुद** की तुलना दूसरों से न करें, हर किसी का अपना अलग ही रास्ता होता है।

प्राचीन अजूबा

अलेक्जेंड्रिया का लाइट हाउस

अलेक्जेंड्रिया के बंदरगाह पर नावों का मार्गदर्शन करने के लिए लाइट हाउस बनाया गया था। लगभग 331 ईसा पूर्व में सिकंदर द्वारा स्थापित अलेक्जेंड्रिया बंदरगाह पर यूनानी वास्तुकार सोस्ट्रेटस ने इस लाइट हाउस को एक दशक से भी ज्यादा समय में तैयार किया। माना जाता है कि यह 140 मीटर से भी अधिक ऊंचा था और गीजा के पिरामिड के बाद प्राचीन दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची मानव निर्मित संरचना थी। इसे मिश्र के देवता फेरोस की याद में बनाया गया था। इसे वर्गाकार आधार, अष्टकोणीय मध्य भाग और बेलनाकार ऊपरी भाग में बांटा गया था, जो सभी सर्पिल रैंप से जुड़े थे, ताकि इसके शीर्ष पर आग जलाई जा सके। यह 30 मील की दूरी से भी दिखाई देता था।

भूकंप का हुआ शिकार

बताया जाता था कि अंदर एक बड़ा दर्पण था, जो संभवत: पॉलिश किए गए कांस्य से बना था। दर्पण का उद्देश्य आग के प्रतिबिंब से प्रकाश को प्रोजेक्ट करना था। कुछ अन्य अजूबों की तरह यह प्रकाशस्तंभ भी 14 वीं शताब्दी के आसपास भूकंप का शिकार हो गया। फ्रांसीसी पुरातत्वविदों ने वर्ष 1994 में फारोस के आसपास पानी में बड़े पैमाने पर पत्थरों की खोज की थी, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह प्रकाशस्तंभ का ही हिस्सा है।

DOT TO DOT

बिंदु मिलाकर देखिए चित्र में कौन है?

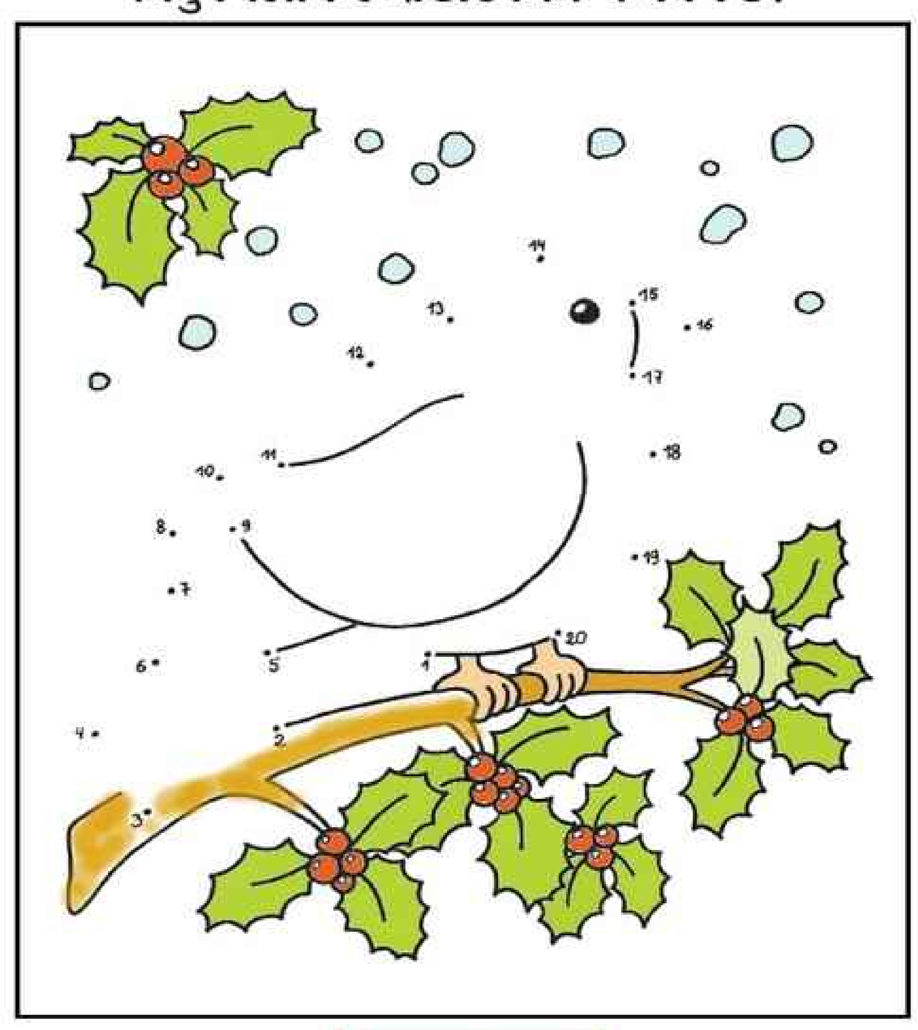

विजुअल एक्सरसाइज

नीचे दी गई तस्वीर में कई वस्तुएं शामिल हैं। आप नीचे-साइड में दी गई वस्तुओं को तस्वीर में खोजिए।

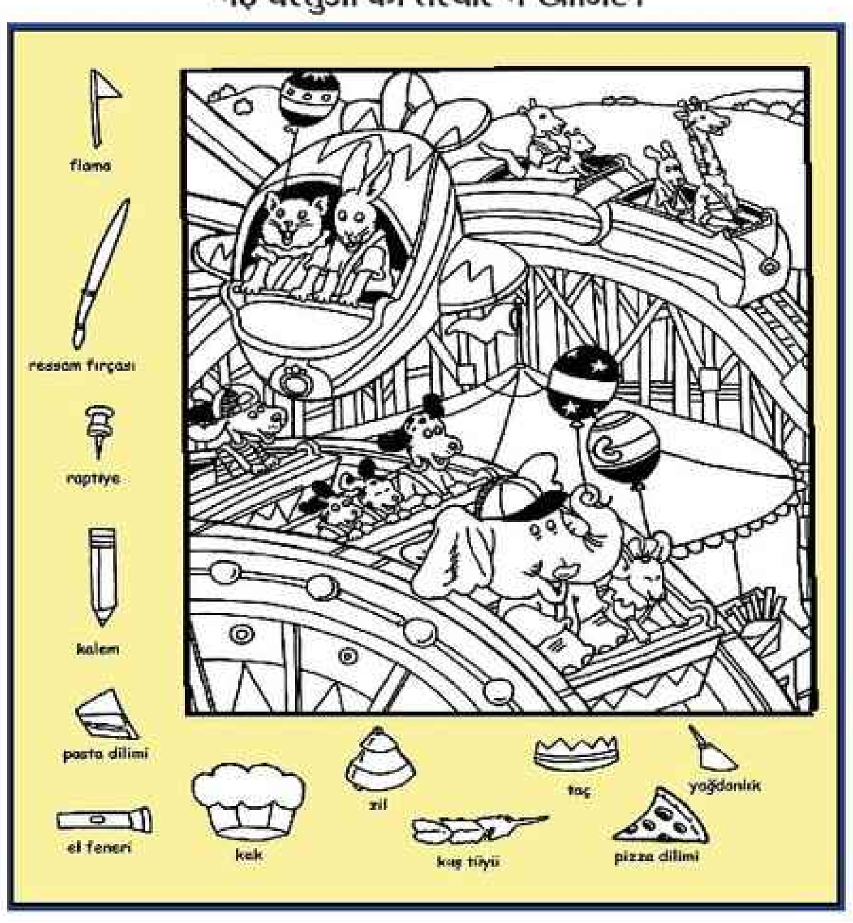

लोकोक्तियां

- **हिरण-** मृग, कुरंग, सांरग
- **हंस-**मराल, चक्रांग, कलहंस
- **हाथी-**गज, कुंजर, हस्ती, करी
- **स्वतंत्र-**स्वाधीन, स्वायत्त, आजाद, मुक्त
- **खल-**दुष्ट, नीच, दुर्जन, शठ
- **खून-**रुधिर, रक्त, लहू, शोणित
- **कष्ट-**दुख, वेदना, पीड़ा, खेद, दर्द
- **करुणा-**दया, कृपा, अनुग्रह, अनुकम्पा
- **किरण-**कर, रश्मि, मयूख, दीधिति, अंशु
- **हाथ-**हस्त, कर, पाणि, बाहु
- **झरना-**प्रपात,सोता,निर्झर,स्रोत
- **दास-**भृत्य,सेवक, अनुचर, परिचर
- **हानि-** नुकसान, अनिष्ट, अपकार
- **चरित्र-**आचरण, व्यवहार, आचार, शील
- **अपेक्षा-**इच्छा, आशा, चाह
- **अंक-**चिह्न, देह, अध्याय, गोद, स्थान

क्या आप जानते हैं?

- **इंसान** की जीभ अन्य अंगों की तुलना तेजी से ठीक होती है।
- **स्पंज** में ठंडा पानी गर्म पानी से ज्यादा ठहरता है।
- **हाथी** चौबीस घंटों में 4-5 घंटे के लिए ही सोता है।
- **मेंढक** आंख बंद करके ही कुछ निगल सकता है।
- **आपके** साथ नौ मिलियन और लोगों का भी जन्मदिन होता है।
- **गाय** का सीढ़ी चढ़ना संभव है, जबकि वह सीढ़ी उतर नहीं सकती।

MAZE CRAZE

एयर बैलून को ऊपर जाने का रास्ता बताइए।

रंग भरो

चित्र में चटक रंग भरकर आकर्षक बनाइए।

अजब-अनोखा

भार उठाने की प्रतियोगिता

पति-पत्नी से जुड़ी यह प्रतियोगिता बहुत ही अजीब है और इसका आयोजन फिनलैंड के सोनकाजेरवी में किया जाता है। इसमें पति को अपनी पत्नी को पीठ पर बैठाकर कुछ बाधाओं को जल्दी से जल्दी पार करना होता है। हालांकि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कुछ नियम हैं, जिनका पालन किए बिना आप इसमें हिस्सा नहीं ले सकते हैं। इसमें पत्नी वजन कम से कम 49 किलोग्राम होना चाहिए।

आर्ट एंड क्राफ्ट

सनग्लासेज

इनकी होगी जरूरत- ड्रॉइंग शीट, कैंची, एक्रेलिक कलर, रंगीन पेपर, स्कैच कलर, ग्लिटर, ग्लू, जिलेटिन पेपर या कोई भी क्लीन शीट।

ऐसे बनाएं- ड्रॉइंग शीट की लगभग 2 इंच चौड़ी और 12 इंच लंबी पट्टियां काट लें। इन पट्टियों मे बीच में से आंखों की दूरी नापते हुए दो चश्मे के फ्रेम काट लें। आगे के भाग को थोड़ा चौड़ा रखते हुए पीछे डंडियों के भाग को पतला काट लीजिए। कटिंग की जगह जिलेटिन पेपर या क्लीनशीट पीछे की तरफ से चिपका दें। चश्मे के प्रेम को कलर से या स्केच पेन से सुंदर डिजाइन बनाकर सजाएं। डंडियों को मोड़कर पीछे की ओर दबा दें। जिसे आप कान के पीछे तक ले जा सकेंगे। फ्रेम को आप अपनी इच्छा अनुसार अलग-अलग डिजाइन में बना सकते हैं। पान, फूल, सितारे, कैट आइ आदि किसी भी शेप में बना सकते हैं। रंगीन टेप चिपकाकर या ग्लू लगाकर ग्लिटर चिपकाकर भी सुंदर फ्रेम बना सकते हैं।

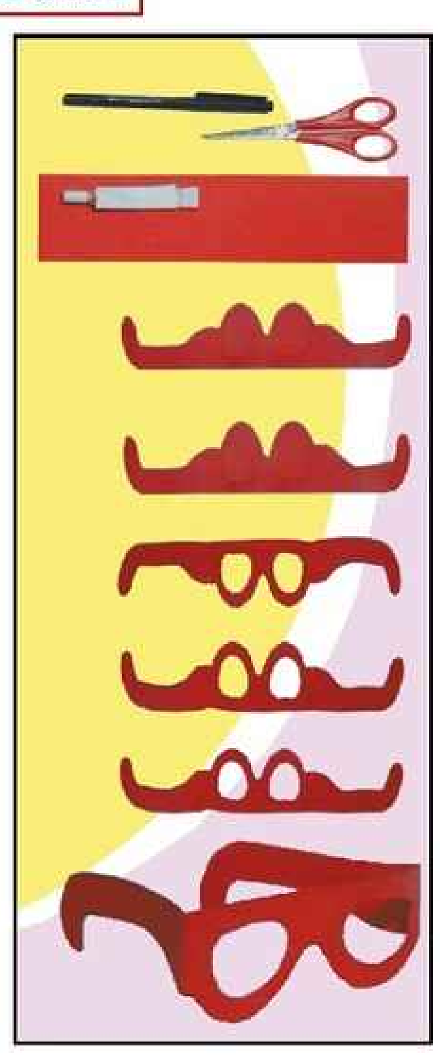

स्टोरी टाइम

चिड़िया उड़ कर पेड़ पर बैठ गई...

एक राजा के महल में सुंदर वाटिका थी। इसमें अंगूर की बेल लगी थी। वहां रोज एक चिड़िया आती और मीठे अंगूर चुन-चुनकर खा जाती। अधपके और खट्टे अंगूरों को नीचे गिरा देती। माली ने चिड़िया को पकड़ने की बहुत कोशिश की, पर वह हाथ नहीं आई। हताश होकर एक दिन माली ने राजा को यह बात बताई। सुनकर राजा को आश्चर्य हुआ। उसने चिड़िया को सबक सिखाने की ठान ली और वाटिका में छिपकर बैठ गया। जब चिड़िया अंगूर खाने आई तो राजा ने उसे पकड़ लिया। जब राजा चिड़िया को मारने लगा तो चिड़िया ने कहा, 'हे राजन, मुझे मत मारो। मैं आपको ज्ञान की कुछ महत्त्वपूर्ण बातें बताऊंगी।' राजा ने कहा, 'जल्दी बताओ।' चिड़िया बोली, 'सबसे पहले तो हाथ में आए शत्रु को कभी मत छोड़ो।' असंभव बात पर भूलकर भी विश्वास मत करो, बीती बातों पर कभी पश्चाताप मत करो। चिड़िया बोली, 'आखरी बात बड़ी गूढ़ और रहस्यमयी है। मुझे जरा ढीला छोड़ दो, मेरा दम घुट रहा है। कुछ सांस लेकर ही बता सकूंगी।' चिड़िया की बात सुन जैसे ही राजा ने अपना हाथ ढीला किया। चिड़िया उड़कर एक डाल पर बैठ गई और बोली, 'मेरे पेट में दो हीरे हैं।' यह सुनकर राजा पश्चाताप में डूब गया। राजा की हालत देख चिड़िया बोली, 'हे राजन, ज्ञान की बात सुनने और पढ़ने से कुछ लाभ नहीं होता। उस पर अमल करने से होता है। आपने मेरी बात नहीं मानी। मैं आपकी शत्रु थी, फिर भी आपने मुझे छोड़ दिया। मैंने यह असंभव बात कही, 'कि मेरे पेट में दो हीरे हैं। आपने उस पर भी भरोसा कर लिया। आपके हाथ में वे काल्पनिक हीरे नहीं आए, तो आप पछताने लगे।'

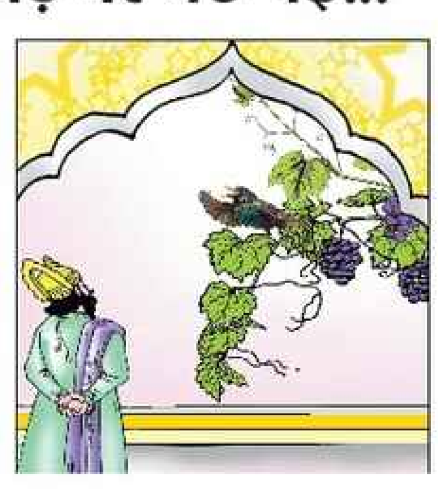

प्रेरणा- *उपदेशों को आत्मसात कर जीवन को सफल बनाएं।*

नेशनल मिल्ड डे

श्वेत क्रांति के जनक डॉ.वर्गीस कुरियन

भारत में हर साल 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश की श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की जयंती के उपलक्ष्य में 2014 से यह दिवस मनाया जा रहा है। उन्हें मिल्क मैन ऑफ इंडिया' के रूप में भी जाना जाता है। डॉ. वर्गीस कुरियन को 'भारत में श्वेत क्रांति के जनक' के रूप में जाना जाता है। वे एक सामाजिक उद्यमी थे। उन्होंने ऑपरेशन फ्लड का नेतृत्व किया, जो दुनिया भर में सबसे बड़ा कृषि डेयरी विकास कार्यक्रम है। इस ऑपरेशन ने भारत को दूध की कमी वाले देश से दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया। इस आंदोलन ने लगभग 30 वर्षों में प्रति व्यक्ति उपलब्ध दूध को दोगुना कर दिया और साथ ही दूध उत्पादन को चार गुना बढ़ाया।

पुरस्कारों से किया सम्मानित

डॉ.वर्गीस को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (1963), कृषि रत्न (1986) और विश्व खाद्य पुरस्कार (1989) पद्म श्री (1965), पद्म भूषण (1966) और पद्म विभूषण (1999) सहित अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

सबसे अधिक दूध उत्पादक

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गुजरात और पंजाब। हमारे देश में हर वर्ष करीब 22 करोड़ टन दूध का उत्पादन होता है, जो कि विश्व में सबसे अधिक है। इसके बाद अमरीका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी हैं।

टैलेंट विंडो

आयूष डोटासरा
9 वर्ष
सीकर

गीताक्षी
9 वर्ष
श्रीगंगानगर

यहां भेजें: अगर आपके बच्चे में किसी भी प्रकार का टैलेंट है, जैसे- अपनी कविता, कहानी, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट व अन्य रचनाएं - फीडबैक ईमेल पर भेजें।

- www.facebook.com/PatrikaBrainPower
- patrikabrainpower@in.patrika.com
- www.facebook.com/groups/brainpower.patrika

अंतर खोजिए

चित्रकार ने दोनों चित्र बनाते समय कुछ गलतियां छोड़ी हैं, आप बताइए कौनसी हैं?

ऐतिहासिक स्थल | यहां बने स्थलों की स्थापत्यकला को देखते रह जाते हैं सैलानी

मंदिरों-मठों का आकर्षक शहर कुंभकोणम

तमिलनाडु का कुंभकोणम अपने भव्य प्राचीन मंदिरों और मठों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर कावेरी और अरासालर नदी के घिरा है और सैलानियों के बीच काफी प्रसिद्ध है। आप यहां एक से बढ़कर एक हिन्दू मंदिरों और मठों को देख सकते हैं। मंदिरों की बनावट, वास्तुकला और शिल्पकला देखते ही बनती है।

कुंभकोणम में 12 साल में एक बार 'महामहम' त्योहार मनाया जाता है। इसका महत्त्व वैसा ही है जैसे उत्तर भारत के 'कुंभ मेले' का होता है। इस दौरान श्रद्धालु पवित्र महामहम कुंड में पवित्र डुबकी लगाते हैं। कुंभकोणम की सीमा के अंतर्गत लगभग 188 मंदिर हैं। इसके अलावा शहर के आस-पास हजार से भी ज्यादा मंदिर मौजूद हैं, इसलिए इस कुंभकोणम को 'मंदिरों का नगर' भी कहा जाता है।

और भी हैं कई दर्शनीय स्थल...

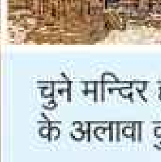

प्राचीन काल के दौरान बनाए गए दक्षिण भारतीय मंदिर अपनी सरंचनात्मक सौंदर्यता के लिए काफी ज्यादा जाने जाते हैं। द्रविड़ शैली का सबसे बेहतर प्रयोग आप इन मंदिरों में देख सकते हैं। ब्रह्माजी के विश्व में गिने-चुने मन्दिर ही हैं और उनमें से एक कुंभकोणम में भी है। मन्दिरों के अलावा कुंभकोणम में कई मठ-मंदिर भी हैं।

प्राचीन मंदिरों का आकर्षण है लुभाता

यहां स्थित आदि 'कुंबेश्वर मंदिर' सबसे प्राचीन शैव मंदिरों में गिना जाता है। इसके अलावा यहां का 'नागेश्वर स्वामी मंदिर' भी प्राचीन शिव मंदिरों में से एक है। यहां का 'सरंगपानी मंदिर' सबसे प्रसिद्ध वैष्णव मंदिरों में गिना जाता है। वर्तमान में इस मंदिर की 12 मंजिला ऊंची इमारत है। इनके अलावा आप यहां 'रामास्वामी मंदिर' भी देख सकते हैं, जो रामायण काल की याद दिलाता है। मंदिर की वास्तुकला और संरचना देखने लायक है।

पोलमपोल भायो

रोडवेज 'अनुबन्ध' में, जबरी जारी 'छूट'।
बसाँ घटी सरकार की, जन-धन की छै लूट !!

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका TV

1.

श्रेयस के लिए भिड़े दिल्ली-पंजाब, नहीं देखी ऐसी लड़ाई

2.

संभल हिंसा पर घमासान, चंद्रशेखर और ओवैसी भड़के

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

खेतों में अचानक दिखा बाघ, मचा हड़कंप

सवाईमाधोपर/नायपुर @ पत्रिका. रणथम्भौर के जंगलों से निकलकर एक बाघ रविवार देर रात गोठबिहारी गांव के खेतों में आ गया। बाघ करीब बीस मिनट तक खेतों में चहलकदमी करता रहा। बाघ के मूवमेंट से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है। बता दें कि गोठबिहारी गांव के आबादी क्षेत्र में आए दिन जंगली वन्यजीवों के बाहर आने का सिलसिला बना हुआ है। रणथम्भौर से सटे इलाकों में अक्सर आबादी क्षेत्र या खेतों में बाघों व तेंदुओं की चहलकदमी देखी जा सकती है। ग्रामीणों के अनुसार सोमवार को खेतों में एक बार फिर से बाघ का मूवमेंट देखा गया। उस समय एक किसान अपने खेत पर गेहूं की फसल की रखवाली कर रहा था। इस दौरान खेतों में बाघ घूमता नजर आया। बाघ को खेत में देखकर मौके पर किसान एकत्रित हो गए। इसके बाद किसानों ने शोर-शराबा कर बमुश्किल बाघ को जंगल की ओर खदेड़ा। फिलहाल वन विभाग की ओर से इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है।

नाडी के पानी में डूबने से मासूम भाई-बहन की मौत

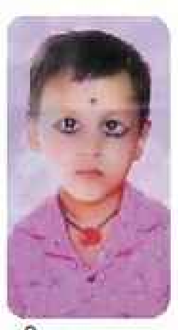

मृतक अनमोल व दीपक

टोंक @ पत्रिका. जिले के पलाई कस्बे में श्मशान के रास्ते स्थित नाडी में भरे पानी डूबने से मासूम भाई-बहन की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक पलाई निवासी अनमोल (7) व उसका छोटे भाई दीपक (4) पुत्र सीताराम गुर्जर है। सोमवार दोपहर करीब एक से 2 बजे के बीच अनमोल अपने छोटे भाई दीपक के साथ श्मशान के रास्ते खेत के पास स्थित बाड़े पर जा रही थी। इस दौरान दोनों मासूम रास्ते में नाडी के पास खेलने लगे। इस दौरान दोनों पानी गिर गए। काफी देर बाद भी दोनों बाड़े में नहीं पहुंचे तो उनकी मां उन्हें तलाशने लगी। तब उनका पिता सीताराम मजदूरी करने गया था। श्मशान के रास्ते जा रहे किसी ग्रामीण की नजर नाडी की ओर गई तो उसने बच्चों के शवों को पानी पर तैरते देखा। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण एकत्रित हो गए। थानाधिकारी सूर्यभान सिंह मौके पर पहुंचे और शवों को उनियारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। जहां पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया।

अनियंत्रित शुगर पैरों को कर रही जख्मी, काटने तक पड़ रहे अंग, दो साल में 900 मरीजों पर शोध, 180 के पैरों में हुआ घाव

चिंताजनक : शरीर को खोखला ही नहीं जाहिरा जख्म भी दे रहा मधुमेह

पत्रिका एक्सक्लूसिव

जयप्रकाश गहलोत
patrika.com

बीकानेर. मधुमेह रोगियों के लिए यह खबर चेतावनी के साथ जागरूक करने की एक कोशिश भी है। ऐसे मरीजों के लिए दिनचर्या में बदलाव, जागरूकता और उपचार को लेकर गंभीरता बहुत जरूरी है। दरअसल, अंदरूनी तौर पर अनियंत्रित मधुमेह न सिर्फ मरीजों को भीतरी तौर पर खोखला कर रहा है, बल्कि जाहिरा तौर पर भी उसके नुकसान दिखने लगे हैं। खासतौर से पैरों में लगी हल्की सी खरोंच या कट भी घातक हो सकता है।

ऐसा बीकानेर के एसपी मेडिकल कॉलेज के अधीन डायबिटिक सेंटर के चिकित्सकों की ओर से किए गए शोध में सामने आया है। चिकित्सकों ने करीब दो साल तक 900 से ज्यादा मरीजों पर यह परीक्षण किया, जिसमें से 180 लोगों के पैरों में घाव मिले। हैरानी की बात है कि बीकानेर ही नहीं, प्रदेश के साथ ही लगभग पूरे देश में मधुमेह रोगियों में पैर के अल्सर का चलन इन दिनों बढ़ा है।

मधुमेह संबंधी पैर के अल्सर-घाव की 6 स्टेज

18 से 70 वर्ष के 180 मिले डायबिटिक फुट

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के डायबिटिक एंड रिसर्च सेंटर के प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. मनोज माली, डॉ. अब्दुल हारुन, डॉ. अनुषा यादव, डॉ. मनीषा ने डायबिटिक फुट पर शोध किया। वर्ष 2021 जुलाई से जुलाई 2022 तक 900 मरीजों पर यह परीक्षण चला। शोध में 18 से 70 वर्ष तक के मरीजों को शामिल किया गया। इनमें जन्मजात मधुमेह पीड़ित, मधुमेह के सामान्य रोगी, जिन्हें दर्दनाक अल्सर भी था, ऐसे लोग शामिल थे। इन 900 मरीजों में से 180 के पैरों में घाव था। पैर के घावों का नैदानिक परीक्षण किया गया। घाव की जटिलताओं और उपचार का विश्लेषण हुआ।

यह तथ्य आए सामने: शोध में 20 से 79 वर्ष के 70 प्रतिशत पुरुषों में डायबिटिक फुट पाया गया। इसमें भी 60 प्रतिशत ग्रामीण थे। 51.11 प्रतिशत रोगी पैर या पैर की अंगुलियों में अल्सर से पीड़ित मिले। पैर के अल्सर के संक्रमण वाले 110 मरीजों में से 75 प्रतिशत में क्लेबसिएला, ई-कोलाई व प्रोटीएस बैक्टीरिया मिले, जबकि 16 प्रतिशत मरीजों में इन तीनों बैक्टीरिया के लक्षण पाए गए।

रिस्क फैक्टर

- अनियंत्रित मधुमेह
- खान-पान
- मोटापा
- गरीब तबके की अज्ञानता
- मधुमेह के प्रति जागरूकता का अभाव

क्या है डायबिटिक फुट

मधुमेह के अनियंत्रित होने पर पैरों में घाव हो जाते हैं, जो जल्दी ठीक नहीं होते। हालत बिगड़ने पर घाव वाले हिस्से को काटना तक पड़ सकता है। इसकी शुरुआत गैंगरीन या अल्सर से होती है। यह दर्दनाक होता है। लापरवाही से मरीज का घाव धीरे-धीरे रिस्क जोन में चला जाता है।

स्टडी में यह दिखा कि मधुमेह का भारत में ट्रेंड बदल रहा है। अब वह जख्म भी दे रही है। हैरानी वाली बात यह है कि गांवों के मरीज ज्यादा पीड़ित मिले। **- डॉ. सुरेन्द्र कुमार वर्मा,** विभागाध्यक्ष मेडिसिन एवं डायबिटिक केयर एंड रिसर्च सेंटर, एसपी मेडिकल कॉलेज

पत्रिका स्टिंग : थड़ियों पर चाय, बीड़ी-सिगरेट और गुटखे के साथ मिल रही नशे की पुड़िया

जोधपुर में स्कूल-कोचिंग सेंटरों के पास धड़ल्ले से मिल रही एमडी ड्रग्स-स्मैक

वाट्सऐप कॉल पर संपर्क ऑनलाइन पेमेंट और ड्रग्स की होम डिलीवरी

नस नस में घुल रहा नशा

विकास चौधरी/ जयकुमार भाटी
patrika.com

जोधपुर. भाई... ड्रग्स की एक पुड़िया चाहिए, जल्दी से मंगवाओ। कुछ दिन बाद शादी पार्टी है 40-50 ग्राम ड्रग्स की जरूरत होगी। अभी तो एक ही मंगवा दो। यह सुनते ही ड्रग्स पेडलर बोला, एक क्या मंगवाना... दो तो ले जाओ। राजस्थान पत्रिका टीम ने शहर में तीन दिन तक स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर और ट्रैवल एजेंसियों के आस-पास घूम रहे ड्रग्स पेडलर से संपर्क कर सौदा किया तो पता चला कि ड्रग्स माफिया पूरे शहर में युवाओं और छात्रों को सॉफ्ट टारगेट बना रहे हैं। नशे के सौदागर डेढ़ सौ से तीन सौ रुपए में युवाओं को नशे की पुड़िया उपलब्ध करवाकर उन्हें नशेड़ी बना रहे हैं।

ड्रग्स के सौदागर मोबाइल पर वाट्सऐप कॉल के जरिये ही संपर्क करते हैं। यह ड्रग्स पेडलर अमूमन पहले से परिचित युवकों को ही ड्रग्स सप्लाई करते हैं। अनजान व्यक्ति से आसानी से न तो बात करते हैं और न ही ड्रग्स बेचते हैं। पहले से परिचित व्यक्ति के वाट्सऐप कॉल करते ही ऑनलाइन रुपए ले लिए जाते हैं और फिर निर्धारित समय और जगह बुला लेते हैं, जहां बाइक सवार ड्रग्स पेडलर पहुंचता है और सप्लाई देकर लौट जाता है। अफसोस कि पुलिस जानकर सब अनदेखा कर रही है।

एक चाय की थड़ी पर डोडा पाउडर की थैली लेता व्यक्ति।

चाय की थड़ी की आड़ में एमडी ड्रग्स की सप्लाई करता युवक।

दुकान पर गांजे की सिगरेट में काम आने वाले रैपर को दिखाता युवक।

आसानी से मिल रही नशे की पुड़िया

झालामण्ड, कांकाणी, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड, बासनी, श्रमिक कॉलोनी, बोरानाडा, मिल्क मैन कॉलोनी, पाल रोड, पाल लिंक रोड के पास राजीव गांधी कॉलोनी, सूंथला, मसूरिया नट बस्ती, हुड़को क्वार्टर, सूरसागर, महामंदिर, पावटा, भदवासिया, मंडोर, नौ मील, करवड़ व बनाड़ के क्षेत्रों में नशे की पुडिया आसानी से मिल रही हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्गों पर चाय की दुकान व ढाबों के साथ ही आस-पास के गावों में भी मादक पदार्थों की आपूर्ति हो रही है।

चाय की थड़ी पर मिल रही एमडी ड्रग्स

सौदागरों से एमडी ड्रग्स खरीदने को लेकर पत्रिका टीम ने शास्त्री नगर स्थित एक शॉपिंग सेंटर में कोचिंग सेंटर के ठीक सामने चाय की थड़ी लगाने वाले युवक से संपर्क किया। वह तुरंत ही ड्रग्स मुहैया करवाने को राजी हो गया। एमडी ड्रग्स की एक-एक ग्राम की दो पुड़ियों के 36 सौ रुपए एडवांस लिए। फिर करीब आधा-पौन घंटे बाद थड़ी संचालक ने छोटे से बॉक्स में एक-एक ग्राम एमडी ड्रग्स की दो पुड़िया लाकर सौंप दी।

स्कूल के बाहर दिनभर ड्रग्स की सप्लाई

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में सेक्टर-11 मोड़ पर राजीव गांधी कॉलोनी के पास एक निजी स्कूल के बाहर एक तरफ स्कूल तो दूसरी तरफ चौपाटी सेंटर हैं। यहां सुबह से रातभर एमडी ड्रग्स व स्मैक की धड़ल्ले से सप्लाई होती है। राजस्थान पत्रिका रिपोर्टर शाम 4.30 बजे कॉलोनी के पास पहुंचा, जहां दो कांस्टेबल खड़े थे। इतने में पुराने निजी अस्पताल के पास गली से बगैर हेलमेट बाइक चालक आया और स्कूल के बाहर खड़ी कार में सवार दो युवकों को ड्रग्स बेचकर चला गया।

हर तरह का ड्रग्स आसानी से उपलब्ध

युवाओं को गांजा, अफीम, डोडा, एमडी सहित स्मैक जैसे नशे का जहर आसानी से मिल रहा है। शहर में सरस केबिन के नाम पर लगी चाय की थड़ियों और अन्य स्थानों पर दिनभर नशे के आदी युवाओं का जमावड़ा लगा रहता है। यहां आसानी से अफीम और डोडा पाउडर की पुड़िया उपलब्ध होने से वे यहां नशा करने आते है। इसी तरह पान मसाले की दुकानों पर गांजा पीने के लिए काम में आने वाले रैपर की बिक्री भी धड़ल्ले से होती है।

तस्करों को पकड़कर करेंगे कार्रवाई

नशे की रोकथाम के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें सक्रिय लोगों की सूची बनाई गई है। पिछले दिनों ही तीन-चार दुकानों पर दबिश देकर मादक पदार्थ पकड़ा भी गया था। पश्चिमी जिले में अलसुबह कई जगह छापे भी मारे गए थे। ड्रग्स तस्करों को पकड़ने के लिए योजना बनाकर कार्रवाई की जाएगी।

-राजेन्द्र सिंह, पुलिस कमिश्नर जोधपुर

फोटो स्टोरी

घड़ियालों-कछुओं के लिए संजीवनी का काम कर रही चंबल

धौलपुर. घड़ियाल और डॉल्फिन के लिए जीवनदायी साबित हो रहा चंबल सेंचुरी क्षेत्र अब कछुओं का भी पालना बन गया है। सर्दी के दिनों में धूप निकलने के बाद चंबल के टापुओं के ऊपर बैठे नन्हे कछुओं के झुंड और घड़ियाल चंबल नदी की शोभा बढ़ा रहे हैं। इनमें शेड्यूल-1 की श्रेणी में आने वाले बटागुर और ढोंड प्रजाति के कछुए भी शामिल हैं। इन कछुओं की बढ़ रही आबादी पारिस्थितिक संतुलन व वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद खबर है। चंबल नदी के बीच धूप में बैठे घड़ियाल और कछुओं का समूह। *-फोटो: नरेश लवानिया*

बाघ टी-86 की मौत का मामला

जांच कमेटी ने रणथम्भौर में किया चौकियों का निरीक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सवाईमाधोपुर. रणथम्भौर बाघ परियोजना की कुण्डेरा रेंज के अनियाला गांव में गत दिनों बाघ टी-86 की हत्या मामले में वन विभाग की ओर से गठित तीन सदस्यीय कमेटी ने रणथम्भौर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इस दौरान कमेटी ने चौकियों का निरीक्षण किया। साथ ही वन अधिकारियों से कुछ रिकॉर्ड और दस्तावेज मांगे हैं। वहीं खुद कमेटी ने भी कुछ दस्तावेज जुटाए हैं। ऐसे में सीसीएफ की ओर से रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के बाद ही उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट पेश की जाएगी।

लापता बाघों की भी करनी थी तलाश: वन विभाग के अनुसार कमेटी को रणथम्भौर से लापता हुए बाघों को भी तलाश करने की जिम्मेदारी दी गई थी। गौरतलब है कि अक्टूबर 2024 में जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार रणथम्भौर से 25 बाघ बाघिनों के लापता होने की बात कही गई थी।

कमेटी की ओर से लापता बाघों और बाघ टी-86 की मौत की जांच के गठित की गई कमेटी ने गत दिनों रणथम्भौर का दौरा किया था। इस दौरान करीब तीन चौकियों की जांच की गई थी और कुछ दस्तावेज व साक्ष्य जुटाए थे। इस संबंध में रणथम्भौर के सीसीएफ से कुछ दस्तावेज मांगे हैं। दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद ही रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

टी.मोहनराज, सदस्य, जांच कमेटी

नाथद्वारा विधायक को सौंपी पिता की विरासत

चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर विश्वराज सिंह का हुआ पगड़ी दस्तूर

सरकारी स्थान पर निजी आयोजन की चर्चा: चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर सरकारी स्थान पर निजी आयोजन को लेकर भी लोगों में चर्चा रही। प्रशासन का कहना है कि आयोजकों ने इस संबंध में संबंधित एजेंसियों से अनुमति ली थी।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चित्तौड़गढ़. मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के 77वें उत्तराधिकारी चयन को लेकर उठे विवादों के बीच सोमवार को चित्तौड़गढ़ दुर्ग में पूर्व राजपरिवार के सदस्य नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह का पगड़ी दस्तूर कर उनके पिता महेन्द्र सिंह मेवाड़ की विरासत सौंपी गई। दुर्ग स्थित फतहप्रकाश महल में आयोजित कार्यक्रम में मेवाड़ समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोग आए। सोमवार सुबह हवन के बाद विश्वराज ने फतह प्रकाश महल में गणेश वंदना की। फिर पगड़ी दस्तूर का कार्यक्रम हुआ। करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम के बाद विश्वराज सिंह ने बायण माता के दर्शन किए। फिर वे समर्थकों के साथ उदयपुर रवाना हो गए।

सुबह से लोगों का जुटना शुरू

कार्यक्रम के लिए सुबह से ही लोग जुटना शुरू हो गए। चित्तौड़गढ़ के साथ मेवाड़ अंचल के विभिन्न क्षेत्रों के साथ प्रदेश व मध्यप्रदेश के इलाकों से भी लोग यहां आए। कार्यक्रम को लेकर दुर्ग पर पूरे मार्ग में कई स्थानों पर ढोल-ताशे बजते रहे। वहीं, कई स्थानों पर पुष्पवर्षा की भी व्यवस्था की गई।

अवैध होटल-रेस्टोरेंट पर कसेगा शिकंजा

सिलीसेढ़ बफर जोन: जमीनों के रेट में गिरावट, टहला का यही हाल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

फॉलोअप

राजस्थान पत्रिका
प्रकाशित खबर।

अलवर. सिलीसेढ़ सरिस्का टाइगर रिजर्व का राजस्व बफर एरिया है। इसमें दो दर्जन से ज्यादा होटल-रेस्टोरेंट बने हैं, जिन पर अब शिकंजा कसने की तैयारी है। यहां अब जमीनों की खरीद कम होने लगी। इसके कारण जमीनों के रेट भी कम होने लगे। यहां 5 से 6 करोड़ रुपए प्रति बीघा के दाम लग गए थे। अब लोग यहां जमीन खरीदने से कतरा रहे हैं।

इसी तरह टहला, राजगढ़ एरिया भी सरिस्का से सटा है। क्रिटिकल टाइगर हैबीटेट (सीटीएच) से एक किमी के दायरे में करीब 35 होटल व रेस्टोरेंट बन गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीटीएच से एक किमी में चल रही 92 खानें बंद हो चुकी हैं। अब बारी अन्य प्रतिष्ठानों पर की जा रही है। यहां सिवायचक, नदी, नाला, पहाड़ की जमीन पर बने प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई होगी। राजस्थान पत्रिका ने मुद्दा उठाया तो यहां इंवेस्ट कर रहे लोग जाग रहे। जमीनों की खरीद कम हो गई। जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े कुछ लोगों का कहना है इस क्षेत्र में भी जमीनों के रेट काफी कम हुए हैं। कुछ लोगों ने प्रतिष्ठान बेचे भी हैं, लेकिन रकम नहीं मिली। कुछ ने होटल बनाने के लिए जमीन ली थी, लेकिन वह कार्रवाई के डर से शुरू नहीं कर रहे हैं। अजबगढ़ एरिया भी बफर में है। इस एरिया में भी जमीनों के रेट कम हुए हैं।

खुशखबर राजधानी जयपुर के बाद उदयपुर में प्रदेश की दूसरी लॉयन सफारी की जल्द होगी शुरुआत

सज्जनगढ़ अभयारण्य में आबाद होगी सम्राट-सुनयना की सल्तनत

पत्रिका एक्सक्लूसिव

रुद्रेश शर्मा
patrika.com

उदयपुर. जूनागढ़ के सक्करबाग जूलॉजिकल पार्क से उदयपुर लाए गए एशियाटिक लॉयन 'सम्राट' और 'सुनयना' की नई सल्तनत उदयपुर के सज्जनगढ़ अभयारण्य में जल्द आबाद होगी। राजधानी जयपुर के बाद उदयपुर में प्रदेश की दूसरी लॉयन सफारी की शुरुआत जल्द होने जा रही है। जो लेकसिटी में पर्यटकों के लिए नया रोमांच होगा। सज्जनगढ़ अभयारण्य के 20 हेक्टेयर जंगल में लॉयन सफारी का कार्य पूरा हो चुका है। जंतुआलय विकास ट्रस्ट की ओर से 345 लाख की लागत से इसका निर्माण कराया गया है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण(सीजेडए) की मंजूरी के बाद गुजरात के जूनागढ़ से यहां लाए गए एशियाटिक लॉयन के जोड़े 'सम्राट' और 'सुनयना' को इसमें छोड़ा जाएगा। भविष्य में कुनबा बढ़ने के साथ ही लॉयन सफारी में इनकी संख्या बढ़ती जाएगी। इसे देखते हुए सफारी के होल्डिंग एरिया में 10 कैज बनाए गए हैं। वहीं पर्यटक वाहनों के आवागमन के लिए करीब पांच किलोमीटर का पाथ-वे तैयार किया गया है।

उदयपुर के सज्जनगढ़ अभयारण्य में बनाई गई लॉयन सफारी।

पिलिकुला से लाया जाएगा किंग कोबरा

लॉयन सफारी के साथ ही सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में बनाए गए रेप्टाइल हाउस का भी उद्घाटन होगा। जहां पर्यटक सरिसृप प्राणियों को देख व जान पाएंगे। इसमें देशी एवं विदेशी प्रजातियों के दुर्लभ प्राणियों को रखा जाएगा। किंग कोबरा रेप्टाइल हाउस का मुख्य आकर्षण होगा। कर्नाटक के पिलिकुला बायोलॉजिकल पार्क से किंग कोबरा लाया जाएगा। जिसके लिए राष्ट्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी का इंतजार है।

160 रुपए प्रति व्यक्ति होगा प्रवेश शुल्क

लॉयन सफारी में प्रवेश शुल्क जैविक उद्यान व सज्जनगढ़ पैलेस से अलग होगा। शुरुआत में पर्यटकों को घुमाने की व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित की जाएगी। इसके तहत 160 रुपए प्रति व्यक्ति टिकट शुल्क के प्रस्ताव भेजे गए हैं। विभाग की अनुमति के अनुसार छह, सात व आठ पर्यटकों की क्षमता वाली जिप्सी का संचालन किया जाएगा।

खास होगा व्यू पाइंट 'क्लाउड 9'

लॉयन सफारी में एक ऊंचाई वाले हिस्सा व्यू पाइंट के रूप में 'क्लाउड 9' विकसित किया गया है। जहां से पर्यटक शहर का खूबसूरत नजारा देख सकेंगे। वहीं पांच हेक्टेयर में चरागाह विकसित किया गया है। पूरे परिसर में बड़े पौधे लगाए गए हैं।

लॉयन सफारी का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जल्द ही इसका उद्घाटन करवाया जाएगा। इसके बाद उदयपुर में आने वाले पर्यटक लॉयन को खुले में घूमते हुए देख पाएंगे। गुजरात से लाए गए लॉयन के जोड़े को इसमें छोड़ा जाएगा। **-देवेंद्र कुमार तिवारी,** उपवन संरक्षक (वन्यजीव)

आइपीएल 2025 मेगा नीलामी: फ्रेंचाइजी में पेसरों को खरीदने की मची होड़, भारतीय टीम से बाहर चल रहे मीडियम पेसर को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने खरीदा

दूसरे दिन तेज गेंदबाजों पर लगा दांव, भुवनेश्वर सर्वाधिक 10.75 करोड़ रुपए में बिके

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जेद्दाह. आइपीएल-2025 की मेगा नीलामी के दूसरे दिन फ्रेंचाइजी टीमों ने तेज गेंदबाजों पर जमकर दांव लगाया। 34 वर्षीय भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं लेकिन इसके बावजूद वह आज भी टी-20 में डैथ ओवरों के सबसे बेहतरीन गेंदबाज माने जाते हैं। इसी कारण उनके ऊपर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने 10.75 करोड़ रुपए का दांव लगाया। वह दूसरे दिन 10 करोड़ रुपए से ज्यादा बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी बने। भुवनेश्वर 2018 से सनराइजर्स हैदराबाद टीम के साथ जुड़े थे और आरसीबी आइपीएल में उनकी दूसरी टीम होगी।

176 आइपीएल मैच भुवी ने कुल खेले और *181 विकेट चटकाए*

20 लाख रुपए से करोड़पति बने आकाशदीप और तुषार देशपांडे

आकाशदीप
टीम : लखनऊ सुपरजायंट्स
राशि: ₹08 करोड़
पिछली टीम: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु
राशि: ₹20 लाख

तुषार देशपांडे
टीम : राजस्थान रॉयल्स
राशि: ₹6.5 करोड़
पिछली टीम: चेन्नई सुपरकिंग्स
राशि: ₹20 लाख

दीपक चाहर की घटी कीमत

पिछले सीजन तक चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलने वाले मीडियम पेसर दीपक चाहर की कीमत घट गई। उन्हें मुंबई इंडियंस टीम ने खरीदा।

टीम : मुंबई इंडियंस
राशि: ₹9.25 करोड़
पिछली टीम: चेन्नई सुपरकिंग्स
राशि: ₹14 करोड़

मुकेश कुमार-मार्को जेंसन की कीमत में हुआ इजाफा

मुकेश कुमार
टीम : दिल्ली कैपिटल्स
राशि: ₹08 करोड़
पिछली टीम: दिल्ली कैपिटल्स
राशि: ₹5.50 करोड़

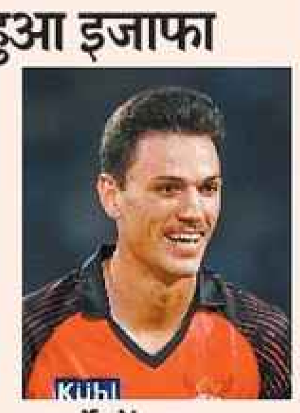

मार्को जेंसन
टीम : पंजाब किंग्स
राशि: ₹07 करोड़
पिछली टीम: सनराइजर्स हैदराबाद
राशि: ₹4.20 करोड़

574 खिलाड़ी थे सूची में | **182** खिलाड़ी बिके | **62** विदेशी खिलाड़ी | **₹639.15** करोड़ कुल खर्च

किस टीम में कितने देसी और विदेशी खिलाड़ी

टीम	खिलाड़ी	देसी	विदेशी	खरीदे	रिटेन
चेन्नई	25	18	07	20	05
पंजाब	25	17	08	23	02
गुजरात	24	17	07	20	05
लखनऊ	24	18	06	19	05
दिल्ली	23	16	07	19	04
कोलकाता	21	13	08	15	06
मुंबई	20	13	07	18	05
राजस्थान	18	12	06	14	06
बेंगलूरु	19	12	07	19	03
हैदराबाद	20	13	07	15	05

कम कीमत...

सचिन के बेटे अर्जुन मुंबई में शामिल

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आखिरी मौके पर मुंबई इंडियंस ने बेस प्राइस ₹30 लाख में खरीदा। वह पहले भी इसी टीम में थे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से करारी शिकस्त दी

पर्थ में पहली जीत, कंगारुओं का तोड़ा गुरूर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पर्थ. न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज में मिली हार, कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति, शुभमन गिल का चोटिल होना और पर्थ में ऑस्ट्रेलिया का अजेय रेकॉर्ड, ये कुछ ऐसी चीजें थीं, जिसके कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में उतरने से पहले भारतीय टीम पर काफी दबाव था। लेकिन कप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में टीम इंडिया ने नए जोश और जुनून के साथ मेजबान ऑस्ट्रेलिया को उसके ही घर में रेकॉर्ड 295 रन से शिकस्त दे दी।

यह ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर भारतीय टीम की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, टीम इंडिया ने 1977 में ऑस्ट्रेलिया को मेलबर्न टेस्ट में 222 रन से हराया था। इस जीत से आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारतीय टीम फिर शीर्ष पर पहुंच गई है।

हिसाब चुकता किया

भारतीय टीम ने इस जीत के साथ ही पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में कंगारू टीम के कभी नहीं हारने के गुरूर को भी तोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर पांच मैचों में यह पहली हार है। इसके साथ ही टीम इंडिया ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के हाथों 2018 में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

गेंदबाजों का कहर

सोमवार को मैच के चौथे दिन 534 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में 238 रन ही बना सकी। भारत की ओर से दूसरी पारी में कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (42 पर 3) के अलावा मोहम्मद सिराज ने 51 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

भारतीय टीम के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन जीत का जश्न मनाते हुए। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने इस मैच में कुल 8 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

दमदार प्रदर्शन

02 टेस्ट भारत ने पर्थ में कुल खेले — 01 जीता, 01 हारा

05 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले — 04 जीते, 01 हारा

10 टेस्ट भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुल जीते 53 में से

एशिया से बाहर भारत की दूसरी बड़ी जीत

रन	318	295	279
विपक्षी	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
वर्ष	2019	2024	1986
स्थान	एंटीगुआ	पर्थ	लीड्स

ऑस्ट्रेलिया में 47 साल बाद सबसे बड़ी जीत

जीत का अंतर	साल	स्थान
295 रन	2024	पर्थ
222 रन	1977	मेलबर्न
137 रन	2018	मेलबर्न

ये भी जानें...

- पहली पारी में 150 या उससे कम रन पर आउट होने के बाद भारत ने तीसरी टेस्ट जीत हासिल की। 2004 में ऑस्ट्रेलिया को और इंग्लैंड को 2021 में हराया था।
- 1970 के बाद से पहला टेस्ट हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया घर में कभी सीरीज नहीं जीता। ऑस्ट्रेलिया ने 9 सीरीज खेलीं और आठ में उसे हार मिली है।

प्लेयर ऑफ द मैच
जसप्रीत बुमराह

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाले पहले कप्तान बने

कप्तान जसप्रीत बुमराह पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाले पहले कप्तान बने। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया का अजेय रेकॉर्ड रहा था। इसके अलावा, बुमराह ने अपनी कप्तानी में पहली जीत दर्ज की। इससे पहले, 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने कप्तानी की थी और वह मैच हारा था।

कुल आठ विकेट झटके: प्लेयर ऑफ द मैच बुमराह ने पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। उन्होंने मैच में कुल आठ विकेट झटके।

कप्तानों के बोल...

मैंने कहा था बस खुद पर भरोसा रखो

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने हमें दबाव में ला दिया था, लेकिन 150 रन पर आउट होने के बाद मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि अपनी क्षमता पर भरोसा रखो। यशस्वी जायसवाल की यह अभी तक की सबसे बेहतरीन पारी थी। हमें प्रशंसकों का काफी समर्थन मिला। जब समर्थन मिलता है तो हमारा हौंसला बढ़ता है। **-जसप्रीत बुमराह,** कप्तान, भारत

हार से उबरकर हम जोरदार वापसी करेंगे

यह हार काफी निराशाजनक रही। हालांकि भारत के खिलाफ हमारी तैयारी अच्छी थी लेकिन हम कई जगह पर पिछड़ गए, जिसका हमें खामियाजा भुगतना पड़ा। हम कुछ दिन आराम करेंगे और एडिलेड टेस्ट के लिए तैयारी करेंगे। हमारी टीम में अनुभव की कमी नहीं है और हम इस हार से उबरकर सीरीज में जोरदार वापसी करेंगे। **- पैट कमिंस,** कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	150/10
ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	104/10
भारत दूसरी पारी	487/6 रन पर घोषित
ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी	238/10

बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
मैक्स्वीनी एलबीडब्ल्यू बो बुमराह	00	04	00	00
ख्वाजा को पंत बो सिराज	04	13	00	00
कमिंस को कोहली बो सिराज	02	08	00	00
लाबुशेन एलबीडब्ल्यू बो बुमराह	03	05	00	00
स्मिथ को पंत बो सिराज	17	60	00	00
हेड को पंत बो बुमराह	89	101	08	00
मिचेल मार्श बो नीतीश रेड्डी	47	67	03	02
एलेक्स कैरी बो हर्षित राणा	36	58	02	00
मिचेल स्टार्क को जुरेल बो सुंदर	12	35	00	00
लियोन बो वाशिंगटन सुंदर	00	02	00	00
हेजलवुड नाबाद	04	10	01	00

अतिरिक्त: 24. विकेट पतन: 1-0, 2-9, 3-12, 4-17, 5-79, 6-161, 7-182, 8-227, 9-227, 10-238.
गेंदबाजी: जसप्रीत बुमराह 12-1-42-3, सिराज 14-2-51-3, हर्षित राणा 13.4-1-69-1, वाशिंगटन सुंदर 15-0-48-2, नीतीश कुमार रेड्डी 4-0-21-1.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: मिजोरम को हराया

भारत शर्मा और हुड्डा ने जड़े अर्धशतक, राजस्थान जीता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

राजकोट/इंदौर. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट के सोमवार को खेले गए मैच में राजस्थान ने मिजोरम को 62 रन से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में कर्नाटक ने त्रिपुरा को पांच विकेट से शिकस्त दी।

राजकोट में खेले गए मैच में मिजोरम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने भारत शर्मा (74) और दीपक हुड्डा (65) की शानदार पारियों से 20 ओवर में छह विकेट पर 217 रन बनाए। जवाब में मिजोरम की टीम राजस्थान की सधी हुई गेंदबाजी के आगे निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन ही बना सकी और 62 रन से मुकाबला हार गई। मिजोरम की ओर से अग्नि चोपड़ा ने (47), मोहित जांगड़ा ने (नाबाद 41), जेहू एंडरसन (37) रन की पारी खेली। राजस्थान की ओर से कमलेश नागरकोटी ने दो विकेट लिये। राहुल चाहर और दीपक हुड्डा ने एक-एक विकेट लिया।

इस बीच कर्नाटक ने त्रिपुरा को 5 विकेट पर 185 रन के स्कोर पर रोकने के बाद 19.3 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

आज का पोल

क्या दूसरे टेस्ट मैच में भी राहुल और जायसवाल को ओपनिंग करनी चाहिए?

YES | NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 89% | नहीं 11%

पिछला सवाल: क्या भारतीय टीम पर्थ में ऑस्ट्रेलिया को चौथे ही दिन हरा पाएगी?

विश्व एथलेटिक्स:

अध्यक्ष सबेस्टियन को खेलमंत्री से मिले

नई दिल्ली @ पत्रिका. विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ 'अनौपचारिक' बैठक के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं। चार ओलंपिक पदक जीतने वाले 68 वर्षीय मध्यम दूरी के पूर्व धावक की सोमवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के प्रमुख आदिले सुमरिवाला ने अगवानी की।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7176...

बाएं से दाएं... 1. चिन्ह, लक्षण (3), 3. मुद्गर (2), 5. अनल, पावक (2), 7. गीत, वर्णन (2), 8. प्रभावी, असरकारक (4), 10. नियंत्रण, परहेज, आत्मनिग्रह (3), 11. संसार, दुनिया (3), 12. जैन धर्म ग्रन्थों को कहते हैं (3), 13. कोल्हू (2), 14. बचाव, लाभ, फायदा (3), 15. गौ, धेनु (2), 16. इच्छा, लालसा, अभिलाषा (2), 17. ताकत, प्राण, सांस (2), 18. पानी, नीर (3), 19. अल्पता, न्यूनता (2), 20. धिक्कार, फटकार, भर्त्सना (3), 22. पंख, डैना (2), 23. हनुमान, बजरंगबली (3-2), 27. चिंतन, सोचना (3), 28. सवेरा, प्रातः (2)

ऊपर से नीचे... 1. दृष्टि, नजर (3), 2. गौरव की बात, टाट-बाट, गर्व (2), 3. उष्ण, ताता (3), 4. धब्बा, कलंक (2), 6. मुगालता, मतिभ्रम (3-3), 8. स्थिर, दृढ़, अटल (3), 9. रात्रि, निशा (3), 10. सोहबत, साथ (3), 12. ओक में लेकर जल पीना (4), 13. चोटिल, जख्मी (3), 14. परिवर्तन (4), 15. कदाचित, शायद (4), 16. नौकर, किंकर (3), 21. गर्मी, आंच (3), 22. चिट्ठी, खत (2), 24. जंगल, कानन (2), 25. नगर (2), 26. काल, समय, क्रम (2)

हल 7175

बैडमिंटन : सैयद मोदी

टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे सिंधु और लक्ष्य

लखनऊ @ पत्रिका. पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू होने वाले सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जब भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे तो उनकी नजरें खिताबी सूखे को खत्म करने पर टिकी होंगी। पेरिस ओलंपिक के बाद वापसी करते हुए अपने पिछले टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी अपने वर्ग में खिताब की प्रबल दावेदार होगी। गौरतलब है कि सिंधु ने अपना पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन के रूप में जीता था।

विश्व चैंपियनशिप शतरंज: 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को गलती महंगी पड़ी

लिरेन ने गुकेश को पहली बाजी में हराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिंगापुर. भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को एक गलत चाल भारी पड़ी, जिससे चीन के मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में सोमवार को उन्हें हरा दिया। गुकेश ने शुरुआत में ही राजा के आगे वाले प्यादे को दो घर चलाकर गलती कर दी। यह आक्रामक चाल मानी जाती है। लिरेन ने इसका जवाब 'फ्रेंच डिफेंस' से दिया। गुकेश ने वो रणनीति अपनाई जो विश्वनाथन आनंद ने 2001 में स्पेन के एलेक्सी शिरोव के खिलाफ पहला विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के समय अपनाई थी।

मौजूदा चैंपियन चीन के डिंग लिरेन से मैच हारने के बाद हाथ मिलाते गुकेश।

42 चालों में दर्ज की जीत... गुकेश को 12वीं चाल तक आधे घंटे का फायदा था लेकिन आठ चाल बाद लिरेन को अतिरिक्त मिनट मिले जिससे साबित हो गया कि शुरुआत की अपनी दिक्कत से वह उबर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करके 42 चालों में जीत दर्ज कर ली।

डेविस कप : फाइनल में नीदरलैंड्स को 2-0 से हराया

इटली ने बरकरार रखा खिताब

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मलागा. विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए साल का अंत अपनी राष्ट्रीय टीम इटली को लगातार दूसरा बार डेविस कप खिताब दिलाकर किया। इटली ने यहां डेविस कप फाइनल में नीदरलैंड्स को 2-0 से हरा और अपना खिताब बरकरार रखा।

सिनर की 73वीं जीत: सिनर ने टेलोन ग्रीक्सपूर को 7-6, 6-2 से हराया। यह इस साल सिनर की 73वीं जीत है। इससे पहले मातेओ बेरेटिनी ने बोटिक वेन डि जेंडस्कल्प को 6-4, 6-2 से मात दी थी।

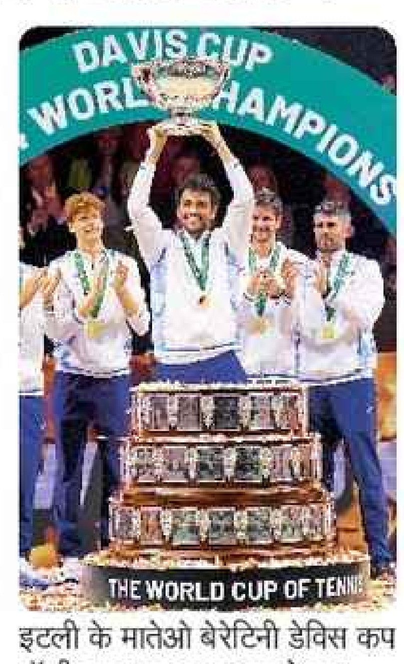

इटली के मातेओ बेरेटिनी डेविस कप ट्रॉफी उठा कर जश्न मनाते हुए।

शर्मनाक // अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर का अनचाहा रेकॉर्ड बनाया अफ्रीकन रीजन की टीम ने

महज 7 रन पर ढेर हुई आइवरी कोस्ट टीम, नाइजीरिया ने 264 रन से हराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लागोस (नाइजीरिया). क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, यहां नित नए रेकॉर्ड बनते और टूटते ही रहते हैं। ऐसे ही एक अनचाहा रेकॉर्ड बना आइवरी कोस्ट और नाइजीरिया के बीच खेले गए आइसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप सब रीजनल क्वालीफायर टूर्नामेंट में। यहां नाइजीरिया के 272 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, आइवरी कोस्ट की टीम महज 7 रन पर ऑलआउट हो गई जो कि टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम स्कोर है। आइवरी कोस्ट नाइजीरिया के अतिरिक्त 23 रन से भी 16 रन पीछे रह गई। नाइजीरिया ने यह मुकाबला 264 रन से अपने नाम कर लिया।

नाइजीरिया के सेलिम सलाउ का शतक

नाइजीरिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सेलिम सलाउ (112), सुलेमान रनसेवे (50) और इसाक ओक्पे (नाबाद 65) की पारियों से नाइजीरिया ने 4 विकेट पर 271 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में आइवरी कोस्ट की टीम 7.3 ओवर में महज 7 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बाएं हाथ के स्पिनर इसहाक दानलाडी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रॉस्पर उसेनी ने क्रमश: तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पीटर अहो ने दो और सिल्वेस्टर ओक्पे ने एक विकेट लिया।

मैच से पहले आइवरी कोस्ट (बाएं) और नाइजीरिया के कप्तान।

7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके: आइवरी कोस्ट की ओर से 11 में से 7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। टीम की ओर से सर्वाधिक 4 रन ओपनर औटारा मोहम्मद ने बनाए। इस तरह नाइजीरिया ने टी-20 इतिहास में रनों के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सेरा लियोन के खिलाफ हुए पहले मैच में भी आइवरी कोस्ट की टीम 21 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

टी-20 इंटरनेशनल में 5 निम्नतम स्कोर

टीम	विरुद्ध	रन	ओवर	साल	स्थान
आइवरी कोस्ट	नाइजीरिया	07	7.3	2024	लागोस
मंगोलिया	सिंगापुर	10	10.0	2024	बांगी
आइल ऑफ मेन	स्पेन	10	8.4	2023	कार्टागेना
मंगोलिया	जापान	12	8.2	2024	सानो
मंगोलिया	हांगकांग	17	14.2	2024	कुआलालंपुर

टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी जीत (रनों से)

पहली बार बना 10 से कम रन का स्कोर

जिम्बाब्वे	नेपाल	नाइजीरिया
290	273	264
रन से गाम्बिया को हराया (अक्टूबर, 2024)	रन से मंगोलिया को हराया (सितंबर, 2023)	रन से आइवरी कोस्ट को हराया (नवंबर, 2024)

SUDOKU 6911...

4						5		
	1	5		9				7
	6				2			
			7				8	
	8			2				
				5	3	4		1
		4		6	9		2	
							5	
		8		3				

हल 6910

2	4	7	8	9	5	3	6	1
5	6	3	7	1	4	8	2	9
1	9	8	2	3	6	7	4	5
8	1	9	4	7	2	5	3	6
7	5	6	9	8	3	4	1	2
3	2	4	5	6	1	9	7	8
9	3	1	6	4	8	2	5	7
4	7	5	1	2	9	6	8	3
6	8	2	3	5	7	1	9	4

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

पत्रिका पोल

Q क्या उद्धव ठाकरे और शरद पवार अब राजनीतिक मैदान में अपनी ताकत खो चुके हैं?

कल का सवाल था

आइपीएल के लिए श्रेयस को खरीदने वाली पंजाब किंग्स क्या आगामी आइपीएल टूर्नामेंट जीत पाएगी?

जवाब

29% हां 71% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

यूपी बस और कार की टक्कर में पांच मरे

हरदोई @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में हरदोई में सोमवार तड़के बस की चपेट में आने से कार सवार चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मृत्यु हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा तड़के साढ़े तीन बजे कटरा बिल्हौर हाइवे पर मल्लावा कोतवाली इलाके में गौरी चौराहे के पास हुआ। विवाह समारोह से लौट रहे लोगों की कार विपरीत दिशा से आ रही एक बस से टकरा गई।

आंध्रप्रदेश जांच करने डेयरी पहुंची एसआइटी

तिरुपति. विशेष जांच दल (एसआइटी) ने तिरुमला के श्री वेंकटेश्वर स्वामी के लड्डू प्रसादम बनाने में इस्तेमाल किए गए घी में कथित मिलावट की जांच तेज कर दी है। सीबीआइ की निगरानी में तीन टीमें गठित की गईं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत निरीक्षण किया। टीमों ने दिंडीगुल स्थित एआर डेयरी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड और एसएमएस लैब का निरीक्षण किया।

पंजाब घर में आग से 4 बच्चों सहित 7 झुलसे

फगवाड़ा @ पत्रिका. पंजाब के फगवाड़ा में चचोकी कॉलोनी के एक घर में रविवार को आग लगने की दुर्घटना में चार बच्चों समेत सात लोग झुलस गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आग किराए के कमरे में खाना बनाते समय जलता स्टोव सिलेंडर पर गिर जाने से लगी। आग से अमित, उनकी पत्नी अनुष्का और एक दो माह की बच्ची के साथ पड़ोसी बाबू की तीन नाबालिग बेटियां भी चपेट में आ गईं।

छत्तीसगढ़ नक्सलियों का 29 को 'सुकमा-बंद'

सुकमा @ पत्रिका. नक्सलियों ने 29 नवंबर को छत्तीसगढ़ में सुकमा बंद का आह्वान किया है। सुकमा मुठभेड़ में छह निहत्थे नक्सलियों की हत्या का सुरक्षा बलों पर आरोप लगाते हुए नक्सलियों की दक्षिण बस्तर डिविजनल कमेटी की सचिव गंगा ने पर्चा जारी कर इस बंद का आह्वान करते हुए कहा है कि इस दौरान सुकमा को बंद करवाया जाएगा।

मणिपुर अफस्पा हटाने की मांग के साथ प्रदर्शन

इंफाल ईस्ट. मीरा पैबिस संगठन की महिलाओं ने मणिपुर के जिरीबाम में हाल में हुई हत्याओं के लिए न्याय और अफस्पा हटाने की मांग करते हुए सोमवार को एक सामूहिक विरोध रैली निकाली।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

मेक्सिको बार में गोलीबारी, छह लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी @ पत्रिका. दक्षिण-पूर्वी मेक्सिको राज्य तबास्को के विलेहरमोसा शहर में एक बार में हुए सशस्त्र हमले में छह लोग मारे गए और 10 घायल हो गए। बताया गया है कि हथियारों से लैस लोग किसी खास व्यक्ति की तलाश में बार में घुसे और आस-पास के लोगों को गोली मार दी। मामले की जांच जारी है। यह गोलीबारी क्वेरेटारो शहर में इसी तरह के हमले के दो सप्ताह बाद हुई, तब हमले में 10 लोग मारे गए थे।

हेती गिरोहों में नाबालिगों की संख्या 70% बढ़ी

पोर्ट-ओ-प्रिंस @ पत्रिका. हैती में संघर्षरत गिरोह बच्चों की बड़ी तादाद में भर्ती कर रहे हैं और पिछले वर्ष नाबालिगों की भर्ती में 70 फीसदी की भारी वृद्धि देखी गयी। यूनिसेफ की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। सभी गिरोह में 30 से 50 फीसदी सदस्य बच्चे हैं। हैती में यूनिसेफ की प्रतिनिधि गीता नारायण ने कहा गिरोहों में बच्चों की संख्या में वृद्धि गरीबी और राजनीतिक अस्थिरता से हुई है।

लिथुआनिया कार्गो विमान क्रेश, पायलट मरा

विलनियस @ पत्रिका. जर्मनी से लिथुआनिया जा रहा एक डीएचएल कार्गो विमान सोमवार तड़के राजधानी विनियस के हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। विमान को विलनियम हवाई अड्डे पर उतरना था जबकि इससे कुछ किलोमीटर दूर यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में आग लगने से चार सदस्यीय चालक दल में से एक की मौके पर ही मौत हो गई। शेष को बचा लिया गया।

पाकिस्तान: एक कांस्टेबल की मौत, हजारों अरेस्ट

इस्लामाबाद में आमने-सामने इमरान समर्थक व सुरक्षा बल

पाकिस्तान के अटक में इमरान समर्थक व सुरक्षा बलों में झड़प का दृश्य।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इस्लामाबाद. जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आह्वान पर उनके सर्मथकों का काफिला तमाम बधाएं हटाते हुए इस्लामाबाद में प्रवेश कर गया है। इस दौरान सीमा पर मौजूद सुरक्षा बलों से उनके टकराव के दौरान हिंसा में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। वहीं 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। 5000 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ते हुए हर कीमत पर डी-चौक पहुंचने को उतारु हैं। दूसरी ओर शहबाज शरीफ सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस्लामाबाद पहुंचने वाले हर व्यक्ति को गिरफ्तार कर लें। वहीं, इमरान की पत्नी बुशरा बीबी ने कहा है कि वे इमरान को साथ लिए बिना वापस नहीं जाएंगी। रैली के कारण इमरान खान, बुशरा बीवी और अन्य पर आतंकवाद मामले में एफआइआर दर्ज की गई हैं।

इमरान की हैं 3 मांगें

इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और समर्थक 3 मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पहली मांग है कि इमरान खान और जेल में बंद कार्यकर्ताओं की जल्द रिहाई की जाए। इसके अलावा 2024 में हुए चुनाव के वास्तविक नतीजों को सम्मान किया जाए और पाकिस्तानी संसद में पास अदालतों की ताकत कम करने वाले 26वें संविधान संशोधन एक्ट को वापस लिया जाए।

बदला मौसम: पहाड़ों पर गिरी बर्फ तो खिले पर्यटकों के चेहरे, धुंध में गुम हुई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के डोडा में भारी बर्फबारी के बाद सोमवार को बर्फ से ढके भद्रवाह इलाके में मौज-मस्ती करते हुए पर्यटक। पहाड़ों के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश से पर्यटन से जुड़े लोगों और किसानों के चेहरे खिल गए। उधर, नई दिल्ली में सोमवार को अक्षरधाम के पास घने कोहरे के बीच से गुजरती हुई मेट्रो। राजधानी के कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई रही, कई जगह वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा।

यूएन की रिपोर्ट: हर 10 मिनट में रिश्तेदार ही ले रहे महिला की जान

दुनियाभर में महिलाओं के लिए घर सबसे असुरक्षित, रोज 140 हत्याएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. सबसे सुरक्षित स्थान घर ही महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक जगह बनता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में पिछले साल 51,100 महिलाओं-लड़कियों की हत्या उनके जीवनसाथी या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा की गई। जबकि 2022 में मौतों का यह आंकड़ा 48,800 ही था। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन दिवस के मौके पर जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 'फेमिसाइड इन 2023' से यह साफ है कि पीड़ित महिलाओं की संख्याओं में इस वृद्धि को वास्तविक वृद्धि नहीं माना जा सकता, क्योंकि ऐसे देशों की संख्या लगातार घट रही है जो कि महिलाओं से हिंसा का डाटा उपलब्ध कराते हैं। इसलिए यह आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं।

लेकिन 2023 के आंकड़ों को ही गौर से देखें तो साफ है कि पुरुषों के हाथों जिन 85,000 महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई उनमें से 60 प्रतिशत की हत्या उनके पार्टनर या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा की गई थी। इसका आशय यह हुआ कि दुनिया भर में औसतन 140 महिलाएं-लड़कियां हर दिन और हर 10 मिनट में एक महिला अपने जीवनसाथी या किसी अन्य करीबी रिश्तेदार के हाथों अपनी जान गंवा रही हैं।

अफ्रीका-अमरीका में महिलाओं की हत्या दर सबसे अधिक (वर्ष 2023)

प्रतिलाख पर महिला पीड़ितों की संख्या

क्षेत्र	प्रतिलाख पर महिला पीड़ितों की संख्या
अफ्रीका	2.9
अमरीका	1.6
ओशेनिया	1.5
एशिया	0.8
यूरोप	0.6

स्रोत- यूएन रिपोर्ट

सिर्फ 37 देशों ने जुटाए पिछले साल आंकड़े

जीवनसाथी और परिवार के सदस्यों के द्वारा महिला की हत्या के आंकड़े जुटाना भी एक बड़ी चुनौती है। 2023 में सिर्फ 37 देशों ने संबंधित आंकड़े जुटाए, जबकि 2020 में इस प्रकार के आंकड़े जुटाने वाले देशों की संख्या सिर्फ 75 थी। इस तरह 'फेमिसाइड' की हत्या के आंकड़ों का संग्रहण लगातार कम हुआ है।

अफ्रीका में सबसे अधिक 21700 हत्याएं

करीबी के हाथों की गई हत्याओं के सबसे अधिक मामले अफ्रीका में थे, जहां यह संख्या 2023 में 21700 रही। आबादी के सापेक्ष पीड़ितों की संख्या में भी अफीक्रा सबसे आगे रहा। वहीं यूरोप और अमरीका में, क्रमश: 64 से 58 फीसदी महिलाओं की हत्या पार्टनर द्वारा की गई। फ्रांस में तो यह आंकड़ा 79 फीसदी रहा। जबकि अफ्रीका और एशिया में महिलाओं की हत्या में मुख्य रूप से परिवार के सदस्यों की भूमिका रही। यह अंतर इन इलाकों की सांस्कृतिक और सामजिक संरचना के कारण है।

एशिया में 18500 महिलाओं की मौत

पुरुष रिश्तेदारों के हाथों घर की चारदीवारी में ही जान गंवाने वाली महिलाओं की संख्या पिछले साल एशिया में 18500 रही, जबकि अमरीका में यह संख्या 8500, यूरोप में 2300 और ओशेनिया में यह संख्या 300 रही।

शादी का पुरुषों की उम्र पर सकारात्मक असर, महिलाएं बेअसर

जिनेवा. इंटरनेशनल सोशल वर्क मैग्जीन की एक अन्य स्टडी में कहा गया है कि शादी के बाद पुरुषों की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, अगर वे शादी-शुदा बने रहते हैं। पर तलाक या सेपरेशन का उनकी उम्र पर नकारात्मक असर होता है। वहीं, विवाहित महिलाओं और अविवाहित महिलाओं के बारे में ऐसा नहीं है। अविवाहित महिलाओं और विवाहिताओं में उम्र बढ़ने का खास अंतर नहीं देखा गया। लेकिन महिला के तलाक या सेपरेशन का उम्र पर नकारात्मक असर होता है, उन महिलाओं की तुलना में जिन्होंने कभी शादी नहीं की।

असंतोष: पांच माह में ही सरकार पर घटा भरोसा

ब्रिटेन में चुनाव करवाने की मांग, याचिका पर 17 लाख ने किए हस्ताक्षर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. जर्मनी में सरकार गिरने के बाद अब ब्रिटेन में भी आम चुनाव की मांग हो रही है। व्यवसायी माइकल वेस्टवुड की ओर से 31 अक्टूबर को पेश संसदीय ऑनलाइन याचिका पर 17 लाख से अधिक हस्ताक्षर हो चुके हैं। याचिका में लिखा गया है कि लेबर सरकार चुनाव से पहले किए गए वादों से मुकर गई है और नए आम चुनाव होने चाहिए। 4 जुलाई को आम चुनाव जीतने के पांच महीने से भी कम समय में, लेबर सरकार अपने काम और नीतियों के लिए बड़े पैमाने पर आलोचना का सामना कर रही है। इसमें विंटर फ्यूल पेमेंट को खत्म करना और किसानों के लिए नए कर शामिल हैं। उधर, टेस्ला के मालिक और अमरीका के नव-निवार्चित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सहयोगी एलन मस्क ने याचिका को लेकर 'वाह' की प्रतिक्रिया दी है। पिछले सप्ताह मस्क ने पीएम कीर स्टार्मर की खराब अप्रूवल रेटिंग पर आगामी आम चुनाव में लेबर की निर्णायक हार की भविष्यवाणी की थी।

लगातार गिर रही सरकार की प्रतिष्ठा

इप्सोस पोल के अनुसार लेबर सरकार के साथ ही पीएम सर कीर स्टार्मर की लोकप्रियता में भी गिरावट आई है। लगभग आधे (49 फीसदी) लोग लेबर पार्टी को नकारात्मक नजरिए से देखते हैं, जो कंजर्वेटिव पार्टी से तीन अंक पीछे है। हर पांच में से दो ब्रिटिश नागरिकों का मानना है कि लेबर के सत्ता में आने के बाद से उनकी स्थिति और खराब हुई है। 56 फीसदी का मानना है कि ब्रिटेन गलत दिशा में जा रहा है, जबकि मात्र 19 प्रतिशत लोगों का मानना है कि चीजें सही रास्ते पर हैं।

याचिका पर आगे क्या होगा?

ऑनलाइन याचिका पर अब तक 1,786,902 हस्ताक्षर हो चुके हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार, सरकार कानून या नीतियों में बदलाव की मांग करने वाली किसी भी याचिका पर तभी प्रतिक्रिया देती है, जब उस पर 10,000 से अधिक हस्ताक्षर हो जाते हैं। यदि याचिका पर 1,00,000 हस्ताक्षरों की सीमा पार हो जाती है, तो उस पर संसद में बहस के लिए विचार किया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में बहस होने की संभावना है।

बांग्लादेश

ढाका में इस्कॉन के चिन्मय प्रभु गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को गिरफ्तार किया गया है। उनको देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में बांग्लादेश पुलिस ने ढाका एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ हिंदू समुदाय के लोग ढाका की सड़कों पर उतर पड़े और जाम लगा दिया। गौरतलब है कि चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में कई रैलियां की हैं। इन रैलियों में उन्होंने लगातार अंतरिम सरकार के मनमाने आचरण पर हमला बोला है। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता के रूप में भी काम कर रहे हैं।

समारोह: पीएम ने बिरला की बेटी-दामाद को दिया आशीर्वाद

नई दिल्ली में सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी के आशीर्वाद समारोह में नवदंपती को शुभकामनाएं देते पीएम नरेंद्र मोदी। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गृहमंत्री अमित शाह, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित देश के अनेक गणमान्य हस्तियां शामिल हुईं।

कार्रवाई: म्यांमार के 6 नागरिक हिरासत में

अंडमान से तटरक्षक बल ने पकड़ी 6 हजार किलो ड्रग्स

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय तटरक्षक टीम ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के पास से 6 हजार किलो ड्रग्स जब्त की है। यह भारत में ड्रग्स बरामदगी की अब तक की सबसे बड़ी खेप बताई जा रही है।

एक तटरक्षक अधिकारी के अनुसार पोर्ट ब्लेयर से करीब 150 किलोमीटर दूर बैरेन आइलैंड के पास एक नाव से ड्रग्स के 2-2 किलो के 3 हजार पैकेट जब्त किए गए हैं। इस नाव में म्यांमार के 6 नागरिक भी सवार थे, जिन्हें हिरासत में लिया गया है।

गश्त के दौरान पीछा किया, धर दबोचा

रिपोर्ट्स के मुताबिक 24 नवंबर को तटरक्षक के डोर्नियर एयरक्राफ्ट के रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान पायलट को यह नाव दिखाई दी थी। ड्रग तस्करी का शक होने पर पायलट ने नाव के पास पहुंचने की कोशिश की, लेकिन तस्करों ने रफ्तार बढ़ा दी। पायलट ने अंडमान-निकोबार कमान को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पोर्ट ब्लेयर पुलिस को भी सूचना दी गई। कुछ देर पीछा करने बाद पुलिस और कोस्टगार्ड ने मिलकर नाव को पकड़ लिया। जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत अरबों रुपए है।

ट्रेंडिंग न्यूज

सत्ता में आते ही सेना से ट्रांसजेंडर निकालेंगे

अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप सेना से सभी ट्रांसजेंडर हटाने का आदेश जारी कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार सभी 15000 ट्रांसजेंडर्स सैन्यकर्मियों को मेडिकली अनफिट बता कर निकाला जाएगा।

उरुग्वे में वामपंथी ओरसी बने राष्ट्रपति

वामपंथी राजनेता यामांडू ओरसी को उरुग्वे का राष्ट्रपति चुना गया है। दूसरे दौर की मतगणना के अनुसार, कंजरवेटिव नेशनल पार्टी के अल्वारो डेलगाडो को 45.90% वोट मिले और ब्रॉड फ्रंट गठबंधन के ओरसी 49.81% वोट पाकर विजयी हुए।

रोमानिया चुनाव में कैलिन ने चौंकाया

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण में रूस समर्थक स्वतंत्र उम्मीदवार कैलिन जॉर्जेस्कु ने पहले स्थान पर आकर चौंका दिया है। कैलिन का मुकाबला 8 दिसंबर को एलेना लासकोनी से होगा। पीएम मार्सेल सिओलाकू दौड़ से बाहर हो गए हैं।

बाधाएं दूर उत्तर पूर्व, राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित देश के 17 राज्यों को इस पावर प्रोजेक्ट से मिलेगी बिजली

सबसे बड़े हाइड्रो पावर प्लांट का पहला फेज मार्च में होगा शुरू

विकास जैन
patrika.com

गेरूकामुख (अरुणाचल प्रदेश). करीब 25 वर्ष के इंतजार के बाद देश की सबसे बड़ी हाइड्रो पावर सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना मार्च 2025 में शुरू होने जा रही है। पहले चरण में 250-250 मेगावाट की तीन इकाइयां शुरू होंगी। इससे राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर पूर्व सहित 17 राज्यों में बिजली का आवंटन होगा। प्रोजेक्ट के कार्यकारी निदेशक प्रमुख राजेंद्र प्रसाद ने सभी बाधाओं को दूर कर लिए जाने का दावा किया है। गौरतलब है कि एनजीटी ने इस परियोजना के क्रियान्वयन में कई बाधाएं बताईं थी। 2019 के बाद सभी अड़चने दूर होने के बाद असम व अरुणाचल की सीमा पर सुबनसिरी नदी पर बने डेम पर इन दिनों तेज गति से काम चल रहा है। यह बाईड्रॉप पावर परियोजना है, जिसकी स्थापित क्षमता 2000 मेगावाट है। प्रत्येक इकाई की क्षमता 250 मेगावाट है। असम को 533 मेगावाट, अरुणाचल को 274, अन्य उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम को 198, उत्तरी राज्य हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, चंडीगढ़ को 387, पश्चिमी राज्य गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गोवा को 613 मेगावाट बिजली का आवंटन किया जाएगा।

सुबनसिरी नदी पर बांध और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का टर्बाइन

हरी-भरी वादियां.. 'मरे हुए पहाड़'

अरुणाचल प्रदेश ऐसा राज्य है जहां की प्राकृतिक खूबसूरती यहां कदम रखते ही आकर्षित करती है। दो साल पहले ही अस्तित्व में आए यहां के डोनी पोलो एयरपोर्ट पहुंचते ही यह स्पष्ट हो गया कि इस खूबसूरत प्रदेश को आजादी के बाद विकास की कदमताल में अन्य राज्यों से पीछे ही रहना पड़ा। एयरपोर्ट से टैक्सी में सवार हुए तो सड़क के किनारे पहाड़ों के पत्थर के बजाय मिट्टी के होने का अहसास हुआ। टैक्सी ड्राइवर कैलास दास ने बताया कि इन्हें मरे हुए पहाड़ कह सकते हैं। जो पत्थर के बजाय अब मिट्टी का रूप ले चुके हैं।

दो साल पहले मिला डोनी पॉली एयरपोर्ट

अरुणाचल प्रदेश 25 जिलों वाला राज्य है और तीन देशों चीन, बर्मा और म्यांमार की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ा हुआ है लेकिन यह प्रदेश केवल दो साल पहले देश के हवाई सेवा नेटवर्क से जुड़ पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां डोनी पॉली एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। वर्ष 2019 में उन्होंने इसका शिलान्यास भी किया था। एयरपोर्ट अभी छोटा है, लेकिन इसके विस्तार का काम चल रहा है। फिलहाल, यह कोलकाता और दिल्ली से ही मुख्य

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।